राजस्थान पत्रिका

भारतीय सेना ने शुरू किया 'ऑपरेशन सिंदूर', पाक में तबाही

लश्कर का मुख्यालय मिट्टी में मिला, जैश के ठिकाने तबाह

न्याय हुआ... जय हिन्द!

पाकिस्तान और पीओके में नौ आतंकी ठिकानों पर वायुसेना की एयर स्ट्राइक

पाकिस्तान के बहावलपुर से लेकर पीओके के कोटली तक आतंकियों के ठिकाने ध्वस्त

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. भारत ने मंगलवार देर रात पहलगाम आतंकी हमले के गुनहगारों को सजा देने की कार्रवाई शुरू कर दी। भारतीय सेना ने पीओके में नौ आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की है। भारतीय सेना ने रात करीब दो बजे 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया, जिसके तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया है। पहलगाम के बैसरन में बीते 22 अप्रेल को आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने की कसम खाई थी, उन्होंने कहा था कि उनका 'दुनिया के अंत तक' पीछा किया जाएगा।

भारतीय सेना ने एक्स पर 'न्याय हुआ... जयहिंद' शीर्षक से डाले गए एक पोस्ट में कहा, 'थोड़ी देर पहले, भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में आतंकी ढांचे को नष्ट करने के लिए 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया, जहां से भारत के खिलाफ आतंकी हमलों की योजना बनाई गई और निर्देशित किया गया।' इससे पहले, सेना ने एक पोस्ट में लिखा था: *'प्रहाराय स्नहिताः, जय प्रशिक्षिताः'* यानी...हमला करने के लिए तैयार, जीतने के लिए प्रशिक्षित।

एयर स्ट्राइक के बाद सीमा पार अफरा-तफरी का माहौल।

सैन्य ठिकानों को नहीं किया गया टारगेट

रक्षा मंत्रालय ने कहा कि इस ऑपरेशन के दौरान पाकिस्तान की सैन्य सुविधाओं को नहीं छुआ गया है। इससे सुनिश्चित किया जा सके कि इस कार्रवाई का असल मकसद आतंक को खत्म करना है, न कि पड़ोसी मुल्क के साथ संघर्ष को बढ़ाना। किसी भी पाकिस्तानी सैन्य सुविधाओं को निशाना नहीं बनाया गया है। भारत ने संयम दिखाया है।

हमने काफी संयम बरता

हमने विशेष रूप से किसी भी पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान को निशाना बनाने से परहेज किया। भारत ने लक्ष्य चुनते समय और ऑपरेशन को लागू करते समय काफी संयम बरता। ये कार्रवाई पहलगाम में हुई क्रूर आतंकवादी घटना के बाद की गई, जिसमें 25 भारतीयों और एक नेपाली नागरिक की जान चली गई। हम इस हमले के पीछे के लोगों की जवाबदेही सुनिश्चित करने के अपने वादे को पूरा कर रहे हैं। **रक्षा मंत्रालय,** ऑपरेशन सिंदूर के बाद

पाकिस्तान में चीख पुकार
अफरातफरी, सभी उड़ानें रोकी

पाक सोशल मीडिया हैंडल्स के मुताबिक भारत की कार्रवाई के बाद देर रात पीओके की राजधानी मुजफ्फराबाद, बहावलपुर में अफरातफरी, चीख पुकार और दहशत का माहौल था। पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस ने सभी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रोक दी हैं। अधिकारियों ने कहा है कि सभी उड़ानों को कराची की ओर मोड़ा जा रहा है। यात्रियों को हवाई अड्डे पर न आने तथा घर वापस लौटने की सलाह दी है। भारतीय वायुसेना की पाक पर एयरस्ट्राइक से एयर ट्रैफिक पर असर पड़ा है। मॉस्को से दिल्ली आ रही एयरोफ्लोट एयरलाइंस की फ्लाइट को ताशकंद डायवर्ट, दुबई से दिल्ली आ रही फ्लाई दुबई एयरलाइंस की फ्लाइट को अहमदाबाद तथा हेलसिंकी से दिल्ली आ रही फिनएयर की फ्लाइट को बाकू डायवर्ट किया गया।शारजाह से दिल्ली आ रही एयर अरेबिया की फ्लाइटबीच रास्ते से वापस लौट गई।

जैश से जुड़ा मदरसा भी निशाने पर

पीओके के मुजफ्फराबाद से रिपोर्ट करते हुए रॉयटर्स ने कहा कि कई विस्फोटों की आवाजें सुनी गईं। एजेंसी ने पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता के हवाले से ब्रॉडकास्टर एआरवाई को बताया कि भारत ने पाकिस्तान पर तीन जगहों पर मिसाइलों से हमला किया है और पाकिस्तान भी इसका जवाब देगा। न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार मुजफ्फराबाद के निवासियों ने भी ऊपर से जेट विमानों की आवाजें सुनी हैं। उन्होंने कहा कि मुजफ्फराबाद के पास एक ग्रामीण इलाके में एक जगह है, जिसका इस्तेमाल कभी लश्कर-ए-तैयबा करता था, जिसे हमलों में निशाना बनाया गया। पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता ने बताया कि दो अन्य स्थानों पर भी हमला हुआ है। एक पंजाब प्रांत का बहावलपुर है, जहां जैश-ए-मोहम्मद से जुड़ा एक धार्मिक मदरसा है और दूसरा पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर का शहर कोटली है।

अलर्ट! आज मॉक ड्रिल, थार में गरजेंगे लड़ाकू विमान

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. भारतीय वायुसेना 7 और 8 मई को राजस्थान में पाकिस्तान सीमा के निकट एक महत्वपूर्ण सैन्य अभ्यास करने जा रही है। इसके लिए नोटिस टू एयरमेन (नोटाम) जारी किया गया है, जिसके अनुसार 7 मई को दोपहर 3:30 बजे से लेकर 8 मई की रात 9:30 बजे तक इस क्षेत्र में हवाई गतिविधियों पर नियंत्रण रहेगा। इसके अतिरिक्त, संकटकाल में नागरिकों को सुरक्षित रखने की अपनी तैयारी को परखने के लिए बुधवार को देशभर चिह्नित स्थानों पर नागरिक सुरक्षा अभ्यास भी किया जाएगा। इस दौरान हवाई हमले की चेतावनी देने वाले सायरन बजाए जाते हैं। ब्लैकआउट प्रोटोकॉल का पालन करते हुए लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचने की ट्रेनिंग दी जाती है। वायुसेना के एक अधिकारी ने बताया कि भारत-पाकिस्तान सीमा पर रेगिस्तानी क्षेत्र व आसपास के इलाकों में होने जा रहे वार गेम में राफेल, मिराज 2000 और सुखोई-30 सहित सभी अग्रणी विमान भाग लेंगे।

न्यूज विंडो

■ कंगना के खिलाफ मुकदमा खारिज

आगरा@ पत्रिका. आगरा की एमपी-एमएलए कोर्ट ने अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत के खिलाफ मुकदमा खारिज कर दिया। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और आंदोलनकारी किसानों के खिलाफ टिप्पणियों को लेकर आगरा के वकील रमाकांत शर्मा ने मुकदमा दायर किया था।

■ पवनदीप राजन की हालत अब बेहतर

नोएडा@ पत्रिका. इंडियन आइडल सीजन-12 के विजेता पवनदीप राजन अब खतरे से बाहर हैं। कार हादसे में गंभीर रूप से घायल होने के बाद नोएडा के एक अस्पताल में उनका आपरेशन किया गया। डॉक्टरों के मुताबिक पवनदीप होश में हैं। हालत में सुधार पर उन्हें छह-सात दिन में छुट्टी मिल सकती है।

■ इजराइल की उड़ानें अब 8 तक स्थगित

नई दिल्ली.@ पत्रिका. इजरायल के तेल अवीव के लिए एयर इंडिया की उड़ानें अब आठ मई तक स्थगित रहेंगी। तेल अवीव एयरपोर्ट पर मिसाइल हमले को लेकर विमानन कंपनी ने पहले छह मई तक उड़ानें स्थगित करने का फैसला किया था।

अधिसूचना जारी : कैशलेस ट्रीटमेंट स्कीम लागू

सड़क हादसे के घायलों का 1.5 लाख तक का इलाज हुआ फ्री

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. सरकार ने देशभर में सड़क दुर्घटना में घायल होने वाले लोगों के लिए कैशलेस इलाज की योजना शुरू कर दी है। इसके तहत सड़क हादसे के घायलों को 1.5 लाख रुपए तक का इलाज मुफ्त मिलेगा। सड़क परिवहन-राजमार्ग मंत्रालय की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक 'कैशलेस ट्रीटमेंट ऑफ रोड एक्सीडेंट विक्टिम्स स्कीम' पांच मई से लागू हो गई है।

अधिसूचना में बताया गया कि अगर सड़क हादसा मोटर वाहन के कारण होता है तो घायल व्यक्ति का इलाज इस योजना के तहत किया जाएगा। घायल को इलाज के लिए किसी तरह का पेमेंट करने की जरूरत नहीं होगी। सरकार और अस्पताल आपस में खर्च का हिसाब करेंगे। मुफ्त इलाज की सुविधा सिर्फ सात दिन के लिए होगी। यानी हादसे के बाद तुरंत अस्पताल ले जाए जाने पर पहले सात दिन तक का इलाज मुफ्त किया जाएगा। इलाज उन अस्पतालों में होगा, जिन्हें सरकार ने चुना है। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने जनवरी में ऐलान किया था कि सरकार कैशलेस ट्रीटमेंट की योजना लाने वाली है। देश में सड़क हादसों में हर साल करीब पांच लाख लोगों की मौत होती है, जबकि करीब चार लाख लोग गंभीर रूप से घायल होते हैं। सबसे ज्यादा प्रभावित दो पहिया वाहन चालक और पैदल चलने वाले होते हैं।

योजना की खास बातें

- योजना लागू करने के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण राज्य की पुलिस, **अस्पतालों और स्वास्थ्य एजेंसी के साथ मिलकर काम** करेगा।
- सरकार के चुने हुए **अस्पतालों में मुफ्त इलाज किया जाएगा।** बाकी अस्पतालों में बेसिक इलाज ही मिलेगा।
- योजना सिर्फ मोटर वाहन से होने वाले हादसों के लिए है। **हादसा किसी और वजह से होने पर इसका लाभ नहीं मिलेगा।**
- सात दिन से ज्यादा इलाज कराने पर **खर्च पीड़ितों को वहन करना पड़ेगा।**

पहली बार : सुप्रीम कोर्ट के 33 में से 21 जजों की संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक

सीजेआइ के पास 2.83 करोड़ तो जस्टिस विश्वनाथन के पास 120 करोड़ की संपत्ति

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने न्यायपालिका में पारदर्शिता और लोगों का विश्वास बढ़ाने के लिए जजों की संपत्ति की जानकारी सार्वजनिक कर दी है। सोमवार रात सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर 33 जजों में से 21 की संपत्ति की जानकारी दी गई। यह पहली बार हुआ है जब सुप्रीम कोर्ट के जजों की संपत्ति सार्वजनिक की गई है।

शीर्ष अदालत की ओर से सार्वजनिक की गई संपत्ति के मुताबिक सीजेआइ संजीव खन्ना के पास करीब 2.83 करोड़ रुपए की संपत्ति है। इनमें सावधि जमा व बैंक खातों में 55.75 लाख रुपए, सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ) में 1.06 करोड़ रुपए और सामान्य भविष्य निधि (जीपीएफ) में 1.77 करोड़ रुपए से अधिक है। सीजेआइ खन्ना के पास 250 ग्राम सोना व 2 किलोग्राम चांदी है, जो मुख्य रूप से उपहार या विरासत के रूप में प्राप्त हुई है। उनके परिवार के पास 700 ग्राम सोना, 5 किलोग्राम चांदी और हीरे, मोती और माणिक के आभूषण हैं, जो पारिवारिक विरासत या विशेष अवसरों पर मिले हैं।

वहीं जस्टिस केवी विश्वनाथन के पास 120.96 करोड़ से अधिक की संपत्ति है। उन्होंने शेयरों, म्यूचुअल फंड, सावधि जमा और अन्य जगह निवेश कर रखा है। इसमें उन्हें बहुत से शेयर विरासत में भी मिले हैं। उनके पास आरबीआइ की उदारीकृत विप्रेषण योजना के तहत दो बार 500,000 डालर भी हैं। **शेष@ पेज08**

सीजेआइ संजीव खन्ना, जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन

नियुक्ति प्रक्रिया का भी खुलासा

जजों की संपत्ति के खुलासे के साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने 9 नवंबर, 2022 से 5 मई, 2025 की अवधि के दौरान हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में नियुक्तियों की पूरी प्रक्रिया का भी खुलासा किया। इनमें सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम को सौंपी गई भूमिका, राज्य सरकारों और केंद्र से मिलने वाला इनपुट व कॉलेजियम के विचार शामिल हैं। यह फैसला इसलिए लिया गया ताकि जनता को जानकारी और जागरूकता मिल सके। इसमें जज का नाम, हाईकोर्ट, सोर्स (सर्विस से या बार से), सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिश की तारीख, नोटिफिकेशन और नियुक्ति की तारीख, कैटेगरी (एससी/एसटी/ओबीसी/अल्पसंख्यक /महिला) शामिल है।

द्विपक्षीय साझेदारी : मोदी और स्टार्मर ने की घोषणा

टैरिफ वार के बीच भारत और ब्रिटेन में हुआ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. दुनियाभर में चल रहे टैरिफ वार के बीच भारत के लिए मंगलवार को एक अच्छी खबर सामने आई है। भारत और ब्रिटेन के बीच मंगलवार को बहुप्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौता (फ्री ट्रेड एग्रीमेंट) हो गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने समकक्ष कीर स्टार्मर को बधाई देते हुए इसका ऐलान किया। दुनिया की पांचवी और छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के बीच लंबे समय से इसे लेकर तीन साल बातचीत चल रही थी। मोदी और स्टार्मर ने इस साझेदारी को ऐतिहासिक बताया।

मोदी ने कहा कि इस समझौते से साझेदारी, नवाचार और निवेश बढ़ेगा, साथ ही रोजगार के मौके भी मिलेंगे। यह समझौता दो बड़ी व खुले बाजार वाली अर्थव्यवस्थाओं के बीच कारोबारी अवसरों को नया आयाम देगा, आर्थिक संबंधों को मजबूत करेगा और लोगों के बीच संबंधों को और गहरा बनाएगा। **शेष@ पेज08**

भारत को लाभ

ब्रिटेन भारत से आयात किए जाने वाले टेक्सटाइल, चमड़े के सामान, फुटवियर और समुद्री उत्पाद पर टैरिफ कम करेगा। इससे भारत को प्रतिस्पर्द्धात्मक लाभ मिलेगा। वहीं आइटी, हेल्थकेयर और अन्य पेशेवर सेवाओं में ब्रिटेन में अधिक अवसर मिलेंगे। भारतीय कर्मचारियों को सोशल सिक्योरिटी भुगतान से तीन वर्ष की छूट मिलेगी।

ब्रिटेन को फायदा

भारत समझौते के तहत 90% ब्रिटिश वस्तुओं पर टैरिफ में कटौती करेगा। व्हिस्की और जिन पर टैरिफ 150% से घटाकर 75% किया गया है। 10 साल में 40% तक कम किया जाएगा। अगले 10 वर्ष में दोनों देशों के बीच 85% वस्तुओं पर कोई आयात शुल्क नहीं रहेगा। कारों पर टैरिफ घटाकर 10% किया गया।

सुप्रीम कोर्ट

ट्रेंडिंग न्यूज

गोधरा कांड के दोषियों की अर्जी खारिज

नई दिल्ली@ पत्रिका. सुप्रीम कोर्ट ने गोधरा ट्रेन अग्निकांड के दोषियों की वह याचिका खारिज कर दी, जिसमें दो जजों की पीठ में उनकी अपील सुनने पर आपत्ति जताई गई थी। याचिका में कहा था कि दो जजों की पीठ मौत की सजा के मामले से जुड़ी अपील पर सुनवाई नहीं कर सकती।

फैसला खारिज

ए. राजा की विधानसभा सदस्यता बहाल

नई दिल्ली@ पत्रिका. सुप्रीम कोर्ट ने केरल हाईकोर्ट के उस फैसले को खारिज कर दिया, जिसमें केरल की देवीकुलम विधानसभा सीट से माकपा नेता ए. राजा का चुनाव रद्द कर दिया गया था। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि राजा पूरी अवधि के लिए विधानसभा सदस्य के रूप में सभी लाभों के हकदार हैं।

गुजरात

नदी में डूबने से चार युवकों की मौत

अहमदाबाद@ पत्रिका. गुजरात के अमरेली जिले के गावडका गांव में सोमवार शाम शेत्रुंजी नदी में डूबने से चार युवकों की मौत हो गई। युवक नदी में नहाने उतरे थे और गहरे पानी में चले गए। उनकी उम्र 18 से 27 साल बताई गई है। गोताखोरों ने देर रात चारों के शव निकाले।

हौसलों की उड़ान | **भारत के अंतरिक्ष मानव मिशन का हिस्सा बनने का सपना**

एस्ट्रोनॉट बनना चाहती हैं रफाल की पहली महिला पायलट

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. रफाल लड़ाकू विमान उड़ाने वाली भारतीय वायुसेना की पहली महिला पायलट लेफ्टिनेंट शिवांगी सिंह अब अंतरिक्ष यात्री बनने का सपना देख रही हैं। भारत अंतरिक्ष में मानव मिशन की योजना बना रहा है। शिवांगी का कहना है, 'यह मेरी अगली चुनौती होगी। मैंने एक ऐसे क्षेत्र में सफलता हासिल की, जो लंबे समय तक पुरुषों के लिए आरक्षित रहा। अगर मैं सफल हुई हूं तो दूसरी महिलाएं भी यह काम कर सकती हैं।'

वाराणसी में जन्मी 29 साल की शिवांगी ने एक समाचार एजेंसी से बातचीत में कहा, मेरी जैसी कई महिलाएं फाइटर पायलट बन चुकी हैं। यह न सिर्फ हमारे समाज का आधुनिकीकरण दर्शाता है, बल्कि यह भी दिखाता है कि महिलाएं अब अपने सपनों को पूरा कर सकती हैं। उम्मीद है कि अंतरिक्ष यात्री बनने का सपना भी पूरा होगा। शिवांगी के पति भी फाइटर पायलट हैं। शिवांगी ने कहा, मेरी मां प्रेरणा स्रोत थीं। **शेष@ पेज08**

शिक्षित ही नहीं, आत्मनिर्भर भी बनाया मां की प्रेरणा ने

देखा एक ख्वाब तो ये सिलसिले हुए...

कई साल पहले शिवांगी पहली बार नई दिल्ली के वायुसेना संग्रहालय गई थीं। तब छोटी बच्ची थीं। उसी संग्रहालय में समय को याद करते हुए उन्होंने कहा, यहीं से मेरे रोमांच की शुरुआत हुई। यहां विमानों को देखकर मेरा मुंह खुला रह गया था। तभी फैसला कर लिया था कि पायलट बनना है। पहली बार कॉकपिट में बैठी तो नर्वस और चिंतित थी, लेकिन अकेले उड़ान भरने का लम्हा बेहद रोमांचक था।

नियंत्रण में कौशल की जरूरत

शिवांगी ने बताया कि जब वह पहली बार मिग-21 लड़ाकू विमान में बैठीं तो एहसास हुआ कि लड़ाकू विमान उड़ाने के लिए नियंत्रण पाने में कितने कौशल की जरूरत होती है। भारतीय वायुसेना में महिलाओं की भर्ती 1995 में शुरू हुई थी, लेकिन उन्हें फाइटर पायलट बनने की इजाजत 2015 में मिली। इस समय वायुसेना में 1,600 से ज्यादा महिला अधिकारी हैं। इनमें कई फाइटर पायलट हैं।

बांग्लादेश में हद हो गई : हिंदुओं की आस्था का प्रतीक था पेड़, मांगते थे मन्नत

पेड़ के लिए फतवा...200 साल पुराने बरगद के नीचे पूजा करते थे लोग, इसलिए काट डाला

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

ढाका. बांग्लादेश में अल्पसंख्यक ही नहीं, पेड़-पौधे भी कट्टरपंथियों के निशाने पर हैं। मदारीपुर जिले के शिराखारा यूनियन के आलम मीर कंडी गांव में एक 200 साल एक बरगद के पेड़ को कट्टरपंथियों ने सिर्फ इसलिए काट दिया, क्योंकि वो हिंदुओं की आस्था का प्रतीक था। इसके लिए कट्टरपंथियों की ओर से बरगद के पेड़ के खिलाफ फतवा भी जारी किया। इसमें बरगद के पेड़ को शिर्क (अल्लाह के साथ किसी और को जोड़ने की हरकत) बताया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें कई लोग बरगद के पेड़ को काटते नजर आ रहे हैं। हिंदुओं की परंपरा में बरगद और पीपल के पेड़ पूजे जाते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस पेड़ के नीचे लोग मन्नत मांगते थे।

पेड़ काटना, आत्मा काटने जैसा

स्थानीय लोगों के मुताबिक यह पेड़ लोकविश्वास व सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक था। स्थानीय लोगों के मुताबिक कट्टपंथियों ने बीते शुक्रवार को एक सभा बुलाई थी, जिसमें इसे काटने का निर्णय लिया। लोगों का कहना था कि यह पेड़ काटना हमारी आत्मा को काटने जैसा है।

भाजपा : जातिगत जनगणना के पक्ष में जश्न, पंजाब सरकार के दिल्ली का पानी रोके जाने के विरोध में प्रदर्शन

दिल्ली भाजपा ओबीसी मोर्चा ने प्रधानमंत्री मोदी सरकार द्वारा लाई गई जाति जनगणना के स्वागत में पालिका मार्केट, कनॉट प्लेस में जश्न मनाया (बाएं)। वहीं भाजपा नेताओं ने -पंजाब सरकार द्वारा दिल्ली का पानी रोके जाने के विरोध में अरविंद केजरीवाल के घर पर प्रदर्शन किया।

चिंता : बेंच ने पूछा - एफआइआर दर्ज हुई या नहीं?

कोटा-खड़गपुर में छात्र के सुसाइड पर सुप्रीम कोर्ट ने मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली @ पत्रिका. सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को हाल ही कोटा में नीट की तैयारी के लिए कोचिंग कर रहे छात्र और खड़गपुर के आइआइटी छात्र की आत्महत्या पर स्टेटस रिपोर्ट मांगी है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर.महादेवन की बेंच ने विद्यार्थियों की आत्महत्या रोकने और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी याचिका की सुनवाई के दौरान जानना चाहा कि हाल ही कोटा व खड़गपुर में सुसाइड की घटनाओं पर प्राथमिकी दर्ज की गई है? बेंच ने अपने पूर्व निर्देश याद दिलाए कि शैक्षणिक परिसर में आत्महत्या जैसी किसी दुर्भाग्यपूर्ण घटना की स्थिति में संस्थान का यह स्पष्ट कर्तव्य है कि वह तत्काल एफआइआर दर्ज करवाए। बेंच ने कहा कि जनवरी से अब तक कोटा में कोचिंग स्टूडेंट की आत्महत्या के कुल 17 मामले सामने आए हैं। हम जानना चाहते हैं कि इस आत्महत्या के संबंध में भी एफआईआर दर्ज की गई है या नहीं। बेंच ने पूर्व सुनवाई में उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्रों की आत्महत्या के मुद्दे सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस एसआर भट की अध्यक्षता में राष्ट्रीय टास्क फोर्स गठित की थी। कोर्ट ने आज सुनवाई के दौरान टास्क फोर्स के लिए 20 लाख रुपए के बजट के बारे में जानकारी मांगी। इस पर केंद्र सरकार ने बताया कि ड्राफ्ट तैयार हैं। कोर्ट ने ड्राफ्ट रजिस्ट्री में जमा करवाने को कहा। मामले की अगली सुनवाई 13 मई को होगी।

कॉपीराइट केस में रहमान को राहत

नई दिल्ली@ पत्रिका. दिल्ली हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने संगीतकार ए.आर. रहमान के खिलाफ सिंगल बेंच के आदेश पर रोक लगा दी है। सिंगल बेंच ने फिल्म 'पोन्नियनसेलवन 2' के गाने 'वीरा राजा वीरा' में संगीत के कॉपीराइट उल्लंघन पर रहमान व प्रोडक्शन कंपनी मद्रास टाकीज पर दो करोड़ रुपए के जुर्माने का आदेश दिया था।

समय सीमा में एक और बदलाव, तैयारियां अब अंतिम चरण में

गगनयान मिशन के तहत अब 2027 में उड़ान भरेंगे भारतीय अंतरिक्षयात्री

इसी साल के अंत तक पहला मानव रहित मिशन लॉन्च करने की योजना

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. बेंगलूरु. देश के महत्वाकांक्षी मानव अंतरिक्ष मिशन गगयनान का प्रक्षेपण अब वर्ष 2027 की पहली तिमाही में होने की उम्मीद है। पहले यह मिशन 2022 में लॉन्च करने की योजना थी, लेकिन कोरोना और तकनीकी चुनौतियों के मद्देनजर समय सीमा में कई बार बदलाव हुए।

वैश्विक अंतरिक्ष अन्वेषण सम्मेलन (ग्लेक्स 2025) की पूर्व संध्या पर नई दिल्ली में मंगलवार को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी.नारायणन के साथ संवाददाताओं से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि गगनयान मिशन की तैयारियां अब अंतिम दौर में पहुंच गई हैं। आपात स्थिति में अंतरिक्ष यात्रियों की बचाव प्रणाली क्रू एस्केप सिस्टम (टीवी डी-1) और टेस्ट व्हीकल एबॉर्ट मिशन के सफल परीक्षण से मजबूत आधार तैयार हुए हैं। दूसरा टेस्ट व्हीकल मिशन (टीवी डी-2) का परीक्षण इस साल प्रस्तावित है और उसके बाद मानव रहित गगनयान मिशन का प्रक्षेपण किया जाएगा। तीन मानव रहित मिशनों के सफल प्रक्षेपण के बाद मानव मिशन भेजने की योजना है।

गगयान मिशन के 90% काम पूरे : नारायणन

इसरो अध्यक्ष वी.नारायणन ने कहा कि गगनयान मिशन के तहत भारतीय अंतरिक्ष यात्री अब 2027 की पहली तिमाही में उड़ान भरेंगे। उसके पहले मानव रोबोट व्योममित्रा को भेजा जाएगा। मानव मिशन की समय सीमा बदलकर पहले 2025 और उसके बाद 2026 की गई थी। इसरो अध्यक्ष ने कहा कि यह बेहद जटिल प्रक्रिया है और भारत पहली बार ऐसा मिशन लांच करने जा रहा है। वह विश्वास के साथ कह सकते हैं कि मिशन का 90 फीसदी काम पूरा हो चुका है। विभिन्न प्रणालियां योग्यता परीक्षण के अंतिम दौर में हैं।

स्पेडक्स-2 मिशन भी लॉन्च करने की योजना

इसरो अध्यक्ष ने कहा कि स्पेडेक्स मिशन के तहत दो उपग्रहों को आपस में जोड़ने की जटिल डॉकिंग तकनीक के सफल प्रदर्शन के बाद इसरो स्पेडेक्स-2 की भी योजना बना रहा है। जल्द ही इस संबंध में एक प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा जाएगा। इस मिशन के दौरान कुछ ऐसे भी प्रयोग हुए हैं जो भविष्य में उपग्रहों का जीवनकाल बढ़ाने के लिए इन-आर्बिट सर्विसिंग की आधारभूत तकनीक है। चूंकि, इसरो वैज्ञानिकों ने उपग्रहों में मौजूद ईंधन का विवेकपूर्ण इस्तेमाल किया इसलिए कई और प्रयोग संभव हो सका। भारत की मेजबानी में नई दिल्ली में बुधवार से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष अन्वेषण सम्मेलन (ग्लेक्स-2025) का आयोजन हो रहा है जो 9 मई तक चलेगा।

बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा की दिशा में संघर्ष पर मिली उपलब्धि

वर्ल्ड ज्यूरिस्ट एसोसिएशन ने भुवन ऋभु को किया सम्मानित

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. प्रख्यात बाल अधिकार कार्यकर्ता व अधिवक्ता भुवन ऋभु को वर्ल्ड लॉ कांग्रेस में वर्ल्ड ज्यूरिस्ट एसोसिएशन ने प्रतिष्ठित 'मेडल ऑफ ऑनर' पुरस्कार से सम्मानित किया। वर्ल्ड लॉ कांग्रेस में 70 देशों के 1500 से ज्यादा विधिक क्षेत्र के दिग्गजों व 300 वक्ताओं ने हिस्सा लिया। जहां एसोसिएशन ने कानूनी हस्तक्षेपों और जमीनी लामबंदियों के जरिए बच्चों और उनके अधिकारों की सुरक्षा की दिशा में संघर्षों और उपलब्धियों के लिए भुवन को सम्मानित किया। यह कांग्रेस डोमिनिकन रिपब्लिक में 4 से 6 मई के बीच संपन्न हुई। पुरस्कार लेने के बाद भुवन ने कहा कि न्याय की लड़ाई में बच्चों को कभी भी अकेला नहीं छोड़ना चाहिए। कानून उनकी ढाल और न्याय उनका अधिकार होना चाहिए। डोमिनिकन रिपब्लिक के श्रम मंत्री एडी ओलिवारेज आँर्तेगा और एसोसिएशन के अध्यक्ष जेवियर क्रेमाडेस ने उन्हें मेडल ऑफ ऑनर प्रदान किया। इस अवसर पर डोमिनिकन रिपब्लिक की महिला विभाग की मंत्री मायरा जिमेनेज भी उपस्थित थीं।

60 से ज्यादा पीआईएल पर ऐतिहासिक फैसले : वर्ष 1963 में स्थापित वर्ल्ड ज्यूरिस्ट एसोसिएशन दुनिया के विधिवेत्ताओं की सबसे पुरानी संस्था है, जिसने न्याय के शासन की स्थापना में अपने योगदान के लिए विंस्टन चर्चिल, नेल्सन मंडेला, रूथ बेडर गिन्सबर्ग, स्पेन के राजा फेलिप, रेने कैसिन और कैरी कैनेडी जैसी ऐतिहासिक हस्तियों को सम्मानित किया है। भुवन के सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों में दायर 60 से ज्यादा जनहित याचिकाओं के नतीजे में कई ऐतिहासिक फैसले आए हैं, जिसने देश में बाल अधिकार व बच्चों की सुरक्षा का पूरा परिदृश्य बदल दिया है। वे जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) के संस्थापक हैं।

गुजरात में प्रशिक्षण वर्ग को लेकर कसा तंज

फीडबैक में पर्ची बदली तो कहीं दिक्कत न हो जाए: डोटासरा

अजमेर @ पत्रिका. गुजरात में चल रहे भाजपा के प्रशिक्षण वर्ग को लेकर चल रही सियासी बयानबाजी के बीच प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद डोटासरा ने राज्य की भाजपा सरकार पर कटाक्ष किए हैं। उनका कहना है कि राज्य में पर्ची की सरकार चल रही है और सीएम भजनलाल शर्मा गुजरात में प्रशिक्षण लेने गए हैं। डोटासरा ने चुटकी ली कि वहां फीडबैक के आधार पर पर्ची बदलने के साथ कुछ भी हो सकता है। अजमेर में मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में डोटसरा ने कहा कि गुजरात प्रशिक्षण को लेकर सीएम शर्मा, पांच बार के सांसद, छह बार के विधायक और तीन बार मुख्यमंत्री रहे अशोक गहलोत के मानसिक संतुलन को लेकर असभ्य भाषा बोल रहे हैं। भाजपा-आरएसएस कब किसकी पर्ची बदल दे तय नहीं है। ऐसा हुआ तो सीएम-सरकार की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

आतंकियों का करें सफाया: डोटासरा ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सहित सभी विपक्षी दल सरकार के साथ हैं। सरकार को कठोर कार्रवाई कर आतंकियों और इन्हें पनाह देने वालों का सफाया करना चाहिए।

यहां कौन राजा हरिश्चंद्र है...

वहीं जोधपुर के सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में डोटासरा ने विभिन्न घोटालों में पूर्व मंत्रियों की गिरफ्तारी को लेकर कहा कि यहां कौन राजा हरिश्चंद्र है। सरकारें होती है, गलतियां हो जाती है। घोटाले भी होंगे। डोटासरा ने राजा हरिश्चंद्र का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्होंने भी लड्डू चुराने की बात को स्वीकार किया था। जो गलती करेगा, उसे सलाखों के पीछे जाना होगा। इसके लिए बाकायदा जांच कमेटियां बनती और जांच करती है। उन्होंने कहा कि पूर्व मंत्री महेश जोशी पर जो आरोप लगे हैं, उस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने उनके साथ गिरफ्तार हुए लोगों को यह कहते हुए जमानत दे दी कि इसमें कुछ मामला ही नहीं बनता है।

नागर विमानन मंत्रालय

कोटा और पुरी में एयरपोर्ट बनाने को सैद्धांतिक मंजूरी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. केंद्रीय नागर विमानन मंत्री राममोहन नायडू किंजरापु ने राजस्थान के कोटा और ओडिशा के पुरी में ग्रीनफील्ड हवाई अड्डों की स्थापना को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। कोटा को हवाई अड्डे का लंबे समय से इंतजार है। लोकसभा अध्यक्ष और कोटा-बूंदी से सांसद ओम बिरला कोटा में हवाई अड्डे के निर्माण के लिए प्रयास करते रहे हैं। प्रस्तावित हवाई अड्डा न सिर्फ प्रमुख शैक्षणिक व औद्योगिक केंद्र के रूप में प्रसिद्ध इस शहर की, बल्कि पूरे हाड़ौती में बढ़ती आबादी और आर्थिक गतिविधियों से जुड़ी जरूरतों की पूर्ति करेगा। भारत के प्रमुख तीर्थ स्थलों में से एक भगवान जगन्नाथ का निवास पुरी विश्व से लाखों भक्तों को आकर्षित करता है। पुरी में हवाई अड्डा बनने से धार्मिक पर्यटन और क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा मिलेगा।

पत्रिका
विस्तृत खबरों और फोटोग्राफ्स के लिए देखें...
patrika.com

संगठन मजबूती के लिए राहुल गांधी खुद सक्रिय, काम नहीं करने वाले तीन पर्यवेक्षकों को बदला

कांग्रेस: एक महीने में जमीन पर उतरने लगा अहमदाबाद अधिवेशन का एजेंडा

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. कांग्रेस के अहमदाबाद में पिछले महीने हुए राष्ट्रीय अधिवेशन के फैसलों का असर दिखने लगा है। जहां पार्टी अपने संगठन को पुनर्गठित कर रही है, वहीं जाति जनगणना के बाद अब आरक्षण की सीमा बढ़ाने को लेकर अभियान भी चला रही है। संगठन मजबूती के लिए खुद राहुल गांधी सक्रिय दिख रहे हैं। गुजरात में जिलाध्यक्षों के चयन के लिए नियुक्त किए पर्यवेक्षकों की लगातार बैठकें ली जा रही हैं। ढिलाई बरतने पर तीन पर्यवेक्षकों को बदला भी गया है।

दरअसल, कांग्रेस ने इस वर्ष संगठन मजबूत करने का निर्णय किया है। अहमदाबाद के कांग्रेस अधिवेशन में भी इस निर्णय को गंभीरता से लागू करने का संकल्प लिया गया। इसके लिए पार्टी सभी रिक्तियों को भरने के साथ कई राज्यों में जिले और प्रदेश इकाइयों का पुनर्गठन कर रही हैं। इसके तहत सबसे पहले गुजरात में यह कवायद चल रही हैं। जहां कांग्रेस करीब तीन दशक से सत्ता से बाहर है। जिलाध्यक्षों के चयन के लिए पार्टी ने कई वरिष्ठ नेताओं को पर्यवेक्षक बनाकर गुजरात भेजा। कुछ पर्यवेक्षकों ने अपने काम में ढिलाई बरती, जिस पर पिछले सप्ताह वीडियो कांफ्रेंसिंग से हुई बैठक में राहुल गांधी ने इस पर कार्रवाई के लिए कहा। राहुल ने कहा कि जिन नेताओं के पास समय नहीं है, उन्हें पर्यवेक्षक नहीं बनाया जाए। राहुल ने राजस्थान के जयपुर शहर की एक सीट से विधायक समेत तीन पर्यवेक्षकों को बदलने के निर्देश भी दिए।

अब आरक्षण को लेकर अभियान

अहमदाबाद अधिवेशन में जाति जनगणना और आरक्षण की सीमा को 50 फीसदी के पार ले जाने के मुद्दों को उठाया गया था। सरकार ने जाति जनगणना की मंजूरी दे दी है। ऐसे में पार्टी अब आरक्षण की सीमा को बढ़ाने को लेकर अभियान चला रही है।

सतलुज-यमुना लिंक मामले में पंजाब सरकार को सुप्रीम कोर्ट की फटकार

जमीन अधिग्रहण रद्द कर अदालती आदेश विफल करने का प्रयास

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को सतलुज-यमुना लिंक (एसवायएल) नहर के निर्माण के लिए अदालती आदेश का पालन करने से इनकार करने पर पंजाब सरकार कड़ी फटकार लगाई और पंजाब और हरियाणा सरकारों को जल बंटवारे के मुद्दे के सौहार्दपूर्ण समाधान के लिए केंद्र सरकार के साथ सहयोग करने का निर्देश दिया।

जस्टिस एजी मसीह के साथ बेंच की अगुवाई कर रहे जस्टिस बीआर गवई ने इस पर आपत्ति जताई कि नहर निर्माण के लिए शीर्ष अदालत से आदेश के बावजूद पंजाब सरकार ने नहर के लिए अधिग्रहित भूमि का अधिग्रहण खत्म कर दिया। यह अदालत के आदेश को विफल करने का प्रयास और मनमानी है। बेंच एसवायएल मामले में हरियाणा की ओर से 1996 में दायर मूल मुकदमे की सुनवाई कर रहा था।

सुनवाई के दौरान पंजाब सरकार के वकील ने इस मुद्दे को राज्य के लिए भावनात्मक मामला बताया तो बेंच ने कहा कि क्या अदालत ने आदेश बिना सोचे समझे दिया था। मामले की अगली सुनवाई 13 अगस्त को होगी।

चार धाम के साथ छत्रपति शिवाजी के विरासत से जुड़े स्थलों के लिए शुरू हुई विशेष ट्रेनें

धार्मिक स्थल व महापुरुषों से जुड़े स्थानों के लिए रेल सेवा को तरजीह

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. देश के धार्मिक स्थलों के साथ महापुरूषों की विरासत के जुड़े स्थलों को ट्रेनों से जोडने का काम जोरों पर चल रहा है। इसके तहत रेलवे ने बद्रीनाथ, जगन्नाथ पुरी, रामेश्वरम और द्वारका और छत्रपति शिवाजी महाराज की विरासत के दर्शन कराने के लिए भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन शुरू की जा रही है।

यात्रा 27 मई से

दिल्ली के सफदरजंग रेलवे स्टेशन से 27 मई को 17 दिवसीय चारों धाम भारत गौरव डीलक्स यात्रा की शुरुआत होगी। इसके तहत बद्रीनाथ, माना गांव, नरसिंह मंदिर, जोशीमठ, ऋषिकेश, जगन्नाथ मंदिर, पुरी समुद्र तट, कोणार्क सूर्य मंदिर, चंद्रभागा समुद्र तट, रामेश्वरम में रामनाथ स्वामी मंदिर और धनुषकोड़ी तथा द्वारका में द्वारकाधीश मंदिर, नागेश्वर ज्योतिर्लिंग और भेंट द्वारका जैसी जगहों का भ्रमण कराया जाएगा। इस यात्रा में शामिल यात्रियों को वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर, पुणे में भीमशंकर मंदिर और नासिक में त्र्यंबकेश्वर मंदिर का भ्रमण भी कराया जाएगा। 17 दिनों की यात्रा के दौरान सभी भक्त 8425 किलोमीटर की यात्रा करेंगे।

शिवाजी की विरासत यात्रा

भारतीय रेल पहली बार 'छत्रपति शिवाजी महाराज सर्किट' पर हैरिटेज टूर का आयोजन करने जा रही है। इस टूर में मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन से जुड़े प्रमुख स्थलों को कवर किया जाएगा। यह ट्रेन यात्रा 9 जून को प्रस्थान करेगी। 5 रात और 6 दिन की होगी।

- **पहला दिन:** ट्रेन से छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से मनगांव पहुंचेंगे। यहां से पर्यटक रायगढ़ किले जाएंगे, जहां शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक हुआ था और बाद में उनकी राजधानी भी बना। इसके बाद पर्यटक ट्रेन से पुणे जाएंगे।
- **दूसरे दिन:** पुणे में लाल महल, कसबा गणपति और शिवसृष्टि - दिखाए जाएंगे। लाल महल का निर्माण 1630 ई. में शाहजी भोंसले ने अपनी पत्नी जीजाबाई और पुत्र शिवाजी के लिए करवाया था।
- **तीसरे दिन:** शिवनेरी किले की यात्रा होगी, जो जुन्नार सिटी के पास एक पहाड़ी पर स्थित है। यह छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्मस्थान और मुस्लिम शासन के खिलाफ मराठा गौरव का प्रतीक है।
- **चौथे दिन:** सतारा और प्रतापगढ़ किले का भ्रमण करेंगे। जहां 1659 में अफज़ल खान और शिवाजी के बीच युद्ध हुआ था।
- **पांचवें दिन:** महालक्ष्मी मंदिर (अंबाबाई) और फिर पन्हाला किला जाएंगे। सह्याद्री पर्वत पर स्थित यह किला कई ऐतिहासिक लड़ाइयों का साक्षी रहा है। यहीं शिवाजी महाराज 500 दिनों तक रुके थे।

शिक्षा मंत्रालय ने दी मंजूरी, 1000 से ज्यादा विद्यार्थियों को मिलेगा प्रवेश

गिफ्ट सिटी में ऑफ कैंपस केन्द्र शुरू करेगा भारतीय विदेश व्यापार संस्थान

अंतरराष्ट्रीय व्यापार में एमबीए कोर्स होगा शुरू

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

अहमदाबाद. नई दिल्ली. गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (गिफ्ट-सिटी) में एक और शिक्षा संस्थान का परिसर खुलेगा। देश के शिक्षा मंत्रालय ने गांधीनगर स्थित गिफ्ट सिटी में भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी), नई दिल्ली को अपना ऑफ-कैंपस केंद्र स्थापित करने की मंजूरी दी है। इस केन्द्र में 1,000 से अधिक छात्रों को प्रवेश दिया जा सकेगा। संस्थान का अंतरराष्ट्रीय व्यापार में मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए) का प्रसिद्ध कोर्स भी शुरू होगा। अन्य अल्पकालिक कोर्स भी शुरू होंगे। यह केंद्र विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) विनियम, 2023 के नियमों के तहत स्थापित होगा।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि गिफ्ट सिटी में आईआईएफटी का ऑफ कैंपस केन्द्र खुलने से संस्थान के प्रमुख कोर्स एमबीए (अंतरराष्ट्रीय व्यापार) में प्रतिभाओं को प्रशिक्षित करने का मौका मिलेगा। साथ ही अंतरराष्ट्रीय व्यापार के क्षेत्र में अल्पकालिक कोर्स और अनुसंधान का मार्ग भी प्रशस्त होगा।

पत्रिका समूह के प्रधान संपादक गुलाब कोठारी ने सीकर में 'स्त्री देह से आगे' विषय पर किया संवाद

स्त्री में सोम तत्व से मातृत्व व मिठास, बुद्धिवाद से पुरुष में अहंकार: कोठारी

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

सीकर . पत्रिका समूह के प्रधान संपादक गुलाब कोठारी ने कहा कि स्त्री व पुरुष प्रकृति से अलग है। पुरुष में सूर्य तत्व के कारण अहं व उष्णता और स्त्री में सोम तत्व की वजह से मातृत्व व मिठास है। सूर्य के प्रतीक बुद्धिवाद से पुरुष अहंकार और स्त्री का संवेदनाओं की वजह से आत्मा से संबंध होता है। गर्भ में आकृति देने से लेकर जीव की प्रकृति व भविष्य तक स्त्री पर निर्भर करता है। अग्नि में सोम की आहुति से ही सृष्टि का सृजन होता है, लेकिन आधुनिक शिक्षा प्रकृति की इस शिक्षा को छीन रही है। अब स्त्री बुद्धिवाद की तरफ बढ़ रही है। ऐसे में एक ही ध्रुव के होने पर स्त्री व पुरुष के संबंधों की मिठास कम हो रही है। कोठारी मंगलवार को पालवास रोड स्थित प्रिंस एनडीए संस्थान में 'स्त्री देह से आगे' विषय पर तात्विक संबोधन दे रहे थे।

'स्त्री देह से आगे' विषय पर संवाद करते गुलाब कोठारी।

उन्होंने कहा कि स्त्री केवल शरीर नहीं है। उसमें वह गुण है कि वह पशु योनि से आए जीव को भी गर्भ में मनुष्य की आकृति देकर उसे संस्कारित कर उसके भविष्य निर्माण का जिम्मा संभालती है। अपने पूरे जीवन में कभी अपने लिए नहीं जीती। फल देने के लिए वृक्ष की तरह वह भी पुत्र तो कभी पति के लिए अपने अस्तित्व को भूल जाती है। ऐसे में सृष्टि निर्माण में स्त्री व पुरुष के मूल स्वरूप को पहचान कर शिक्षा को भी आज उसी दिशा में मोड़ने की आवश्यकता है।

सीकर. प्रिंस एनडीए अकादमी में 'स्त्री देह से आगे' विषय के विवेचन कार्यक्रम में उपस्थित महिलाएं व छात्राएं।

स्त्री त्रिकालदर्शी और तपस्विनी

कोठारी ने कहा कि स्त्री त्रिकालदर्शी होती है। कर्मफल सिद्धांत के अनुसार उसे गर्भ में आ रहे जीव के अतीत का अनुभव हो जाता है। उसके वर्तमान स्वरूप के साथ उसे परिवार के हिसाब से उसके भविष्य की जानकारी होती है। जीव के शरीर निर्माण के समय कई तरह के अन्न का त्याग कर संयम पूर्वक जीने का तप करती है।

शिक्षा में विषय, संवेदना खत्म

गुलाब कोठारी ने कहा कि आज की शिक्षा में केवल विषय पढ़ाए जा रहे हैं। उनमें तथ्यों पर तो ध्यान है, लेकिन व्यक्ति की सबसे बड़ी ताकत संवेदनाओं पर नहीं। इससे मानवता का स्तर गिर रहा है। उन्होंने कहा, आज की शिक्षा बुद्धिमान तो बना रही है, लेकिन विवेकशील व समझदार नहीं। कार्यक्रम में सीकर, झुंझुनूं व चूरू जिले की महिलाओं और छात्राओं ने भौतिक और आध्यात्मिक जीवन से जुड़ी जिज्ञासाएं भी सवालों के जरिये शांत की। कार्यक्रम की शुरुआत में प्रिंस एनडीए अकादमी के निदेशक जोगेन्द्र सुण्डा व डॉ. पीयष सुण्डा ने कोठारी का स्वागत किया।

उदयपुर: ऐसे कॉल आए तो हो जाएं सावधान

रोते-रोते नौकरी का हवाला दे लड़की पूछती है ओटीपी, बताते ही खाता खाली

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

उदयपुर . लोगों को ठगने और उनकी जमा पूंजी का साफ करने के लिए अब अब इमोशनल साइबर फ्रॉड का तरीका आ गया है, जिसके बारे में लोगों को ज्यादा जानकारी नहीं है। ऐसे कॉल आने पर सावधान रहने की जरुरत है। दरअसल इन दिनों आम लोगों के पास इस तरह के कॉल आ रहे हैं, जिसमें एक लड़की रोती-गिड़गिड़ाते हुए बात करती है। वह अपनी पढ़ाई, जॉब, करियर का हवाला देती है। ऑनलाइन दर्ज किए मोबाइल नम्बर में एक डिजिट आगे-पीछे दर्ज कर देने की गलती का पछतावा करती है। कहती है कि मोबाइल नम्बर लिखने में हुई गलती में आपका नम्बर दर्ज हो गया है और ओटीपी उस पर आ रहा है। जिंदगी का सवाल होने की दुहाई देते हुए ओटीपी मांगती है। जो बता देते हैं, उनके बैंक खाते खाली हो जाते हैं।

बोली... गलती से नंबर लिख दिया

सेक्टर-4 निवासी मनन के पास कॉल आया। लड़की ने गिड़गिड़ाते हुए कहा कि दिल्ली में फायर ऑफिसर में सलेक्शन हुआ है। लेकिन, जॉइन नहीं कर पा रही है, क्योंकि गलती से आवेदन में आपका नम्बर लिख दिया है, जो मेरे नम्बर से मिलता-जुलता है। वेरिफिकेशन के लिए ओटीपी आपके पास आया है, बता दीजिए, नहीं तो जॉइन नहीं कर पाऊंगी। युवक नजरअंदाज करके बचा।

साइबर अपराधियों का यह नया तरीका है, जिसमें लाचार लड़की बनाकर कॉल कराया जाता है। खास बात ये कि कॉल करने वाले लड़के भी हैं, जो एआइ से आवाज बदलकर कॉल करते हैं। **मानस त्रिवेदी,** साइबर एक्सपर्ट

ट्रेंडिंग वीडियो

1. 7 मई को देशभर में बजेंगे हमले वाले सायरन

2. मॉक ड्रिल में क्या-क्या होगा, सामने आ गई गाइडलाइन

youtube.com/@RajasthanPatrikaTV
राज्य के वायरल वीडियो, शॉर्ट्स क्यूआर कोड स्कैन कर देखें।

न्यूज शॉर्ट्स

पुलिस ने अपहृत को कराया आजाद, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर मारवाड़ (पाली) @ पत्रिका. सेन्दडा थाना क्षेत्र के धोलिया ब्रिज पर सोमवार देर रात एक टूरिस्ट बस व कार की भिड़ंत के बाद उत्पन्न हुई अप्रत्याशित घटना में पुलिस ने मात्र सात घंटे में अपहृत को सुरक्षित मुक्त करा लिया। पुलिस के अनुसार दुर्घटना के बाद कार चालक ने बस परिचालक साबेर खान का अपहरण कर लिया और उसे लेकर ब्यावर-अजमेर की ओर लेकर फरार हो गया। थानाधिकारी रामकिशन एवं पुलिस टीम ने तकनीकी सहायता से करीब 150 किलोमीटर तक आरोपी का पीछा किया। दूदू क्षेत्र में आरोपी को दबोच कर अपहृत साबेर खान को सकुशल मुक्त कराया। पुलिस ने अपहरण के आरोप में सोनू सिंह, निवासी खेरबरका, जिला अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश) को गिरफ्तार किया।

पाली: भालू के हमले में चार जने घायल

रायपुर मारवाड़ (पाली) @ पत्रिका. बिराटिया खुर्द गांव और खोखरी गिरी में मंगलवार सुबह एक भालू ने हमला कर दहशत फैला दी। रेंज सेंदड़ा के क्षेत्रीय वन अधिकारी राजेंद्र कसाना ने बताया कि भालू के हमले में खोखरी गिरी निवासी देवीसिंह घायल हो गया। उसे ब्यावर अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों के अनुसार घायल की स्थिति अब स्थिर हैं। वहीं बिराटिया खुर्द गांव में भालू ने तीन अन्य लोगों पर हमला कर दिया। उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी। भालू के हमले से ग्रामीणों में भय का माहौल है। वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने ग्रामीणों से सावधानी बरतने की अपील की है।

चयनित 6660 व्याख्याताओं की अस्थायी वरिष्ठता जारी

बीकानेर. @ पत्रिका. माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने आरपीएससी की ओर से वर्ष 2020-21 सीधी भर्ती में चयनित 6 हजार 660 विषय व्याख्याताओं की अस्थायी वरीयता सूची जारी की है। इस पर संभागीय संयुक्त निदेशकों के माध्यम से 14 मई तक आपत्तियां मांगी गई हैं। संयुक्त निदेशक प्राप्त आपत्तियों को टिप्पणी सहित 16 मई तक निदेशालय को भेजेंगे। निदेशालय आपत्तियों का निस्तारण कर स्थाई वरिष्ठता सूची जारी करेंगे।

नशे में ड्यूटी करने पर दो कांस्टेबल निलंबित

झुंझुनूं @ पत्रिका. मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए रविवार को आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट यूजी 2025) के दौरान ड्यूटी पर शराब पीकर आने पर दो कांस्टेबलों को निलंबित कर किया गया है। एसपी शरद चौधरी ने बताया कि पुलिस लाइन में कार्यरत कांस्टेबल वीरेंद्र व कर्मवीर की ड्यूटी शहीद कर्नल जेपी जानू राजकीय उच्च माध्यमिक परीक्षा केंद्र पर लगाई गई थी। निरीक्षण के दौरान दोनों कांस्टेबल शराब के नशे में पाए गए।

निरंतर उत्पादन प्रोत्साहन योजना का मामला: भूमि लागत की 25 प्रतिशत राशि लौटाने का प्रावधान

रीको ने रोकी प्रोत्साहन राशि, निवेशकों ने निवेश बाहर ले जाने को चेताया

एक से डेढ़ साल पहले आवेदन किया, लेकिन गाइडलाइन बनाने की आड़ में रोकी राशि

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. एक तरफ सरकार इन्वेस्टमेंट समिट के तहत 35 लाख करोड़ के निवेश धरातल पर उतारने में जुटी है, वहीं दूसरी ओर रीको ने उलटे निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। मामला रीको की निरंतर उत्पादन प्रोत्साहन योजना से जुड़ा है। इसके तहत औद्योगिक इकाई का निरंतर संचालन और उत्पादन के लिए निवेशक कंपनियों को प्रोत्साहन के रूप में भूमि लागत की 25 प्रतिशत राशि लौटाने का प्रावधान है। प्रभावित निवेशकों के अब भी करीब 250 करोड़ रुपए बकाया है, जिसे रीको दबाए बैठा है। राशि रोकने के पीछे अफसर गाइडलाइन बनाने का तर्क दे रहे हैं, जबकि ज्यादातर कंपनियों ने एक से डेढ़ साल पहले ही प्रोत्साहन राशि देने के लिए प्रक्रिया पूरी कर दी।

गंभीर यह है कि कुछ निवेशक कंपनियों ने तो ऐसी स्थिति में उद्योग राजस्थान से बाहर शिफ्ट करने के लिए चेता दिया। उद्योग मंत्री से लेकर मुख्यमंत्री कार्यालय तक को पत्र लिखा। इससे करोड़ों का नए निवेश के प्रभावित होने की आशंका बन गई है। नीमराना, गिलोट, भिवाड़ी, कोटा औद्योगिक क्षेत्रों में ज्यादा मामले हैं।

उद्योग क्षेत्र सालरपुर, भिवाड़ी।

यों रखा पक्ष...

- निरंतर उत्पादन प्रोत्साहन राशि के लिए सभी शर्तों को काफी पहले ही पूरा कर लिया गया है। पिछले वर्ष राशि के लिए आवेदन भी कर दिया। अधिकारियों से लगातार अनुरोध कर रहे हैं, लेकिन स्पष्ट जवाब नहीं मिल रहा।
- कंपनी राजस्थान में अतिरिक्त निवेश करने की योजना भी बना रही हैं, लेकिन जिस तरह की स्थिति बनी है, ऐसे में आगे निवेश करने का निर्णय करना मुश्किल है।
- उन वादों को पूरा नहीं किया जा रहा, जो राजस्थान में निवेश के लिए हमसे किए गए थे।
- सरकार इसमें हस्तक्षेप करें, ताकि निवेशकों का सरकार और उसकी नीतियों पर विश्वास बना रहे।

मकसद था इंडस्ट्री लगातार चलती रहे

रीका ने निरंतर उत्पादन प्रोत्साहन योजना शुरू की थी। मकसद था कि प्रदेश में लगने वाली इंडस्ट्रीज निरंतर संचालित हो। इससे निवेश आएगा और लोगों को रोजगार मिलेगा। कंपनियों को आवंटित भूमि पर 2 साल में इंडस्ट्री शुरू करने और 3 साल तक उत्पादन करना था। शर्तों की पालना करने वाली कंपनियों को भूमि आवंटन दर की 25% राशि लौटाई (बतौर प्रोत्साहन) जाना तय हुआ। हालांकि, पहले कई कंपनियों को राशि दी जा चुकी है।

अफसरों ने साधी चुप्पी

- उप महाप्रबंधक (वित्त) के.के. गुप्ता बोले- इस मामले में मैं कुछ नहीं कह सकता है, प्रबंधन ही बताएगा।
- वित्तीय सलाहकार अंजू गोयल को कई कॉल और मैसेज किए, ताकि वास्तविक स्थिति सामने आए, लेकिन कोई जवाब नहीं आया।
- सीजीएम (पीआर) दिनेश पहाड़िया से जानकारी मांगी, लेकिन वे भी दिनभर टरकाते रहे।
- प्रबंध निदेशक शिवांगी स्वर्णकार मीटिंग में व्यस्त रहीं।

स्कूल को विद्यार्थियों के डिजिलॉकर आवंटित

सीबीएसई के दसवीं-बारहवीं के नतीजों का इंतजार

अजमेर @ पत्रिका. सीबीएसइ के दसवीं-बारहवीं के नतीजों का 44 लाख से ज्यादा विद्यार्थियों और उनके परिजनों को इंतजार है। सभी रीजन में कॉपियों का मूल्यांकन समाप्त हो चुका है। मुख्यालय स्तर पर परिणाम की समीक्षा जारी है। उधर विद्यार्थियों को नतीजों का इंतजार है। सीबीएसई की दसवीं की परीक्षा 18 मार्च और बारहवीं की 2 अप्रेल को खत्म हुई थीं। इनमें 44 लाख से ज्यादा विद्यार्थी बैठे है। अजमेर, भोपाल, भुवनेश्वर, चेन्नई, बेंगलूरू,तिरुवनंतपुरम, दिल्ली, नोएडा, पंचकुला, पटना, देहरादून, प्रयागराज, गुवाहाटी, विजयवाड़ा सहित अन्य रीजन में कॉपियों का मूल्यांकन पूरा हो चुका है। बोर्ड ने सभी स्कूल को विद्यार्थियों के डिजिलॉकर आवंटित कर दिए हैं। बोर्ड दसवीं-बारहवीं के परिणाम और डिजिटल मार्कशीट, सर्टिफिकेट इन्हीं लॉकर में अपलोड करेगा।

इन वेबसाइट पर जारी होगा परिणाम

दसवीं-बारहवीं के परिणाम cbse. gov. in, results. cbse. nic. in, cbseresults. nic. in और cbseservices. digilocker. gov. in से देखे और डाउनलोड किए जा सकेंगे। मालूम हो कि पिछले साल नतीजे 13 मई को घोषित किए गए थे।

राज्यपाल ने भिवाड़ी, नीमराणा में की समीक्षा बैठक

'भारतीय इतिहास एवं प्राचीन ग्रंथ से युवा सीख सकते हैं बहुत कुछ'

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

भिवाड़ी / नीमराणा (अलवर). राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने मंगलवार को भिवाड़ी व नीमराणा में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र व्यक्ति योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहे तथा योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए, ताकि उनका लाभ समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंच सके और वास्तविक जरूरतमंद वर्ग सशक्त हो सके। उन्होंने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों के किताबी ज्ञान के साथ-साथ बौद्धिक क्षमता बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास करें, इसी से उनका सर्वांगीण विकास संभव है। भारतीय इतिहास एवं प्राचीन ग्रंथ ज्ञान के भंडार हैं। इससे आज का युवा बहुत कुछ सीख सकता है। उन्होंने देश के विद्वानों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत विश्वगुरु रहा है, यहां के प्राचीन ग्रंथों ने विज्ञान सहित विभिन्न क्षेत्रों में हजारों साल पहले ही वो ज्ञान दिया है, जिसे लेकर आज के वैज्ञानिक भी चकित हैं।

कृषि में क्रांति: भारत सरकार को मुफ्त दे चुके हैं तकनीक

जोधपुर के वैज्ञानिक को एनपीके नैनो उर्वरक का अमरीकी पेटेंट

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

पीपाड़सिटी. भारत में तरल नैनो यूरिया लॉन्च करने में अहम योगदान देने वाले पीपाड़सिटी (जोधपुर) के वैज्ञानिक डॉ. रमेश रलिया के नैनो उर्वरक को अब संयुक्त राज्य पेटेंट और ट्रेडमार्क कार्यालय ने अमरीकी पेटेंट से नवाजा है। डॉ. रलिया व उनके सह-आविष्कारक डॉ. प्रतीम बिस्वास को मंगलवार को यह पेटेंट दिया गया। यह नया पेटेंट एनपीके नैनो उर्वरक नाइट्रोजन, फॉस्फोरस और पोटेशियम को एक नैनो-फॉर्मूलेशन में मिलाता है, जो फसलों को पोषक तत्वों की कुशल डिलीवरी सुनिश्चित करता है। रलिया पीपाड़सिटी के पास गांव खारिया खंगार के मूल निवासी हैं। वह फिलहाल यूएस में स्मार्ट एरोसोल टेक्नोलॉजी के सह-संस्थापक और वाशिंगटन में टाइडल विजन के मुख्य वैज्ञानिक अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं।

नैनो यूरिया लॉन्च करने वाला भारत पहला देश

डॉ. रलिया

नैनो फर्टिलाइजर पर डॉ. रलिया की पहले की रिसर्च से भारत तरल नैनो यूरिया लॉन्च करने वाला दुनिया का पहला आत्मनिर्भर देश बना। वर्ष 2015 में डॉ. रलिया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना शोध मुफ्त में देने की पेशकश की थी। इसके बाद गुजरात के कलोल में नैनो बायोटेक्नोलॉजी रिसर्च सेंटर की स्थापना हुई, जहां मई 2022 में दुनिया का पहला नैनो यूरिया संयंत्र शुरू हुआ। आज ये उत्पाद एशिया, अमेरिका, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के देशों में उपयोग में हैं।

जोधपुर: एनसीबी की कार्रवाई

डार्क नेट के जरिए विदेशी पार्सल में आ रही ड्रग्स

जयपुर में फ्रांस से आए पार्सल में कोकीन मिलने के बाद पांच राज्यों में कार्रवाई

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

जोधपुर . राजस्थान ही नहीं बल्कि देश के युवा विदेशी ड्रग्स स्मगलरों के निशाने पर हैं। रुपए को बिटकॉइन में बदलकर डार्क नेट के मार्फत फ्रांस व जर्मनी से पार्सल के जरिए ड्रग्स भारत भेजी जा रही है।

नारकोटिक्स कन्ट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने गत माह फ्रांस से विदेशी डाकघर में आए पार्सल से 26.22 ग्राम कोकिन जब्त की थी। इससे मिले सुराग के आधार पर जांच की गई तो ग्यारह दिन में देश के पांच राज्यों में अलग-अलग जगह से कुल 324.65 ग्राम ड्रग्स जब्त कर नौ व्यक्तियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। जब्त ड्रग्स की कीमत 41.01 लाख रुपए आंकी गई है।

ब्यूरो के क्षेत्रीय निदेशक घनश्याम सोनी ने बताया कि डार्क नेट के मार्फत विदेशी (फ्रांस व जर्मनी) पार्सल के जरिए देश में अलग-अलग शहरों में कोकिन, एमडीएम ड्रग्स, एक्स्टेसी, मेथामफेटामिन, एमडीएमए टेबलेट्स, मेटाक्वालोन, गांजा भेजा जा रहा है। इस ड्रग्स रैकेट का खुलासा कर नौ जनों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

ऑर्डर देने व भेजने की पहचान तक नहीं

एनसीबी का कहना है कि डार्क नेट वह माध्यम है, जिसमें ड्रग्स का ऑर्डर देने वाले व्यक्ति का नाम-पता व मोबाइल नम्बर गोपनीय होते हैं। यही स्थिति ड्रग्स भेजने वाले सप्लायर की भी होती है। एनसीबी ने जयपुर में फ्रांस से आए पार्सल के मामले में गिरफ्तार युवक के मोबाइल से मिले सुराग से साइबर व तकनीकी विशेषज्ञ की मदद से कार्रवाई की।

12 घंटे तक क्षेत्र में रही दहशत

दीवार से कूदा पैंथर: रेस्क्यू टीम के डॉक्टर सहित चार लोगों पर किया हमला

ट्रैंकुलाइज करने पहुंचे डॉक्टर अशोक तंवर पर हमला करता पैंथर। रेस्क्यू टीम व ग्रामीण लाठियों से भगाते हुए।

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

मण्डेला (झुंझुनूं). ग्राम पंचायत बुडानिया के धत्तरवाला सीमा क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक पैंथर ने खेतों में बने मकानों में रहने वाले तीन लोगों पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया। वहीं रेस्क्यू के लिए पहुंची वन्यजीव टीम के एक चिकित्सक पर भी पैंथर ने हमला कर दिया। आखिरकार 12 घंटे चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद पैंथर को ट्रेंकुलाइज किया जा सका। हमले की जानकारी मिलने पर चिड़ावा रेंजर सुमन कुमारी ने उच्चाधिकारियों को इसकी सूचना दी। जयपुर से वन्यजीव रेस्क्यू टीम यहां पहुंची।

जयपुर से आई वन्यजीव रेस्क्यू टीम के डॉ. अशोक तंवर घर के कोने में रखी पानी की टंकी के पीछे बैठे पैंथर को दीवार पर सीढ़ी लगाकर ट्रेंकुलाइज करने का प्रयास कर रहे थे। गन से दो इंजेक्शन लगा भी दिए। इसी दौरान पैंथर गुर्राता हुआ दीवार से कूदा और डॉ. तंवर पर हमला कर दिया। इसके बाद पास ही सरसों की फसल में जा छिपा। काफी मशक्कत के बाद उसे तीसरा इंजेक्शन लगाया गया और सफलतापूर्वक रेस्क्यू कर लिया गया।

ससुर-पुत्रवधु व एक अन्य महिला पर किया हमला

बुडानिया गांव से जाखड़ा की ओर जाने वाली सड़क के किनारे खेत में मकान बनाकर रह रहे हवालसिंह झाझड़िया पर सुबह करीब साढ़े पांच बजे एक वन्यजीव ने हमला कर दिया। शोर सुनकर उनकी पुत्रवधू शर्मिला मदद को आई तो पैंथर ने उस पर भी हमला कर दिया और फिर खाली मकान की ओर चला गया। घायल हवालसिंह और शर्मिला को परिजन झुंझुनूं ले गए। सूचना पर वन विभाग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पदचिन्हों के आधार पर शुरू में वन्यजीव को लकड़बग्घा समझा था, टीम बिना रेस्क्यू किए लौट गई और मौके पर सिर्फ एक कर्मचारी तैनात रहा। करीब नौ बजे, घटनास्थल से चार किमी. दूर, एक अन्य मकान में महिला सुशीला धत्तरवाल पर भी पैंथर ने हमला कर दिया। शोर मचने पर वह पास के शिवराज बुडानिया के बंद मकान में घुस कर बैठ गया था।

दोस्त की शादी से लौटते समय हुआ हादसा

सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से टकराई जीप, दो भाइयों की मौत

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

नोखा. (बीकानेर). बीकानेर बाइपास पर पांचू पुलिया से आगे एक होटल के पास सोमवार देर रात्रि को अनियंत्रित जीप सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से जा टकराई। जीप में सवार दो चचेरे भाइयों की मौके पर ही मौत हो गई, एक अन्य युवक घायल हो गया। पुलिस के अनुसार नोखागांव निवासी धीरज सियाग (19) और विकास सियाग (21) अपनी बुआ के बेटे सतेरण निवासी राकेश गोदारा (23) के साथ एक दोस्त की शादी में सतेरण गए थे। वहां से लौटते समय देर रात्रि को धीरज और विकास को छोड़ने के लिए राकेश नोखा आ रहा था। रास्ते में बेकाबू जीप हाइवे किनारे खड़े ट्रेलर से टकरा गई। इसमें धीरज व विकास की मौके पर मौत हो गई और राकेश गंभीर घायल हो गया। लोगों ने पुलिस को सूचना दी। कार में फंसे युवकों के शवों को काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाला जा सका। पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को एंबुलेंस से नोखा के जिला अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे बीकानेर रेफर कर दिया। दोनों शवों को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया, मंगलवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजन को सौंप दिए।

मृतक धीरज

मृतक विकास

दो दोस्तों की सड़क हादसे में मौत

खेतड़ी (झुंझुनूं) @ पत्रिका. खेतड़ी-नीमकाथाना सड़क मार्ग पर गाडराटा के पास मंगलवार सुबह एक कार व एक ट्रक की हुई भिड़ंत में दो दोस्तों की मौत हो गई व तीसरा दोस्त घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि नवीन जांगिड़ ने रिपोर्ट दी कि उसका भाई सक्षम जांगिड़ (27) दोस्त राजेश (27) व अंकित के साथ बबाई से दोस्त की बारात में जाकर पिलानी लौट रहे थे। तड़के करीब 4.15 बजे गाड़राटा गांव के पास सामने से आ रहे ट्रक ने कार के टक्कर मार दी। सक्षम जांगिड़ व उसके दोस्त राजेश की मृत्यु हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवा कर शव परिजनों के सौंप दिए।

अंतिम मौका | पर्यावरण स्वीकृति के लिए पेश किए थे सीया में आवेदन, 26 मई तक का समय शेष

प्रदेश के 226 खनन पट्टे के आवेदन को सीया ने किया खारिज

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

भीलवाड़ा. प्रदेश के लीजधारकों व क्वारी लाइसेंस धारकों की ओर से पर्यावरण स्वीकृति के लिए राज्य स्तरीय एंवायरमेंट इंपेक्ट असेसमेंट अथॉरिटी (सीया) के यहां प्रस्तुत आवेदनों को खारिज कर दिया है। प्रदेश में ऐसे 226 खनन पट्टे हैं, जिनके आवेदन में कुछ न कुछ खामियां रही या फिर वन क्षेत्र में खान आ रही हैं। जिन खनन पट्टाधारकों व लीजधारकों ने अब तक सीया में आवेदन नहीं किए हैं उनके लिए भी अंतिम मौका दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने जिला स्तर से पर्यावरण स्वीकृतियां प्राप्त लीजधारकों व क्वारी लाइसेंसधारकों को राज्य स्तरीय समिति से पर्यावरण स्वीकृति प्राप्त करने की समय सीमा 26 मई तक का बढ़ा दी है।

खान एवं भू विज्ञान निदेशालय में पर्यावरण व विकास के अतिरिक्त निदेशक महेश माथुर ने बताया कि प्रदेश के सभी जिला स्तर पर प्राप्त पर्यावरण स्वीकृति को सीया से पास कराने व पर्यावरण स्वीकृति के लिए आवेदन किए थे। इन आवेदनों में कई खामियां रहने से सीया ने निरस्त कर दिया। माथुर ने प्रदेश के सभी खनिज अभियंता व सहायक खनिज अभियंता को निर्देश दिए हैं कि वे अपने क्षेत्र की सभी 226 खदानों में तुरंत प्रभाव से खनन कार्य बंद करवा दें।

भीलवाड़ा की एक खदान से निकलता पत्थर।

2 दिसंबर के बाद के आवेदनों पर विचार नहीं

भीलवाड़ा की (डीईआईएए) जिला पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन प्राधिकरण ने 961 आवेदन को पास किया था। इनमें से 865 ने सीया से पर्यावरण स्वीकृति के लिए आवेदन किया। सीया ने 853 को स्वीकृति जारी की है। लेकिन 595 ने 2 दिसंबर 2024 तक ही पोर्टल पर फार्म 2 अपलोड किए थे। उसके बाद 18 मार्च तक कुल 145 अन्य खननधारकों ने आवेदन किए हैं। 2 दिसंबर के बाद किए गए आवेदनों पर अब तक सीया ने विचार नहीं किया है।

इनके आवेदन हुए खारिज

खारिज किए आवेदनों में सबसे अधिक 77 आवेदन राजसमंद जिले के हैं। इसके अलावा करौली 37, अलवर 27, बूंदी 22, भीलवाड़ा 14, उदयपुर 11, जयपुर व नागौर 5- 5, कोटा व दौसा 4- 4, झुंझुनू, भरतपुर, सवाई माधोपुर व बांसवाड़ा 3- 3, धौलपुर-झालावाड़ 2-2, अजमेर, जोधपुर, बारां व सीकर में 1-1 लीज शामिल है। यह सभी 226 लीज धारक अब पुन: आवेदन नहीं कर सकेंगे।

तेज रफ्तार कार पलटी, दूल्हा-दुल्हन समेत दस जने घायल

पाली. हादसे के बाद क्षतिग्रस्त कार। पत्रिका

पाली @ पत्रिका. जाडन टोल नाके के निकट एक कार असंतुलित होकर पलट गई। हादसे में कार सवार दूल्हा-दुल्हन सहित परिवार के दस लोग घायल हो गए। उन्हें बांगड़ अस्पताल लाया गया। सूचना पर घायलों के परिजन व रिश्तेदार अस्पताल पहुंच गए।

पुलिस ने बताया कि जोधपुर के एयरफोर्स निवासी अर्जुन पुत्र बंशीलाल की शादी 30 अप्रेल को हुई थी। सोजत के निकट मंदिर में दर्शन जात देने दूल्हा-दुल्हन सहित परिवार के दस लोग एसयूवी में सवार होकर जा रहे थे। जाडन टोल नाके के निकट गाड़ी असंतुलित होकर पलट गई। हादसे में जोधपुर निवासी रजनी (35) पत्नी सुमित, बसंती (40) पत्नी नंदकिशोर, खुशबू (21) पुत्री नंदकिशोर, संजना (34) पत्नी अर्जुन, अर्जुन (36) पुत्र बंशीलाल, हेमंत (26) पुत्र रतनलाल, पूजा (35) पत्नी राधेश्याम, रामेश्वरी (40) पत्नी रतनलाल, सृष्टि (5) पुत्री दीपक, हिमांशु पुत्र राधेश्याम घायल हो गए। उन्हें बांगड़ अस्पताल लाया गया। घायलों के परिजन व रिश्तेदार भी अस्पताल पहुंचे।

शिक्षक हितों पर किया विचार मंथन

सांचौर. शिक्षक संघ की बैठक में चर्चा करते पदाधिकारी।

सांचौर @ पत्रिका . राजस्थान शिक्षक संघ (प्रगतिशील) उपशाखा सरनाऊ की नवीन कार्यकारिणी की प्रथम बैठक पीएमश्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, सरनाऊ में नवनिर्वाचित ब्लॉक अध्यक्ष पूनमाराम खिलेरी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में ब्लॉक मंत्री राजूराम गोदारा ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का स्वागत एवं सम्मान किया। इस अवसर पर प्रदेश पदाधिकारी भागीरथ कड़वासरा ने शिक्षकों की विभिन्न लंबित मांगों, विशेषकर पदोन्नति, स्थानांतरण, वेतन विसंगति और स्थाईकरण जैसे मुद्दों पर चर्चा की और बताया कि ये सभी मुद्दे उच्च अधिकारियों तक पहुंचाए जाएंगे। पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष पूनमाराम मांजू ने वेतन विसंगति के विषय को प्रमुखता से उठाते हुए कहा कि शीघ्र ही ब्लॉक स्तरीय शिक्षा अधिकारियों से वार्ता कर समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे। बैठक में ब्लॉक कार्यकारिणी के रिक्त पदों पर मनोनयन किया गया तथा तृतीय श्रेणी शिक्षकों के स्थानांतरण, पदोन्नति, रिक्त एवं नवसृजित पदों से जुड़ी समस्याओं पर भी व्यापक चर्चा की गई। संगठन, शिक्षक व शिक्षार्थियों से जुड़े विविध मुद्दों पर विचार-विमर्श कर समाधान के लिए प्रस्ताव पारित किए। अंत में नवनिर्वाचित ब्लॉक अध्यक्ष पूनमाराम खिलेरी ने आभार जताया।

समस्याओं को लेकर सौंपा ज्ञापन

पाली. जिला कलक्टर को ज्ञापन देने पहुंचे खारड़ा के ग्रामीण।

पाली@ पत्रिका .खारड़ा के ग्रामीणों ने कलक्ट्रेट पहुंचकर बिजली पानी की समस्या को लेकर कलक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया कि खारड़ा में लम्बे समय से पीने के पानी की किल्लत है। जलजीवन मिशन के तहत ठेकादार की ओर से पाइप लाइनें बिछाने का काम अधूरा छोड़ दिया। गांव में बिजली कई घंटों तक बंद रहती हैं। इससे ग्रामीणों को बिजली पानी की समस्या से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मनोहरसिंह, अमर भारती, युथ कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष पूरण बावरी, गोपाल भारती, शेरसिंह, गर्जेद्रसिंह, अमर भारती, रमेश भारती, हेमसिंह, कालूराम, धोलाराम समेत ग्रामीण मौजूद रहे।

वाल्मीकि समाज ने सौंपा ज्ञापन

पाली. एसपी को ज्ञापन देने पहुंचे वाल्मीकि समाजबंधु।

पाली @ पत्रिका . वाल्मीकि समाज के लोगों ने गुमशुदा युवक की तलाश को लेकर पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया कि सुमेरपुर तहसील के पावा निवासी कल्पेश चौहान 29 अप्रेल शाम 5 बजे अहमदाबाद जाने का कहकर घर से निकला। लेकिन, आज तक वो अहमदाबाद नहीं पहुंचा। परिजनों ने अपने स्तर पर काफी तलाश की लेकिन पता नहीं चला। परिजनों ने दो मई को तखतगढ़ थाने में रिपोर्ट भी दर्ज करवाई। तीन दिन बाद भी पुलिस ने गुमशुदगी पर कोई कार्रवाई नहीं की तथा परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। उन्होंने इस मामले में कार्रवाई की मांग की।

सुबह से शाम तक लगी रही श्रद्धालुओं की भीड़

ओमबन्ना देवल पर उमड़े श्रद्धालु, दर्शन कर की खुशहाली की कामना

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रोहट . पाली-जोधपुर के बीच में स्थित जन-जन की आस्था केन्द्र ओमबन्नासा देवळ पर ओमबन्ना की जन्म जयंती पर विशेष पूजा अर्चना की गई। इस मौके सैकड़ों श्रद्धालुओं ने ओमबन्ना देवळ पर मत्था टेककर खुशहाली की कामना की। इस दौरान ओमबन्ना की जन्म जयंती पर उनके पुत्र चोटिला ठाकुर महान पराक्रम सिंह ने विशेष पूजा अर्चना कर सुबह महाआरती की। दूर दराज से भक्तों ने ओमबन्ना देवळ पहुंचकर आरती के दर्शन कर अखण्ड ज्योत में नारियल चढ़ाकर खुशहाली की कामना की। देवळ पर दिन भर भजन संध्या व सत्संग का आयोजन हुआ। देवळ पर दर्शनार्थ आने वाले श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसादी का आयोजन किया। सुबह से शाम तक श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। देवळ पर सुबह से श्रद्धालुओं की रेलमपेल रही। जो दिनभर चलती रही। शाम की महाआरती में भी श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। इस दौरान ठाकुर महान पराक्रम सिंह चोटिला, भीमसिंह, सोमसिंह, मनोहरसिंह, प्रहलादसिंह राठौड़, जसवन्त सिंह, ओमसिंह भाटी, मनीष माली, बंशीसिंह रावणा, सुल्तानसिंह, लुम्बाराम माली, खरताराम ढाबर सहित ओमबन्ना के भक्त मौजूद थे।

रोहट. ओमबन्ना की जन्म जयंती पर सजाया गया ओमबन्ना का देवळ व बुलेट।

सजाया ओमबन्ना का देवळ

ओमबन्ना की जन्म जयंती पर ओमबन्ना का देवळ पुष्प मालाओं से सजाया गया। पुष्प मालाओं के साथ ही रंग बिरंगी रोशनी से देवळ को सजाया गया। इस मौके सोशल मीडिया पर जनप्रतिनिधियों ने भी ओमबन्ना को नमन किया। जिसमें भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, राज्यवर्द्धन सिंह, उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी, विधायक रविन्द्र सिंह भाटी, पूर्व मंत्री राजेन्द्र राठौड़, पूर्व सांसद कैलाश चौधरी, मंत्री अविनाश गहलोत सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने सोशियल मीडिया से संदेश भेजकर नमन किया।

अनुमति मिलते ही नगरपालिका ने किए टेंडर आमंत्रित, 19 लाख होंगे खर्च

खस्ताहाल ओवरब्रिज मार्ग व लिंक रोड की सुधरेगी दशा, रेलवे ने दी हरी झंडी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

आबूरोड. शहर में करीब डेढ़ साल से खस्ताहाल पड़े रेलवे स्टेशन-गांधीनगर ओवरब्रिज व लिंक रोड के जीर्णोद्धार के लिए रेलवे ने नगरपालिका को हरी झंडी दे दी हैं। अनुमति मिलते ही पालिका ने टेंडर प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। इस कार्य पर करीब 19 लाख रुपए खर्च होंगे। सड़कों का नवीनीकरण होने से शहरवासियों व बाहर से आने वाले पर्यटकों को बड़ी राहत मिलेगी। उल्लेखनीय हैं कि यह सड़क रेलवे सीमा में होने से निर्माण की अनुमति नहीं मिल रही थी।

रेलवे महाप्रबंधक ने सांसद को दिया आश्वासन : करीब 15 दिन पूर्व उत्तर-पश्चिम रेलवे महाप्रबंधक अमिताभ आबूरोड दौरे पर थे। तब जालोर-सिरोही सांसद लुंबाराम चौधरी और महाप्रबंधक की मुलाकात हुई थी। उस समय पालिकाध्यक्ष मगनदान चारण ने सांसद को स्टेशन से गांधीनगर ओवरब्रिज व लिंक रोड की हालत से अवगत करवाया व पालिका स्तर पर रोड निर्माण करवाने बात कही थी। जिससे आमजन को राहत मिल सके। इस पर सांसद चौधरी ने महाप्रबंधक से पालिका को सड़क बनाने की अनुमति देने का आग्रह किया। महाप्रबंधक ने दो-तीन दिन में कार्रवाई का भरोसा दिलाया था।

आमजन को मिलेगी राहत : रेलवे स्टेशन से गांधीनगर ओवरब्रिज पूरी तरह से उखड़ गया है। गड्ढों से भरे मार्ग पर पैदल यात्रियों के लिए भी गुजरना मुश्किल हैं। ऑटोरिक्शा हिचकोले खाते गुजरते हैं, जिससे उनमें सवार लोगों को परेशानी होती है। गंभीर घायलों व बीमार लोगों को गुजरात ले जाने वाली एंबुलेंस व ऐसे लोगों को आबूरोड सरकारी अस्पताल लाने वाली 108 एंबुलेंस के पहिए कई बार बीच रास्ते में ही थम जाते हैं। रात में हादसा घटित होने का ज्यादा खतरा बना रहता है। कमाबेश ऐसी हालत ओवरब्रिज के पास से अंबाजी मार्ग से लिंक रोड की है। पालिका की ओर से दोनों रोड का नवीनीकरण करने के बाद शहरवासियों को बड़ी राहत मिलेगी।

आबूरोड. क्षतिग्रस्त रेलवे स्टेशन-गांधीनगर ओवरब्रिज मार्ग।

इनका कहना है

रेलवे ने स्टेशन से गांधीनगर ओवरब्रिज व लिंक रोड तक डामरीकरण की अनुमति दे दी है। टेंडर आमंत्रित किए हैं। शीघ्र नई सड़क बनाई जाएगी।
मगनदान चारण, पालिकाध्यक्ष, आबूरोड

उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत बैठक

जालोर. बैठक में जानकारी देती मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी।

जालोर@ पत्रिका . मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी गंगा कलावंत की अध्यक्षता में उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत जिले में कार्यरत ब्लॉक सन्दर्भ व्यक्तियों की बैठक आयोजित की गई। जिसमें 'उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम' के अंतर्गत 15 वर्ष व 15 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के सभी निरीक्षर युवा, वयस्क, स्त्री एवं पुरुषों को बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक (पढ़ना, लिखना एवं संख्या ज्ञान) और क्रिटिकल जीवन कौशल प्रदान करने के लिए वर्ष 2025-26 के लिए जिले को साक्षरता विभाग द्वारा 1 लाख 35 हजार 533 निरक्षरों का लक्ष्य आवंटित किया गया। जिले को आवंटित लक्ष्य को जिले के 10 ब्लॉकों में विभाजित कर ग्राम पंचायत स्तर पर एवं शहरी क्षेत्र में सर्वेयर शिक्षकों के द्वारा उल्लास मोबाइल एप पर डोर टू डोर सर्वे कार्य को 15 जून तक पूर्ण किए जाने के निर्देश प्रदान किए गए। कार्यालय में कार्यरत शैतानाराम विश्नोई द्वारा आवंटित लक्ष्य से संबंधित जानकारी दी।

पटरियों पर बैठी गाय को बचाने के प्रयास में हुआ हादसा

मातम में बदली खुशियां, पुत्र की बारात रवाना होने से पहले पिता की मौत

मारवाड़ जंक्शन @ पत्रिका. पुत्र की बारात रवाना होने से कुछ समय पहले शादी की सारी खुशियां मातम में तब बदल गई जब दूल्हे के पिता की मालगाड़ी की चपेट में आने से मौत हो गई। एकदम से घर में शादी व हंसी खुशी का माहौल ग़म में बदल गया। खुशियों की हंसी के बीच मातम की चीखें सुनाई देने लगी।

जानकारी के अनुसार आऊवा निवासी वरिष्ठ अध्यापक हनुमान प्रसाद जोशी के पुत्र दीपक जोशी की बारात मेड़ता जानी थी। तीन बहनों के इकलौते भाई दीपक जिसकी बारात में जाने के लिए सभी तैयार थे। बारात रवानगी से कुछ घंटों पहले आऊवा रेलवे स्टेशन के निकट मालगाड़ी की चपेट में आने से दूल्हे के पिता हनुमान प्रसाद जोशी (54) की मौत गई। खबर मिलते ही घर की खुशियां मातम में बदल गई। सूचना पर पुलिस पहुंची और शव मारवाड़ जंक्शन मोर्चरी में रखवाया।

पुलिस के अनुसार दर्शन जोशी ने रिपोर्ट दी कि उसके मामा हनुमान प्रसाद जोशी अपने पुत्र की बारात में चलने का आमंत्रण देने कराड़ी जा रहे थे। इसी बीच रेलवे पटरी पर गायें बैठी थी। उन्हें हटाने वे स्कूटी खड़ी कर पटरी पर गए। इस बीच डीएफसी ट्रैक पर तेज गति से मालगाड़ी की चपेट में आने से उनकी मौत हो गई।

इकलौते बेटे की बिंदोली में खूब किया नृत्य

मृतक हनुमान प्रसाद जोशी ने अपने इकलौते पुत्र की शादी के अरमान काफी समय से संजोए थे। जिसकी उनको काफी खुशी थी। एक दिन पूर्व बेटे की बिंदोली में उन्होंने परिवार संग खूब नृत्य किया और फोटो खिंचवाए।

आदिवासियों ने नक्की झील में किया पितृ तर्पण

माउंट आबू @ पत्रिका. पर्वतीय पर्यटन स्थल माउंट आबू में बड़ी संख्या में आदिवासियों ने नक्की झील पहुंचकर दिवंगत परिजनों की अस्थियों का विसर्जन व पितृ तर्पण किया। जैसे-जैसे पीपली पूनम का दिन नजदीक आती जा रही है, झील के विभिन्न घाटों पर आदिवासियों की संख्या बढ़ती जा रही हैं। आदिवासी प्रथानुसार सोमवार सवेरे बड़ी संख्या में मोटरसाइकिलों, जीपों व ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में सवार होकर आदिवासी महिला-पुरुष माउंट आबू पहुंचे। आदिवासी रस्मों-रिवाज के अनुसार झील के अलग-अलग घाटों में अपने दिवंगत परिजनों की अस्थियों के विसर्जन की रस्म अदायगी कर समाज के लोगों को सिरनी (प्रसाद) वितरण किया। पितृ ऋण से उऋण होने पर प्रसन्नता व्यक्त करने के लिए थोड़ी देर ढोल तासों की थाप पर नाच-गाकर अपने अपने स्थानों की ओर लौट गए।

कार से 32 कार्टन अवैध अंग्रेजी शराब बरामद

सांचौर @ पत्रिका. पुलिस थाना सांचौर द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन मदमर्दन के तहत अवैध शराब तस्करों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए राजस्थान निर्मित अंग्रेजी शराब व बीयर के कुल 32 कार्टन तथा एक स्विफ्ट कार जब्त की।

जब्त शराब और वाहन की अनुमानित कीमत लगभग 8.50 लाख रुपये आंकी गई हैं। इस कार्रवाई में जोधपुर रेंज के महानिरीक्षक पुलिस विकास कुमार के निर्देशन में चलाए जा रहे ऑपरेशन मदमर्दन के तहत जिला पुलिस अधीक्षक जालोर ज्ञानचंद यादव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सांचौर आवडदान रतनू तथा वृताधिकारी सांचौर कांबले शरण गोपीनाथ (आईपीएस) के नेतृत्व में चलाया जा रहा हैं।

गश्त के दौरान सहायक उप निरीक्षक पुनमाराम मय जाब्ता द्वारा मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर भारतमाला मार्ग पर सरहद गरडाली में नाकाबंदी कर एक कार को रोका गया। वाहन की तलाशी लेने पर उसमें 32 कार्टन अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की गई। वाहन चला रहे व्यक्ति सुरेश भाई पुत्र वगता भाई रेबारी, निवासी मलुपुर, पीएस थराद, जिला बनासकांठा (गुजरात) को मौके पर गिरफ्तार कर लिया गया।

आज का राशिफल बुधवार, 07 मई, 2025

ज्यो. पं चंदन श्यामनारायण व्यास, पंचांगकर्ता, उज्जैन

मेष — **पदोन्नति संभव है। राजकार्य में अटकले आ सकती हैं।** कोई है, जो आपकी उन्नति नहीं चाहता, सतर्क रहें। संतान की शिक्षा संबंधी चिंता रहेगी। घर में वास्तु अनुरूप परिवर्तन से लाभ होगा।

वृषभ — **अपनों से धोखा मिल सकता है।** कर्ज संबंधी दस्तावेज अटक सकते हैं। कार्यस्थल पर बड़ी घटना के आसार हैं। संभल कर रहें। योजनाएं अधूरी रहेगी।

मिथुन — **मनोरंजन का वक्त नहीं है।** अपना ध्यान अपने कॅरियर पर दें। व्यस्तता के चलते कार्य पूर्ण नहीं हो पाएंगे। लाभकारी अवसर आज मिल सकते हैं। वाहन सुख संभव है।

कर्क — **आकस्मिक यात्रा के योग हैं।** मानसिकता को बदलें। व्यवहार नम्र बनाएं। जीवनसाथी के सहयोग से कार्यस्थल पर लाभ होगा। सोने-चांदी के व्यापार से जुड़े जातक अच्छा लाभ कमाएंगे।

सिंह — **लेन-देन में सतर्क रहें।** आज कोई आपके साथ विश्वासघात कर सकता हैं। रुके कार्यों में गति आएगी। दुकान-भवन की मरम्मत में धन खर्च होगा। कपड़ा व्यापारी भारी लाभ कमा सकते हैं।

कन्या — **धार्मिक अनुष्ठानों में रुचि आपको उन्नति प्रदान करेगी।** आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। शत्रु परास्त होंगे। विवाह चर्चा साकार रूप ले सकती है। किसी खास समूह से जुड़ने का अवसर मिलेगा।

तुला — **पैतृक संपत्ति का निपटारा आज संभव है।** आप अपने ही आपको परिवार से दूर करना चाहते हैं। मेहमानों का आगमन हो सकता है। विदेश में अपने व्यापार का विस्तार करें, लाभ होगा।

वृश्चिक — **नए अनुबंध आज हो सकते हैं।** जो भूमि आपने क्रय की है, आपको खूब फलने वाली है। आज मित्रों की सहायता करनी पड़ सकती है। पैसों का लेन-देन संभलकर करें।

धनु — **अभी नहीं, तो कभी नहीं।** आप कब अपने कार्य के प्रति गंभीर होंगे। समय रहते संभल जाएं। माता के स्वास्थ्य में लाभ होगा। आज पेट संबंधित तकलीफ हो सकती है।

मकर — **सुचारू रूप से चल रहे कार्यों में रुकावट आ सकती है।** भूमि, भवन के सौदे आज हो सकते हैं। पड़ोसियों से संबंधों में सुधार होगा। व्यर्थ चिंता को छोड़ परमात्मा का चिंतन करें, लाभ होगा।

कुंभ — **दिन की शुरुआत प्रसन्नचित्त होगी।** रोचक जानकारी आज प्राप्त हो सकती है। जिस पर आप इतना भरोसा करते हैं, वही आपको नुकसान दे सकता है, सतर्क रहें। शत्रु वर्ग सक्रिय होगा।

मीन — **मन अनुरूप कार्य के न मिलने से उदास रहेंगे।** किसी विशिष्ट व्यक्ति के संपर्क से कार्य में गति आएगी। पारिवारिक मनमुटाव हो सकता है। समय रहते धन संचय कर लें।

ग्रह-नक्षत्र पंडित मुकेश भारद्वाज, ज्योतिर्विद व वास्तुविद्

शुभ वि. सं:	2082	हिजरी संवत :	1446	ऋतु:	ग्रीष्म
संवत्सर का नाम:	सिद्धार्थ	मु.मास :	जिकाद-08	मास:	वैशाख
शाके संवत:	1947	अयन:	उत्तरायण	पक्ष:	शुक्ल

आज का दिन

बुधवार, 07 मई, 2025

सूर्योदयकालीन लग्न व ग्रह स्थिति

श्रेष्ठ चौघड़िया: आज लाभ, अमृत के चौघड़िए सूर्योदय से 9.06 तक रहेंगे। शुभ का चौघड़िया 10.44 से 12.23 तक रहेगा। चर, लाभ के चौघड़िया 3.41 से सूर्यास्त तक रहेंगे।

तिथि: दशमी तिथि दिन 10.20 तक, तदुपरांत एकादशी तिथि होगी।

दिशाशूल: आज उत्तर दिशा में दिशा शूल रहेगा।

राहु काल वेला: (मध्यमान से) दिन 12.00 से 1.30 तक।

नक्षत्र : पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र सायं 6.17 तक, तदुपरांत उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र होगा।

योग: व्याघात योग रात्रि 1.05 तक, तदुपरांत हर्षण योग रहेगा।

करण: गर करण दिन 10.20 तक, तदुपरांत वणिज करण रहेगा।

विशिष्ट योग: रवियोग सूर्योदय से सायं 6.17 तक।

व्रत/दिवस विशेष: भद्रा रात्रि 11.25 से प्रारंभ, श्री महावीर स्वामी कैवल्य ज्ञान (जैन), श्री रवीन्द्र नाथ टैगोर जयंती, विवाह मुहूर्त उत्तराफाल्गुन नक्षत्र में।

चन्द्रमा: रात्रि 12.58 तक सिंह राशि में रहेगा, तदुपरांत कन्या राशि में प्रवेश होगा।

आज जन्म लेने वाले बच्चे : आज रात्रि 12.58 तक जन्म लेने वाले बच्चों की राशि सिंह होगी, तदुपरांत कन्या राशि होगी। आज सायं 6.17 तक पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र रहेगा, तदुपरांत उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र होगा। आज जन्मे बच्चों का रजत पाद होगा। आज जन्म लेने वाले बच्चों के प्रथम नामाक्षर टी, टू, टे, टो पर रखे जा सकते हैं। ये अग्नि तत्व की राशि हैं, जिससे इनको गुस्सा जल्दी आ जाता हैं, परंतु नम्र भी जल्दी हो जाते हैं। ये पराक्रमी व बुद्धिमान, उधमी, कर्मठ, निडर, स्वतंत्र विचारों वाले होते हैं और बड़े काम से घबराते नहीं हैं। इनमें नैसर्गिक नेतृत्व क्षमता होती है।

प्रदेश में 100 गोशालाओं को उपलब्ध होंगी गोकाष्ठ मशीनें, भीलवाड़ा की चार गोशालाओं को मिलेंगी

अब गोबर से बनेगी लकड़ी, हजारों पेड़ कटने से बच सकेंगे

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भीलवाड़ा. अब पेड़ों की लकड़ी नहीं गोबर की लकड़ी जलाने के काम आएगी। इसके लिए सरकार गोशालाओं को गोकाष्ठ मशीनें रियायती दर पर दे रही हैं। योजना के तहत प्रदेश की सौ गोशालाओं का चयन किया गया हैं। इनमें भीलवाड़ा जिले की चार गोशालाएं भी शामिल हैं। पशुपालन विभाग के अनुसार सरकार ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्रदेश की 100 गोशालाओं को रियायती दरों पर गोकाष्ठ मशीनें उपलब्ध करवाने की घोषणा की थी। जिन गोशालाओं में गोवंश 600 या 1000 से अधिक हैं, को बजट घोषणा की पालना में गोकाष्ठ मशीन उपलब्ध करवाई जा रही हैं।

इन गोशालाओं को मिलेगी गोकाष्ठ मशीन: जिला गोशाला अधिकारी ने बताया कि गोकाष्ठ मशीन के लिए भीलवाड़ा जिले की शक्करगढ़ स्थित माधव गोशाला, सुरास की आनन्द कृष्ण गोशाला, निम्बाहेड़ा जाटान की जय जगदीश गोशाला तथा जहाजपुर की भूतेश्वर महादेव गोशाला शामिल हैं। चयनित गोशाला अपने हिस्से की कुल लागत की बीस प्रतिशत राशि पशुपालन विभाग को जमा करवाएंगी। तत्पश्चात लाभार्थी गोशाला को गोकाष्ठ मशीन चयनित फर्म की ओर से निर्धारित दर पर उपलब्ध करवाई जाएगी।

यह है गोकाष्ठ मशीन

गोवंश के गोबर से मशीन के माध्यम से गोकाष्ठ बनाई जाती है। गोकाष्ठ बनाने वाली मशीन से दो किलोग्राम गोबर से एक किलोग्राम गोकाष्ठ (गोबर के लट्ठे) तैयार होते हैं। जिसका उपयोग ईंधन के रूप किया जा सकता है।

यह है नियम

- कोई भी लाभार्थी गोशाला इस योजना के तहत प्राप्त गोकाष्ठ मशीन को 10 साल से पहले बेचान नहीं कर सकेगी ना ही इन्हें किसी अन्य को सुपुर्द कर सकेंगी।
- लाभार्थी गोशाला को गोकाष्ठ के विपणन से होने वाली आय गोशाला की स्वयं की आय होगी जिसे गोशाला संचालक गोशाला के हितार्थ उपयोग में ले सकेंगे ।
- गोकाष्ठ की अनुमानित विक्रय दर आठ रुपए प्रति किलोग्राम होगी। इस दर में आवश्यकतानुसार संशोधन जिला गोपालन समिति के स्तर से किया जा सकेगा।
- गोकाष्ठ को मोक्ष धाम अंत्येष्टि स्थल, फैक्ट्री बॉयलर, रेस्टोरेंट, होटल-ढाबे, मंदिर-हवन इत्यादि जगह जहां भी इसका उपयोग ईंधन के रूप में संभव हो, का बेचान किया जा सकेगा।

भाजपा सरकार को साक्षी महाराज के दवाब में जातिगत जनगणना का लेना पड़ा फैसला

साक्षी महाराज को सपा में शामिल कर लेंगे: अखिलेश

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

लखनऊ. समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के फायर ब्रांड नेता और उन्नाव के सांसद साक्षी महाराज को वह जिस दिन चाहेंगे, अपनी पार्टी में शामिल कर लेंगे।

पार्टी के प्रदेश कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में यादव ने एक सवाल के जवाब में मुस्कराते हुए कहा कि साक्षी महाराज को जिस दिन चाहेंगे, सपा में शामिल कर लेंगे। दरअसल एक मीडियाकर्मी ने उनसे पूछा था कि साक्षी महाराज कहतें हैं कि अखिलेश के दिमाग में

भूसा भरा हुआ है। इस सवाल से विचलित हुए बिना अखिलेश ने मुस्करा कर यह जवाब दिया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार पर जातिगत जनगणना के लिए साक्षी महाराज ने ही राजी किया हैं बल्कि यह कहना सच होगा कि भाजपा सरकार को साक्षी महाराज के दवाब में जातिगत जनगणना का फैसला लेना पड़ा है। वह पीडीए का अहम हिस्सा हैं।

यादव पूरी तरह से हताश हो चुके हैं

साक्षी महाराज ने उन्नाव में पत्रकारों से बातचीत के दौरान एक सवाल के जवाब में कहा था कि अगर अखिलेश के दिमाग में गोबर भरा है तो उनके पास इसका कोई इलाज नहीं है। विपक्षी नेताओं द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर किए जा रहे हमले के जवाब में उन्होंने कहा था कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव अब पूरी तरह से हताश हो चुके हैं। उन्हें न तो जनता की चिंता है और न ही देश के भविष्य की। सिर्फ मोदी विरोध में वह इतना नीचे गिर चुके हैं कि अब अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश की जनता अब सपा की गुंडागर्दी और परिवारवाद की राजनीति को समझ चुकी है। जब सपा की सरकार थी तब जनता ने डर के साए में जीवन जिया। अब योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में कानून का राज है और माफिया जेल में हैं या प्रदेश छोड़कर भाग चुके हैं।

राज्यपाल गंगवार से मुख्यमंत्री सोरेन की शिष्टाचार भेंट

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रांची. झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मंगलवार को राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राजभवन में शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अपने हाल ही के विदेश भ्रमण के दौरान राज्य में औद्योगिक निवेश के लिए किए गए प्रयासों के बारे में राज्यपाल को अवगत कराया।

इस मौके पर मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी व विधानसभा सदस्य कल्पना सोरेन भी उपस्थित थीं। इसके बाद राज्यपाल गंगवार से सरायकेला नगर पंचायत के पूर्व उपाध्यक्ष मनोज कुमार चौधरी ने राज भवन में भेंट की। इस अवसर पर राज्यपाल से उन्होंने विश्वविख्यात छऊ नृत्य से जुड़े राष्ट्रीय नृत्य कला केंद्र, सरायकेला में रिक्त पदों पर शीघ्र नियुक्ति किए जाने का अनुरोध किया। उन्होंने सरायकेला क्षेत्र में रेलवे नेटवर्क से जुड़ी समस्याओं की ओर भी राज्यपाल महोदय का ध्यान आकृष्ट कराया।

बेकाबू कार की टक्कर से भीषण हादसा, छह मरे

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

शाहजहांपुर. उत्तर प्रदेश में शाहजहांपुर जिले के मदनापुर क्षेत्र में बेकाबू कार और बाइक की आमने-सामने की टक्कर में छह लोगों की मौत हो गई।

पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी ने मंगलवार को बताया कि मदनापुर क्षेत्र के गांव काबिलपुल स्थित पेट्रोल पम्प के पास इको गाड़ी और बाइक की आमने-सामने की भीषण टक्कर हो गई। हादसे में तिलहर थाना क्षेत्र के गांव नजरपुर निवासी बाइक सवार रवि (20), आकाश (20), दिनेश (19) और अभिषेक (19) की मौत हो गई जबकि इको गाड़ी पर सवार जिला बरेली थाना फरीदपुर गांव काबिलपुर निवासी सुधीर (40) और सोनू (18) की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि टक्कर लगने से बाइक में आग लग गई थी। दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी जबकि गंभीर रुप से घायल चार अन्य को पुलिस ने मेडिकल कालेज भिजवाया, जहां इलाज के दौरान उनकी भी मौत हो गई।

अवैध संबंध के चलते आशिक की हत्या

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

गोण्डा. उत्तर प्रदेश में गोण्डा जिले के देहात कोतवाली क्षेत्र के पथवलिया गांव के पास एक युवक ने अवैध संबंध के चलते आशिक की हत्या कर दी, जबकि अपनी पत्नी को गंभीर रुप से घायल कर दिया। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि रिजवान (35) अपनी पत्नी माजिया (30) संग जयपुरिया स्कूल के निकट किराए के मकान में रहता था। बीती देर रात उसने अपनी पत्नी को उसके आंशिक सर्वेश (36) के साथ आपत्तिजनक अवस्था में देख दिया और आवेश में आकर पत्नी माजिया और सर्वेश पर गंडासे से प्रहार कर दिया। इस घटना में सर्वेश की मौके पर ही मौत हो गई जबकि घायल महिला का उपचार अस्पताल में कराया जा रहा हैं। पुलिस ने रिजवान को गिरफ्तार कर लिया हैं।

उत्तर प्रदेश बनेगा ग्लोबल सेवा का हब

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

लखनऊ. उत्तर प्रदेश सरकार ने ग्लोबल केपेबिलिटी सेंटर्स नीति को मंजूरी प्रदान कर दी हैं। मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में मंत्रिमंडल की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि इस नीति से यूपी को भारत का अगला वैश्विक सेवा केंद्र बनाना हैं और प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था तक पहुंचाना हैं। नई नीति के तहत आईटी, हेल्थकेयर, इंजीनियरिंग और अगली पीढ़ी की तकनीकों में काम करने वाली वैश्विक कंपनियों को बड़े पैमाने पर निवेश के लिए आकर्षित किया जाएगा।

परियोजना के 2030-31 तक अमल में आने के आसार

अदाणी समूह मिर्जापुर में लगाएगा 1600 मेगावाट पॉवर प्लांट

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

लखनऊ. उत्तर प्रदेश सरकार ने अडाणी समूह को 1600 मेगावाट की नई तापीय परियोजना लगाने की अनुमति प्रदान कर दी हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को प्रतिस्पर्धात्मक न्यूनतम बिडिंग के आधार पर अदाणी समूह को मिर्जापुर में 1600 मेगावाट का तापीय संयंत्र लगाने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान कर दी। नई परियोजना 2030-31 तक अमल में आने के आसार हैं। सरकार ने 1600 मेगावाट क्षमता की इस तापीय परियोजना से कुल 1500 मेगावॉट ऊर्जा बिड प्रॉसेस के माध्यम से 25 वर्षों तक खरीदने का निर्णय लिया हैं। बिडिंग प्रक्रिया में सबसे कम टैरिफ दर (5.38 रुपए प्रति यूनिट) की पेशकश की गई हैं। इससे यूपी पावर कॉर्पोरेशन (यूपीपीसीएल) को 25 वर्षों में लगभग 2958 करोड़ रुपए की बचत होगी।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में ऊर्जा की मांग को पूरा करने और उत्तर प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए हमने कुछ ऊर्जा बिडिंग प्रोसेस से खरीदने का निर्णय किया हैं। उसी कड़ी में 1600 मेगावाट पावर प्लांट को लेकर हम आगे बढ़े हैं। हमारी शर्त थी कि जब यह प्लांट उत्तर प्रदेश में लगेगा तभी बिजली खरीदेंगे। प्रक्रिया के तहत जुलाई 2024 में

नई परियोजना मौजूदा और आगामी तापीय परियोजनाओं की तुलना में कहीं ज्यादा किफायती

ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने पत्रकारों को बताया कि नई परियोजना मौजूदा और आगामी तापीय परियोजनाओं की तुलना में कहीं ज्यादा किफायती हैं। जहां जवाहरपुर, ओबरा, घाटमपुर, पनकी जैसी परियोजनाओं से बिजली 6.6 रुपए से लेकर 9 रुपए प्रति यूनिट तक मिल रही हैं, वहीं डीबीएफओओ के तहत प्रस्तावित इस परियोजना के तहत 2030-31 में प्लांट के कमीशन होने के बाद बिजली सिर्फ 6.10 रुपए प्रति यूनिट की दर से प्राप्त होगी।

रिक्वेस्ट फॉर क्वालीफिकेशन इश्यू किया था, जिसमें सात कंपनियां आई थीं। इनमें से पांच कंपनियों ने रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (फाइनेंशिय बिड) में हिस्सा लिया। पांचों कंपनियों में जिस निजी कंपनी का कोटेशन सबसे लोएस्ट था, उसके साथ निगोशिएन के बाद उन्होंने फिक्स्ड चार्ज में 3.727 रुपए प्रति यूनिट और फ्यूल चार्ज में 1.656 रुपए प्रति यूनिट समेत कुल टैरिफ 5.38 प्रति यूनिट की न्यूनतम बिड पेश की, जिसे स्वीकार कर लिया गया। इसी टैरिफ पर 25 वर्षों की अवधि के लिए पावर सप्लाई एग्रीमेंट (पीएसए) हस्ताक्षरित किया जाएगा।

इस तापीय परियोजना से न सिर्फ बेस लोड ऊर्जा की जरूरत पूरी होगी, बल्कि राज्य में उद्योगों व घरेलू उपभोक्ताओं को और सस्ती बिजली मिल सकेगी। डीबीएफओओ यानी डिजाइन, बिल्ड, फाइनेंस, ओन और ऑपरेट एक ऐसी प्रणाली हैं, जिसमें निजी कंपनी परियोजना का निर्माण, स्वामित्व और संचालन खुद करती हैं। सरकार सिर्फ कोयला लिंकेज देती हैं और बिजली खरीदती हैं।

लालू-राबड़ी ने प्रदेश के युवाओं का भविष्य बिगाड़ा: प्रभाकर

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पटना. बिहार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रवक्ता प्रभाकर कुमार मिश्र ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी ने प्रदेश के युवाओं का भविष्य बिगाड़ा हैं।

मिश्र ने मंगलवार को सोशल मीडिया 'एक्स' पर तेजस्वी यादव के हैंडल से किए गए पोस्ट पर पलटवार करते हुए कहा कि तेजस्वी यादव कब से युवाओं के हित में सोचने लगे।

उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि नौंवी फेल व्यक्ति कभी नहीं समझ सकता कि पढ़ाई-लिखाई क्या होती हैं और धरना-प्रदर्शन से विद्यार्थियों की अपनी पढ़ाई का कितना नुकसान होता हैं। तेजस्वी यह भी नहीं समझ सकते की विभाग में पदों के सृजन से लेकर नियुक्ति तक क्या प्रक्रिया होती हैं। तेजस्वी यादव उस बिगड़ैल शाहजादे की तरह हैं, जो अपनी जेब में माचिस लेकर घुमता हैं और जहां भी ज्वलनशील पदार्थ देखता हैं, माचिस की तिल्ली जलाकर फेंक देता हैं।

शिक्षक अभ्यर्थियों की मांगें सरकार के संज्ञान में है

मिश्र ने कहा कि शिक्षक अभ्यर्थियों की मांगें सरकार के संज्ञान में हैं। कुछ करेगी तो सरकार ही करेगी। तेजस्वी जैसे लोग सिर्फ जलती आग में अपनी राजनीतिक रोटियां ही सेंकेंगे। उन्होंने कहा कि तेजस्वी शिक्षक अभ्यर्थियों पर झूठी सहानुभूति न दिखाएं। वे अपने पिता से पूछें कि उनके समय में शिक्षकों की क्या स्थिति थी, उन्होंने कितने मानदेय पर शिक्षकों की बहाली की थी। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि जिसके पिता ने नौकरी देने के नाम पर गरीब छात्रों की जमीन हड़प ली, वह युवाओं के हित में क्या सोचेगा। लालू को जब भी मौका मिला, तो नौकरी देने के नाम पर अपनी तिजोरी भरी। लालू-राबड़ी के शासनकाल में नौकरियों की बोली लगती थी, मेधावी छात्र धूल फांकते थे, पैसे वाले आयोग्य लोग नियुक्तियां पाते थे।

हादसे में साइकिल सवार की मौत

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बोकारो. झारखंड में बोकारो जिले के चिराचास थाना क्षेत्र स्थित राष्ट्रीय उच्च पथ (एनएच) संख्या 32 पर सड़क दुर्घटना में एक साइकिल सवार व्यक्ति की मौत से उग्र लोगों ने घंटों उच्च पथ को जाम रखा।

पुलिस ने बुधवार को बताया कि बाधाडीह गांव निवासी करीब 45 वर्षीय सुभाष चंद्र महतो साइकिल से मंगलवार देर शाम गंतव्य की ओर जा रहे थे। इसी बीच बाइक सवार एक व्यक्ति ने उन्हें टक्कर मार दी। पुलिस शव को अंत परीक्षण के लिए चास अनुमंडल अस्पताल भेज कर मामले की जांच कर रही हैं।

हादसे में साइकिल सवार महतो की मौत घटनास्थल पर ही हो गई और दो अन्य लोग घायल हो गए। बताया जाता है कि मोटरसाइकिल सवार दो युवक स्टंट करते हुए काफी तेज रफ्तार में थे। इस कारण ही यह हादसा हुआ। इस बीच दुर्घटना के विरोध में स्थानीय लोगों ने उच्चपथ को घंटों जाम कर दिया। बाद में पुलिस प्रशासन के समझाने के बाद लोगों ने जाम खत्म कर दिया।

भीषण सड़क हादसे में दो की मौत, दस घायल

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

अमेठी. उत्तर प्रदेश में अमेठी जिले के मोहनगंज थाना क्षेत्र में दो बोलेरो गाड़ियों की आमने-सामने की टक्कर में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक महिला समेत 10 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। सभी घायलों को तिलोई स्थित रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया हैं।

पुलिस ने मंगलवार को बताया कि क्षेत्र के पाकड़ गांव में सोमवार रात एक बारात आई थी। बारात में शामिल लोग सड़क पर नाच-गा रहे थे कि तभी रायबरेली की तरफ से तेज रफ्तार में आ रही बोलेरो बारातियों को बचाने के प्रयास में सामने से आ रही एक अन्य बोलेरो से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि आसपास खड़े कई लोग भी उसकी चपेट में आ गए।

हादसे में यह हुए घायल

हादसे में भवानी प्रसाद गुप्ता पुत्र राम बहादुर, निवासी सिन्दूरवा, थाना कमरौली और राम सजीवन पुत्र शिव प्रसाद की मौके पर ही मौत हो गई जबकि राजू गुप्ता, अरमान पुत्र शमीम, जगजीवन पुत्र शिव प्रसाद, शान पुत्र लाल मोहम्मद, कन्हैया लाल पुत्र जगदेव, तथा बोलेरो में सवार सपना पुत्री राजभवन, गंगाराम पुत्र हरभजन, राजभवन पुत्र हरभजन, तेजभान पुत्र शिवशंकरऔर गोविंद पुत्र राजभवन निवासी बलभद्रपुर, जामो गंभीर रुप से घायल हो गए।

सूचना मिलते ही मोहनगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

दूसरे आरोपी को पुलिस ने पकड़ा, तीसरा फरार

आगरा में सर्राफ की हत्या का आरोपी मुठभेड़ में ढेर

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

आगरा. उत्तर प्रदेश में आगरा जिले के सिकंदरा क्षेत्र में पुलिस ने मंगलवार तड़के एक सशस्त्र मुठभेड़ में सर्राफ की हत्या के आरोपी को मार गिराया।

पुलिस ने बताया कि कारगिल चौराहे पर स्थित बालाजी ज्वैलर्स मालिक योगेश चौधरी की चार दिन पहले लूटपाट के बाद हत्या कर दी गयी थी। पुलिस ने वारदात के मुख्य आरोपी को मुठभेड़ में मार गिराया। मुठभेड़ के दौरान पुलिस की जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से घायल बदमाश को हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार मारे गए बदमाश का नाम अमन था और वह बिचपुरी के मघटई का रहने वाला था। पुलिस को सूचना मिली थी कि सिकंदरा के अंसल एपीआई में बन रहे फ्लैट में बदमाश छिपे हैं। पुलिस ने फ्लैट की घेराबंदी की तो अमन ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी फायरिंग में उसे गोली लग गई।

लौटते समय मारी थी गोली

वारदात के दौरान चार दिन पहले सुमित ने ही अमन और फारुख को बाइक उपलब्ध कराई थी। सुमित खुद वारदात के समय दूर खड़ा था। फारुख और अमन कारगिल चौराहे के निकट स्थित बालाजी ज्वैलरी शोरूम में घुसे थे। लूट के बाद लौटते समय अमन ने योगेश उर्फ योगेंद्र को गोली मार दी थी।

व्यापारियों ने आंदोलन की दी थी चेतावनी

दिनदहाड़े हुई लूट और हत्याकांड को लेकर शहर के व्यापारियों में भारी आक्रोश था। उन्होंने पुलिस-प्रशासन को 72 घंटे का अल्टीमेटम देते हुए सड़कों पर उतर कर आंदोलन करने की चेतावनी दी थी। व्यापारियों ने कहा था कि सोमवार शाम तक बदमाश गिरफ्तार नहीं हुए तो मंगलवार को आगरा बंद रखेंगे। इधर, पुलिस प्रशासन ने बदमाश की गिरफ्तारी के लिए करीब दो हजार पुलिस कर्मियों को विभिन्न टीमों के रूप में सक्रिय कर दिया था।

यूपी में 2025-26 की स्थानांतरण नीति को मिली मंजूरी

लखनऊ @ पत्रिका . उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा स्थानांतरण नीति को वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए प्रभावी किया गया है। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि नई नीति में पिछली नीति के ज्यादातर प्रावधानों को शामिल किया गया है। इसके जरिए जून 2025 तक समूह क व ख के जो अधिकारी किसी जिले में सेवाकाल के 3 वर्ष पूरे कर चुके हैं उन्हें अन्य जिलों में तथा मंडल में सात वर्ष पूरे कर चुके अधिकारी व कर्मचारियों का स्थानांतरण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मंडलीय कार्यालयों में की गई तैनाती इस अवधि में नहीं गिनी जाएगी मगर यहां भी 3 वर्ष से अधिक कार्यरत अधिकारी व कर्मचारियों को प्राथमिकता के आधार पर स्थानांतरित किया जाएगा।

हत्या के मामले में तीन अपराधी गिरफ्तार

सुपौल @ पत्रिका. बिहार में सुपौल जिला पुलिस ने हत्या के मामले में तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस उप महानिरीक्षक (कोसी प्रक्षेत्र) मनोज कुमार ने बताया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज होने के बाद जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया था। जांच दल ने मौके से मिले साक्ष्यों एवं वैज्ञानिक अनुसंधान के जरिए मामले का उद्भेदन किया। उन्होंने बताया कि मामले में अपराधी रमेश कुमार राय को गिरफ्तार किया गया, जिससे पूछताछ के बाद मिली जानकारी में अन्य की संलिप्तता मिली। इसके बाद कर्पूरी सदा को गिरफ्तार किया गया।

ऑटो-रिक्शा से गिरकर एक व्यक्ति की मौत:
सासाराम @ पत्रिका. बिहार में रोहतास जिले के नोखा थाना क्षेत्र में ऑटो-रिक्शा से गिरकर एक व्यक्ति की मौत हो गई।पुलिस ने बताया कि गंगहर तराड़ गांव निवासी रामप्रवेश राम (55) ऑटो-रिक्शा पर सवार होकर अपने एक रिश्तेदार के यहां आयोजित शादी समारोह में शामिल होने के लिए चेनारी जा रहे थे। इसी दौरान सतरबिघवा के समीप ऑटो-रिक्शा से गिरकर वह गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि घायल को इलाज के लिए नोखा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें सासाराम के सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया।

ट्रैक्टर और कार की टक्कर में एक व्यक्ति मौत:
सासाराम @ पत्रिका. बिहार में रोहतास जिले के नोखा थाना क्षेत्र में ट्रैक्टर और कार के बीच हुई टक्कर में एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि नोखा निवासी सुरेंद्र राय (42) मंगलवार को ईंट लेने के लिए ट्रैक्टर से ईंट-भट्ठा पर जा रहा था। इसी दौरान पेनार गांव के समीप कार और ट्रैक्टर में टक्कर हो गई। इस घटना में ट्रैक्टर पर सवार सुरेंद्र राय नीचे गिर गए और गंभीर चोट लगने के कारण उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सासाराम सदर अस्पताल भेज दिया हैं।

शिक्षक अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं: एजाज

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पटना. बिहार राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रवक्ता एजाज अहमद ने शिक्षक अभ्यर्थियों पर पुलिस लाठीचार्ज की निंदा करते हुए कहा कि लोकतंत्र में यह कहीं से उचित नहीं हैं।

अहमद ने मंगलवार को कहा कि टीआरई -3 के अभ्यर्थियों द्वारा सप्लीमेंट्री रिजल्ट की मांग को लेकर जब मुख्यमंत्री से गुहार लगाई जाती हैं, तब उन्हें लाठियों से पीटा जाता हैं। इस तरह का कदम लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं हैं। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि बिहार में किस तरह से डबल इंजन की सरकार नौकरी और रोजगार के प्रति कार्य कर रही हैं, ये स्पष्ट रूप से दिखता हैं। राजद प्रवक्ता ने कहा कि सरकार के स्तर से अभ्यर्थियों के साथ न्याय की दिशा में कोई कार्रवाई नहीं होती हैं और उन पर पुलिसिया दमन किया जाता हैं। जबकि राजद हमेशा अभ्यर्थियों के जायज मांगों के साथ खड़ी रही हैं और नौकरी और रोजगार के प्रति नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव हमेशा गंभीर रहे हैं और उन्होंने महागठबंधन सरकार के माध्यम से नौकरियों की एक बहार लाई थी और उस समय टीआरई-वन और टू के सप्लीमेंट्री परिणाम भी जारी किए गए थे और सभी के साथ न्याय करते हुए नौकरियां दी गई थी।

झारखंड में तेतुलिया जमीन मामले में बोकारो में ईडी की छापेमारी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रांची. झारखंड में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) बोकारो में जमीन कारोबार से जुड़े लोग के ठिकानों पर छापेमारी कर रही हैं।

ईडी की टीम मंगलवार को बोकारो के चास स्थित राणा प्रताप नगर में महेश नागिया के घर पर पहुंची और छापेमारी की। मिली जानकारी के अनुसार महेश का तेतुलिया मौजा के जमीन के फर्जीवाड़ा में शामिल अजहर और अख्तर हुसैन के साथ था। इस कारण से महेश के यहां ईडी ने दबिश दी हैं। ईडी की टीम ने दो जगहों पर छापेमारी की हैं। महेश नागिया जमीन और पेंट कारोबार से जुड़े हैं। गौरतलब हैं कि 22 अप्रेल को ईडी ने रांची सहित 15 ठिकानों में छापेमारी की थी।

बैठक | योगी मंत्रिमंडल ने कुल 11 प्रस्तावों को दी मंजूरी

कैरिज बस अड्डे से सुलझेगी बस पार्किंग की समस्या

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

लखनऊ. उत्तर प्रदेश सरकार ने उत्तर प्रदेश स्टेट कैरिज बस अड्डा, कॉन्ट्रैक्ट कैरिज व ऑल इंडिया टूरिस्ट बस पार्क (स्थापना व विनियमन) नीति 2025 प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान कर दी हैं।

प्रदेश के संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने लोकभवन में पत्रकारों को बताया कि मंगलवार को योगी मंत्रिमंडल की बैठक में कुल 11 प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की गई। उन्होंने बताया कि बसों की बढ़ती संख्या के बीच अक्सर देखा गया हैं कि चालक बस अड्डे में जगह न होने

दस साल के लिए संचालन की मिलेगी अनुमति

बस अड्डे की स्थापना के इच्छुक लोगों को दो एकड़ भूमि और आवेदक की नेट वर्थ 50 लाख रुपए होना जरुरी हैं। स्टेट कैरिज बस अड्डा, कॉन्ट्रैक्ट कैरिज व टूरिस्ट बस पार्क की स्थापना के लिए आवेदक एक विधिक इकाई होगा। इसके लिए वह अकेला अथवा कंसोर्सियम के तौर पर आवेदन कर सकता हैं। किसी भी आवेदक को प्रदेश में दस से अधिक, जिले में दो से अधिक तथा एक मार्ग में एक से अधिक कैरिज बस अड्डा, कॉन्ट्रैक्ट कैरिज व टूरिस्ट बस पार्क की स्थापना की अनुमति नहीं होगी।

पर सड़क किनारे बस खड़ी कर देते हैं, जिससे दुर्घटना की संभावना बनी रहती हैं। इसीलिए सरकार ने निर्णय लिया हैं कि निजी क्षेत्र के सहयोग से हर जिले में कैरिज बस अड्डों की स्थापना की जाएगी।

अधिकारियों समेत नौ सदस्यीय दल होगा

कैरिज बस अड्डा, कॉन्ट्रैक्ट कैरिज व टूरिस्ट बस पार्क की स्थापना के लिए आवेदन आमंत्रण एवं स्थापना संबंधी कार्य के लिए जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कैरिज बस अड्डा, कॉन्ट्रैक्ट कैरिज व टूरिस्ट बस पार्क की स्थापना नियामक प्राधिकारी का गठन किया जाएगा, जिसके सदस्य के रुप में जिले के पुलिस प्रमुख, नगर आयुक्त, नगर निगम के सचिव और विकास प्राधिकरण, नगर पालिका परिषद के अधिकारियों समेत नौ सदस्यीय दल होगा।

नीतीश ने कटिहार सड़क दुर्घटना में 8 लोगों की मौत पर जताया शोक

मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपए मुआवजा देने के दिए निर्देश

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पटना. बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कटिहार जिले के कुर्सेला थाना क्षेत्र में चांदपुर हनुमान मंदिर के पास स्कार्पियो और ट्रैक्टर के बीच टक्कर में आठ लोगों की मौत पर मंगलवार को शोक संवेदना व्यक्त की। नीतीश कुमार ने मंगलवार को अपने शोक संदेश में इस घटना को दुखद बताया। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों को दुख की घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की हैं। उन्होंने दुर्घटना में घायल लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की हैं।

आपदा की इस घड़ी में वे प्रभावित परिवारों के साथ

मुख्यमंत्री ने वज्रपात से पटना जिले में तीन तथा गया और अरवल में एक-एक व्यक्ति की मौत पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की और कहा कि आपदा की इस घड़ी में वे प्रभावित परिवारों के साथ हैं। उन्होंने मृतक के परिजनों को चार-चार लाख रुपए अनुग्रह अनुदान देने के निर्देश दिए हैं। नीतीश कुमार ने अपील की है कि सभी लोग खराब मौसम में पूरी सतर्कता बरतें। खराब मौसम होने पर वज्रपात से बचाव के लिए आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा समय-समय पर जारी किए गए सुझावों का अनुपालन करें। खराब मौसम में घरों में रहें और सुरक्षित रहें।

हो सकता है मैं आपके विचारों से सहमत न हो पाऊं फिर भी विचार प्रकट करने के आपके अधिकारों की रक्षा करूंगा। –वाल्तेयर

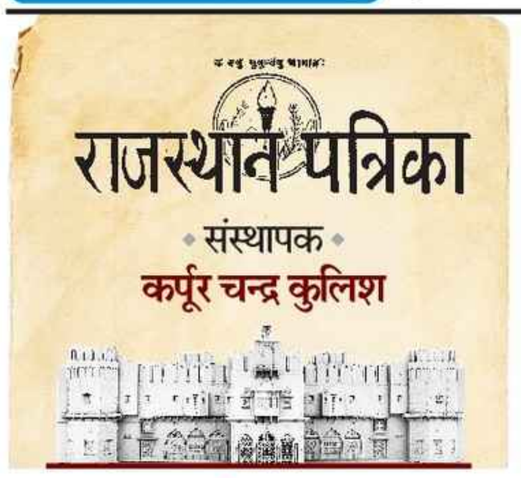

प्रतिभाशाली बच्चों के भविष्य से खिलवाड़

तमाम सख्त उपायों के बावजूद प्रतिष्ठित नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (नीट) में बैठने वाले अभ्यर्थियों का भरोसा टूटने का काम फिर हो गया। भारतीय प्रतिभावान विद्यार्थियों के लिए होने वाली स्तरीय परीक्षाओं में से एक 'नीट' लापरवाही के दलदल से बाहर नहीं निकल पाई है। गत चार मई को सम्पन्न हुई इस परीक्षा में राजस्थान में जयपुर, बिहार में समस्तीपुर और अन्य स्थानों पर डमी परीक्षार्थियों के पकड़े जाने की घटनाएं बताती हैं कि स्वास्थ्य सेवाओं में जाने के इच्छुक बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ करने वाली ये घटनाएं रोकी नहीं जा सकी हैं। कमजोर अभ्यर्थी की जगह स्कोरर के इस परीक्षा में बैठने के मामले जहां नहीं खुल पाते वहां कमजोर छात्र भी दाखिले की सीढ़ी तक पहुंच ही जाता है।

मेडिकल पाठ्यक्रमों में प्रवेश की चाह रखने वाले लाखों अभ्यर्थियों का भरोसा तोड़ने के लिए ऐसी इक्का-दुक्का घटनाएं ही काफी होती हैं। ये मामले तो तब सामने आए हैं जब परीक्षा देने गए बच्चों को कड़ी सुरक्षा जांच के बीच प्रवेश दिया गया। अभिभावक बच्चों के सकुशल परीक्षा देकर आने की उम्मीद में परीक्षा केन्द्रों के बाहर घंटों कड़ी धूप में खड़े रहने को मजबूर भी हुए। कुछ को आधार कार्ड के चक्कर में दौड़ लगाते देखा गया। हर बार की तरह अभिभावकों ने जांच की इस सख्त व्यवस्था पर रोष भी व्यक्त किया। ईमानदार प्रतिभागियों और उनके अभिभावकों को भरोसा था कि अब इस परीक्षा में किसी किस्म की लापरवाही की गुंजाइश नहीं है। परीक्षा में 'मुन्ना भाइयों' के शामिल होने के समाचार अखबारों की सुर्खियों में छाए रहे। एक तरह से वही तरीका जो पिछले सालों से इस परीक्षा के प्रति भरोसा तोड़ता रहा है वह फिर देखा गया। जब कभी एवजी परीक्षार्थियों को बैठाने वाला गिरोह पकड़ा जाता है तो डमी परीक्षार्थी के रूप में बैठने वाले किसी प्रतिभाशाली का भविष्य भी चौपट हो जाता है। चंद रकम के लालच में दलालों के झांसे में आकर ऐसे प्रतिभाशाली विद्यार्थी भी डमी छात्र के रूप में परीक्षा देने पहुंच जाते हैं। चिंता इस बात की भी है कि इस सब प्रक्रिया के सूत्रधार दलालों का कुछ नहीं बिगड़ता। पकड़े जाने पर थोड़ी-बहुत सजा हो भी गई तो सजा पूरी कर ये फिर नए स्थान और नए नाम से सक्रिय हो जाते हैं। भविष्य अंधकारमय तो उन प्रतिभाशाली विद्यार्थी का होता है, जिनका हक मारकर कोई अन्य मेडिकल कॉलेज में प्रवेश लेने में कामयाब हो जाता है।

सवाल ये है कि चाक-चौंबद व्यवस्थाओं में भी सेंध कैसे लग जाती है? फेस वैरिफिकेशन, बायोमैट्रिक्स का सत्यापन, आधार कार्ड की जांच, प्रवेश पत्र के फोटो से मिलान आदि कितने ही उपाय कैसे फेल हो जाते हैं? सीधी-सी बात है कि जिम्मेदार ही लापरवाही बरत रहे हैं। ऐसे मामले सामने आते भी हैं तो आरोपी बचाव की गलियां भी निकाल लेते हैं। दलाली के खेल लम्बी-चौड़ी बिसात पर होते हैं। परीक्षाओं की पवित्रता खत्म करने वाले पूरे कुनबे को सख्त सजा देने का काम होना चाहिए, ताकि भरोसा कायम रहे।

नए हथियार: क्वांटम कंप्यूटिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और स्वचालित प्रणालियां अब युद्ध के नए मोर्चे बन गए हैं

युद्ध में कोडिंग और चिप की बढ़ रही भूमिका

अजय चौधरी
(लेखक पद्म भूषण से सम्मानित व एचसीएल के को-फाउंडर हैं)
@patrika.com

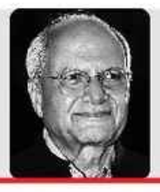

दुनिया में जब भी नई तकनीक आती है तो वह सिर्फ विकास का साधन नहीं होती, वह शक्ति का साधन भी बन जाती है। सेमीकंडक्टर, साइबर स्पेस, डेटा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता अब वही साधन हैं। भारत के पास प्रतिभा है, इच्छाशक्ति है, लेकिन अब जरूरत है एक स्पष्ट रणनीति और मिशन की।

दुनिया में अस्थिरता बढ़ रही है। आज की दुनिया में जब एक ओर देशों के बीच खुले युद्ध की घटनाएं घट रही हैं, वहीं दूसरी ओर एक नए प्रकार का युद्ध भी सामने आ रहा है, जो चुपचाप, बिना गोलीबारी के लड़ा जाता है। लेकिन यह पारंपरिक युद्ध जितना ही खतरनाक है। इसे 'छाया युद्ध' कहा जा सकता है और इसमें सेमीकंडक्टर, साइबर हमले, झूठी खबरें, आर्थिक दबाव और डिजिटल जासूसी प्रमुख हथियार बन चुके हैं। भारत जैसे देश के लिए यह जरूरी हो गया है कि वह इस बदलती युद्ध-प्रकृति को समझे और इसके लिए खुद को तैयार करे।

पहले युद्धों में सेनाएं मैदान में उतरती थीं, टैंक चलते थे और मिसाइलें दागी जाती थीं। लेकिन आज का युद्ध इस तरह के हथियारों के बिना भी लड़ा जा सकता है। अब यह युद्ध कंप्यूटर कोड, चिप्स, इंटरनेट नेटवर्क और डेटा के जरिए हो रहा है। इन सभी के बीच एक क्षेत्र है जिसे धूसर क्षेत्र या ग्रे जोन कहा जाता है। यह वह जगह है, जहां न तो खुला युद्ध होता है और न ही पूर्ण शांति होती। यहां देश एक-दूसरे को परेशान करते हैं, लेकिन इस तरह कि कोई उन्हें सीधे तौर पर दोषी न ठहरा सके। इस धूसर क्षेत्र में साइबर हमले, अफवाहें फैलाना, मीडिया को प्रभावित करना, राजनीतिक हस्तक्षेप और आर्थिक दबाव जैसे हथियार इस्तेमाल होते हैं। यह सब कुछ इस हद तक ही किया जाता है कि सामने वाला देश सैन्य कार्रवाई करने से हिचकिचाए। अब युद्ध सेमीकंडक्टर यानी माइक्रोचिप्स और डिजिटल तकनीक से लड़े जाएंगे। हाल ही एक अमरीकी सीनेटर ने कहा था कि अगला बड़ा युद्ध सेमीकंडक्टर्स के लिए लड़ा जाएगा। यह कथन महज चेतावनी नहीं है, बल्कि एक सच्चाई है जो दिन-ब-दिन सामने आ रही है।

दुनिया अब डेटा, सूचना और प्रोसेसिंग पावर के लिए संघर्ष कर रही है। क्वांटम कंप्यूटिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और स्वचालित प्रणालियां अब युद्ध के नए मोर्चे बन गए हैं। अमरीका, चीन, रूस और अन्य ताकतवर देश इन क्षेत्रों में बहुत तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। रैंड कॉर्पोरेशन की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि वर्ष 2030 तक ये तकनीकें भविष्य के युद्धों की दिशा तय करेंगी।

हाल के वर्षों में अमरीका ने चीन को उच्च गुणवत्ता वाली चिप तकनीक देने पर रोक लगा दी है। अमरीका ने जापान और नीदरलैंड्स जैसे अपने सहयोगियों को भी इस रणनीति में शामिल कर लिया है, ताकि चीन को उन्नत चिप तकनीक से वंचित किया जा सके। इसके जवाब में चीन ने भी अमरीका की माइक्रोन कंपनी की चिप पर प्रतिबंध लगा दिया। इस तरह दोनों देशों के बीच एक तरह का तकनीकी शीत युद्ध शुरू हो गया है। इससे यह स्पष्ट हो गया है कि सेमीकंडक्टर अब केवल व्यापारिक उत्पाद नहीं हैं, बल्कि रणनीतिक हथियार बन गए हैं। दुनियाभर में रक्षा खर्च लगातार बढ़ रहा है। अब यह खर्च सिर्फ सेना पर नहीं, बल्कि क्वांटम सिस्टम, एआइ और साइबर सुरक्षा जैसे नए क्षेत्रों पर भी किया जा रहा है।

भारत एक तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था है, जहां 1.3 अरब से ज्यादा लोग इंटरनेट से जुड़े हैं। आधार, यूपीआइ, डिजिलॉकर और अन्य डिजिटल सेवाओं के जरिए भारत ने एक मजबूत डिजिटल ढांचा तैयार किया है। लेकिन वहीं दूसरी ओर, हम अब भी सेमीकंडक्टर और कुछ महत्त्वपूर्ण तकनीकों के लिए चीन जैसे देशों पर निर्भर हैं। 2023-24 में भारत ने लगभग 90 अरब डॉलर मूल्य का इलेक्ट्रॉनिक सामान आयात किया, जिसमें चीन की हिस्सेदारी 44 प्रतिशत से अधिक थी। हमारी सबसे उन्नत सॉफ्टवेयर सेवाएं भी अक्सर उन हार्डवेयर पर चलती हैं, जो विदेशी हैं और असुरक्षित हो सकते हैं। यह एक बड़ी रणनीतिक कमजोरी है। अब सवाल यह है कि इस बदलती युद्ध-प्रकृति में भारत को क्या करना चाहिए? इसका उत्तर यह है कि देश को स्वदेशी तकनीक में निवेश करना होगा। सेमीकंडक्टर और क्वांटम कंप्यूटिंग क्षेत्र में आत्मनिर्भर होना बहुत आवश्यक हो गया है। इस दिशा 6,000 करोड़ रुपए का राष्ट्रीय क्वांटम मिशन एक अच्छी शुरुआत है, लेकिन इसे तेज करने और बड़े स्तर पर बढ़ाने की जरूरत है। हमारी विज्ञान, तकनीक, इंजीनियरिंग और गणित में प्रतिभा विश्व स्तर की है। हमें बस इसे सही दिशा, संसाधन और समर्थन देना है। क्वांटम कंप्यूटर विकसित होते ही मौजूदा एन्क्रिप्शन पद्धतियां बेकार हो जाएंगी। इसलिए भारत को अपने सरकारी, रक्षा और वित्तीय संचार में ऐसी नई एन्क्रिप्शन तकनीकों को लागू करना होगा जो क्वांटम हमलों से बचा सकें। तीसरी महत्त्वपूर्ण बात, आधार, यूपीआइ, डिजि लॉकर और इंडिया स्टैक जैसे प्लेटफार्म आज सिर्फ सुविधाएं नहीं, बल्कि राष्ट्रीय संपत्ति हैं। इनकी सुरक्षा देश की सीमाओं की सुरक्षा जितनी ही महत्त्वपूर्ण है। लिहाजा भारत को इनकी सुरक्षा के भी इंतजाम करने होंगे।

और अंत में भारत को नीति निर्माण, पूंजी निवेश, अनुसंधान और उत्पादन के हर स्तर पर सेमीकंडक्टर और साइबर सुरक्षा को प्राथमिकता देनी होगी। यह राष्ट्रीय सुरक्षा का हिस्सा बनना चाहिए, न कि केवल उद्योग या आइटी मंत्रालय का। दुनिया में जब भी नई तकनीक आती है तो वह सिर्फ विकास का साधन नहीं होती, वह शक्ति का साधन भी बन जाती है। सेमीकंडक्टर, साइबर स्पेस, डेटा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता अब वही साधन हैं। भारत के पास प्रतिभा है, इच्छाशक्ति है, लेकिन अब जरूरत है एक स्पष्ट रणनीति और मिशन की।

फैक्ट फ्रंट

घोस्ट ऑर्किड

घोस्ट ऑर्किड एक अनोखा और दुर्लभ फूल है, जो अपनी अलौकिक खूबसूरती के लिए प्रसिद्ध है।

यह फूल दक्षिण फ्लोरिडा (अमरीका) और क्यूबा के दलदली जंगलों में पाया जाता है। सफेद, पारदर्शी और हल्की हरी चमक लिए यह फूल हवा में तैरता-सा प्रतीत होता है। इसकी नाजुक, लंबी पंखुड़ियां और नरम चमक इसे किसी स्वप्निल दृश्य जैसा बनाती हैं। घोस्ट ऑर्किड की खासियत है कि यह बिना मिट्टी के पेड़ों की छाल पर उगता है। इसे ढूंढना बेहद मुश्किल है क्योंकि यह केवल विशिष्ट नमी और छायादार परिस्थितियों में ही खिलता है। यह जुलाई-अगस्त में रात के समय खिलता है। इसकी सुगंध हल्की लेकिन मंत्रमुग्ध कर देने वाली होती है।

मेंटल हेल्थ: इन्फ्लुएंसर मीशा की आत्महत्या का मामला समाज के लिए गंभीर संकेत

लाइक्स और फॉलोअर्स महत्त्वपूर्ण नहीं, कीमत होती है जिंदगी की

डॉ.नीलू तिवारी
स्वतंत्र लेखिका एवं स्तंभकार
@patrika.com

हाल में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर मीशा अग्रवाल ने अपने घटते फॉलोअर्स के चलते आत्महत्या कर ली। इस घटना ने सोशल मीडिया यानी कि आभासी दुनिया की कड़वी सच्चाई को एक बार फिर से उजागर कर दिया है। इसके साथ ही मानसिक पहलुओं पर भी दुनियाभर में चर्चा छेड़ दी है। महज 23 साल की मीशा के फॉलोअर्स की संख्या में गिरावट आई, तो उसने खुद को बेकार समझना शुरू कर दिया। इसके बाद मीशा गहरे अवसाद में चली गई। उसकी आत्महत्या ने यह दिखाया कि कैसे ऑनलाइन मान्यता की खोज एक व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डाल सकती है। असल में आज सोशल मीडिया केवल एक संवाद का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि यह एक नया समाज बन गया है। ऐसा समाज, जहां रिश्ते, सोच और पहचान अब स्क्रीन पर तय होते हैं। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स अब केवल कंटेंट निर्माता नहीं, बल्कि युवा पीढ़ी के विचार, व्यवहार और दृष्टिकोण को दिशा देने वाले नए सामाजिक मार्गदर्शक बन चुके हैं।

भारत में साल 2024 तक 50 करोड़ से अधिक सोशल मीडिया यूजर्स थे, जिनमें से लगभग 65 प्रतिशत युवा (18-35 वर्ष) हैं। एक सर्वे के अनुसार, 75 प्रतिशत युवा इन्फ्लुएंसर्स से प्रेरित होकर खरीदारी का निर्णय लेते हैं। मानसिक स्वास्थ्य पर हुए शोध के अनुसार, जो युवा दिन में तीन घंटे से अधिक सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते हैं, उनमें चिंता और अवसाद की आशंका 21 प्रतिशत अधिक होती है। अधिकांश इन्फ्लुएंसर अपनी जिंदगी का सिर्फ फिल्टर किया हुआ चमकदार हिस्सा दिखाते हैं। इससे युवा यह मानने लगते हैं कि सफलता का मतलब महंगी गाड़ियां, लग्जरी जीवन और आकर्षक चेहरा है, जबकि यह यथार्थ से बहुत दूर होता है। युवाओं की आत्मा अब लाइक्स, फॉलोअर्स और कमेंट्स से जुड़ने लगी है। अगर कोई पोस्ट वायरल नहीं हुई, तो वे खुद को विफल समझने लगते हैं। यह डिप्रेशन लो सेल्फ-एस्टीम और सोशल एंजायटी को जन्म देता है। इन्फ्लुएंसर बनने की दौड़ में युवा सामाजिक संबंधों, परिवार, पढ़ाई और जीवन के असल पक्षों से कटते जा रहे हैं। कुछ युवा 14-15 साल की उम्र में स्कूल छोड़कर फुल-टाइम क्रिएटर्स बनने की कोशिश में समय और शिक्षा दोनों गंवा देते हैं। मीशा से पहले भी भारत में ऐसी कई घटनाएं हुई हैं। साल 2020 में एक 18 वर्ष की टिकटॉक यूजर ने आत्महत्या कर ली, क्योंकि उसके फॉलोअर्स अचानक घट गए थे और वीडियो पर ट्रोलिंग हुई थी। वहीं यूके की एक इन्फ्लुएंसर ओलिविया जेड ने भी इसी तरह के मामले में आत्महत्या कर ली। उसके परिवार का कहना था कि वह हमेशा सोशल मीडिया पर खुद को साबित करने के दबाव में रहती थी। वहीं दक्षिण कोरिया के पॉप कलाकार और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर की आत्महत्या भी ट्रोलिंग और सोशल दबाव से जुड़ी मानी जाती हैं। असल में बाहर से हंसते-हंसते पोस्ट डालने वाले अधिकतर इन्फ्लुएंसर अंदर से टूटे हुए होते हैं। वे हर दिन परफेक्ट दिखने के दबाव में जीते हैं, लेकिन किसी से कुछ कह नहीं पाते। ली मैकमिलन, जो कि एक ट्रेवल इन्फ्लुएंसर थीं। उन्होंने दुनिया घूमी, हजारों फॉलोअर्स थे पर अवसाद ने उनकी जिंदगी लील ली। आत्महत्या के बाद उनके परिवार ने मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता की मुहिम शुरू की। एक प्रसिद्ध फिटनेस इन्फ्लुएंसर ने स्वीकार किया कि वह कैमरे के सामने ऊर्जा से भरी दिखती थी पर कैमरे के पीछे रातों को रोती थीं। वह नींद की बीमारी से जूझ रही थीं। असल में यह दुनिया उतनी आसान और ग्लैमरस नहीं है, जितनी स्क्रीन पर नजर आती है। इन्फ्लुएंसर्स में प्रमुख मानसिक समस्याएं जैसे कि डिजिटल थकावट, पहचान का संकट, फॉलोअर्स गिरना यानी आत्मविश्वास कम होना, ऑनलाइन ट्रोलिंग और आलोचना देखने को मिलती है।

मीशा की कहानी हमें यह सिखाती है कि सोशल मीडिया की दुनिया में सफलता की चमक के पीछे गहरे मानसिक संघर्ष हो सकते हैं। यह आवश्यक है कि हम अपने आसपास के लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दें और उन्हें यह समझाएं कि ऑनलाइन मान्यता ही जीवन का मापदंड नहीं है। मीशा की आत्महत्या कोई निजी त्रासदी नहीं थी। यह पूरी पीढ़ी की एक सामाजिक त्रासदी है। सरकार, सोशल मीडिया, कंपनियां समाज और खुद इन्फ्लुएंसर्स सभी को मिलकर एक सुरक्षित और मानसिक रूप से स्थिर डिजिटल दुनिया बनानी होगी। नए क्रिएटर्स को सिखाया जाए कि फॉलोअर्स, लाइक और व्यूज आने-जाने वाली चीजें हैं। उन्हें डिजिटल स्थिरता और भावनात्मक लचीलापन सिखाया जाए। डिजिटल युग में मानसिक स्वास्थ्य को उतनी ही अहमियत दें, जितनी लाइक्स और फॉलोअर्स को दी जाती है। हम संवेदनशील बनें, युवाओं को समझें और ऐसा डिजिटल माहौल बनाएं, जहां सफलता का मतलब संतुलन हो न कि केवल संख्या।

शियाओजाई टियांकांग: दुनिया का सबसे बड़ा व गहरा कुआं

***चीन** के चोंगकिंग प्रांत में स्थित शियाओजाई टियांकांग को दुनिया का सबसे गहरा और विशाल प्राकृतिक सिंकहोल या कुआं माना जाता है। यह अद्भुत गड्ढा करीब 662 मीटर गहरा, 511 से 626 मीटर चौड़ा और लगभग 537 मीटर लंबा है। इसे स्थानीय भाषा में 'स्वर्ग की खिड़की' या 'पाताल का रास्ता' भी कहा जाता है। वैज्ञानिक मानते हैं कि यह विशाल सिंकहोल हजारों वर्षों में पानी के भूमिगत बहाव से धीरे-धीरे आकार लेता गया। इस विशाल प्राकृतिक रचना के अंदर एक अलग ही जैविक दुनिया है, जिसमें कई दुर्लभ पौधे और जानवर पाए जाते हैं। यहां नीचे एक गुप्त नदी भी बहती है जिसे 'डिफेंग नदी' कहा जाता है। यह जगह ट्रैकिंग, वैज्ञानिक अध्ययन और प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग समान है। शियाओजाई टियांकांग प्रकृति की वह अनकही कहानी है, जो बताती है कि धरती के भीतर भी एक अलग, रहस्यमयी संसार बसता है। बारिश के दिनों में इस प्राकृतिक कुएं के ऊपर झरने गिरते देखे जा सकते हैं। इसे 1994 में ब्रिटिश खोजकर्ताओं ने खोजा था, लेकिन उसके बनने के कारण स्पष्ट नहीं हो पाए हैं।*

बुक इनसाइट द एट्स

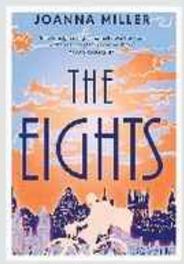

जो आना मिलर की किताब 'द एट्स' एक प्रेरणादायक और भावनात्मक उपन्यास है, जो चार महिलाओं की दोस्ती और उनके जीवन की यात्रा को खूबसूरती से दर्शाता है। यह कहानी इतिहास, खेल और रिश्तों की गहराई को एक साथ बुनती है, जो पाठकों को एक अनोखी दुनिया में ले जाती है। कहानी चार युवा महिलाओं की है, जो 1936 के बर्लिन ओलंपिक में अमरीका की पहली महिला रोइंग (नौकायन) टीम की सदस्य बनती हैं। उस दौर में जब महिलाओं को खेलों में ज्यादा मौके नहीं मिलते थे, ये चारों न केवल अपने सपनों के लिए लड़ती हैं, बल्कि एक-दूसरे को भी मजबूत बनाती हैं। लेखिका ने इन किरदारों को इतने जीवंत ढंग से चित्रित किया है कि वे असल लगते हैं। उनकी हिम्मत संघर्ष और दोस्ती की भावना हर पन्ने पर छलकती है। लेखिका ने नाजी जर्मनी की पृष्ठभूमि में इस कहानी को सेट किया है।

प्रसंगवश

सरकारी अस्पतालों की खस्ताहाल इमारतें मरीजों को दे रहीं दर्द

मरीज को इलाज के साथ सुरक्षा की भी चिंता करनी पड़ती है। पता नहीं कब वह हादसे का शिकार हो जाए

किसी हादसा होने के बाद चेतने की हमारे यहां जिम्मेदारों की पुरानी आदत है। हादसे को सबक के रूप में लेते हुए ही सही, प्रदेश के सबसे बड़े सवाई मानसिंह अस्पताल में छत का प्लास्टर गिरने पर मरीजों के घायल होने की घटना के बाद हरकत में आए स्वास्थ्य महकमे ने अब मेडिकल कॉलेजों से सम्बद्ध दूसरे अस्पतालों की सुध ली है। इन अस्पतालों में रोगियों की सुरक्षा और भवनों के रखरखाव की कवायद के तहत चिकित्सा शिक्षा एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग ने संयुक्त रूप से नई मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की है। इसके तहत प्रत्येक मेडिकल कॉलेज से सम्बद्ध अस्पताल में सार्वजनिक निर्माण विभाग की ओर से कायम चौकी मुख्य रूप से टूट-फूट व अन्य शिकायतों का समाधान करेगी। वार्षिक सर्वेक्षण कर भवन का फिटनेस प्रमाण-पत्र जारी किया जाएगा। मेडिकल कॉलेजों से सम्बद्ध अस्पताल ही नहीं, बल्कि दूसरे सरकारी अस्पतालों की इमारतों में भी कई खस्ताहाल हैं। भवन निर्माण की खामी के चलते कभी छत तो कभी फॉल सीलिंग गिरने या अन्य टूट-फूट होने की घटनाएं अब आम हो चुकी हैं। बीमारी या एक्सीडेंट में अपना इलाज कराने आए मरीजों को अस्पताल में होने वाली इन दुर्घटनाओं से भी दो चार होना पड़ रहा है। मरीजों को दर्द के इलाज के नाम पर नया दर्द मिल रहा है।

इस प्रकार की घटनाओं का कारण अस्पताल में निर्माण के दौरान होने वाली खामियों की अनदेखी या मरम्मत की सुविधा नहीं होना प्रमुखता से माना जा सकता है। आज प्रदेश में करोड़ों रुपए चिकित्सा के नाम पर खर्च किए जा रहे हैं, वहीं निर्माण के नाम पर अस्पतालों को बाहरी तौर पर सजाया भी जा रहा है, लेकिन अस्पताल के वार्ड या अन्य स्थलों पर हुए निर्माणों की खामियों की जिम्मेदारी कोई भी लेने को तैयार नहीं है। हालत यह है कि अस्पतालों में मरीज को अपने इलाज के साथ-साथ सुरक्षा की भी चिंता करनी पड़ती है। पता नहीं कब, कहां और कैसे वह किसी लापरवाही भरे हादसे का शिकार हो जाए। देर आयद दुरूस्त आयद की तर्ज पर चौकियां बनाने की कवायद भले ही हो रही हो, लेकिन मेडिकल कॉलेज से सम्बद्ध अस्पतालों से इतर जिला अस्पताल, सेटेलाइट अस्पताल, सीएचसी व पीएचसी की इमारतों में भी कई खस्ताहाल हैं। आए दिन हादसों के समाचार भी मिलते रहते हैं। मरीजों को राहत देने वाले सभी सरकारी अस्पतालों व अन्य स्वास्थ्य केंद्रों के निर्माण की गुणवत्ता नियमित रूप से परखी जानी चाहिए। खामी मिलने पर दोषियों पर सख्ती भी हो। - **शरद शर्मा**
sharad.sharma@in.patrika.com

सेहत कमजोर कानून और नियामक तंत्र की मिलीभगत के चलते अनैतिक और गैरकानूनी परीक्षण हो रहे हैं, जिनको रोकना होगा

क्लिनिकल ट्रायल प्रक्रिया पारदर्शी व जवाबदेह बनाई जाए

अमूल्य निधि
राष्ट्रीय संयोजक, जन स्वास्थ्य अभियान इंडिया
@patrika.com

बीमारियों से बचाने के लिए नई दवाओं का निर्माण जरूरी है और इनका परीक्षण भी, लेकिन इसके लिए जो भी प्रक्रिया अपनाई जाए, वह पूरी तरह से वैध होनी चाहिए। लोगों की अज्ञानता और मजबूरी का फायदा नहीं उठाया जाना चाहिए। लोगों की जान से खिलवाड़ करना अपराध है।

पिछले दो दशक के दौरान देश में अनैतिक और गैरकानूनी दवा परीक्षणों के अनेक मामले सामने आए हैं। कई शिकायतें दर्ज हुईं, कानूनी प्रक्रियाएं भी शुरू हुईं, फिर भी चिकित्सा जगत में अनैतिकता के सामने नैतिकता कमजोर पड़ती दिख रही है। भारत ने वर्ष 2005 में ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक एक्ट 1940 में संशोधन कर वैश्विक और समवर्ती क्लिनिकल ट्रायल्स को अनुमति दे दी थी। इस बदलाव के तहत 'फेज लैग' की आवश्यकता को हटा दिया गया, जिसका अर्थ था कि अब दवाओं के परीक्षण के लिए वैश्विक परीक्षणों के परिणामों का इंतजार करने की आवश्यकता नहीं थी। इससे भारत विदेशी फार्मा कंपनियों के लिए एक प्रमुख परीक्षण केंद्र बन गया। दुर्भाग्यवश, कमजोर कानून और नियामक तंत्र की मिलीभगत के चलते अनैतिक और गैरकानूनी परीक्षणों के लिए एक रास्ता खुल गया। इसकी वजह से कई लोगों की मौत हो गई और गंभीर शारीरिक दुष्प्रभाव भी हुए।

उदाहरण के तौर पर, मध्यप्रदेश के इंदौर में एक सरकारी अस्पताल में छह डॉक्टरों ने 3307 लोगों पर 76 प्रकार के दवा परीक्षण किए, जिनमें 1833 बच्चे भी शामिल थे। कुछ लोगों की मृत्यु भी हो गई और कई पर गंभीर दुष्प्रभाव भी नजर आए। इन डॉक्टरों ने पांच करारों से 10 लाख रुपए कमाए। भोपाल गैस त्रासदी से प्रभावित 215 पीड़ितों पर एक अस्पताल में ड्रग ट्रायल किए गए, जिनमें 23 लोगों की मृत्यु हुई और 22 को गंभीर दुष्प्रभाव झेलने पड़े। इन परीक्षणों से डॉक्टरों ने 90 लाख रुपए से अधिक की कमाई की। आंध्र प्रदेश और गुजरात में एचपीवी वैक्सीन स्टडी ट्रायल के दौरान 24,777 लड़कियों पर ट्रायल हुआ जिनमें 7 लड़कियों की मृत्यु हुई। इसकी पुष्टि 2013 की 72 पार्लियामेंट्री कमेटी की रिपोर्ट में की गई है। देश भर में 2005 से 2020 तक 34,390 लोगों पर ट्रायल हुए, जिनमें से 6,500 की मृत्यु हुई और 27,890 को गंभीर शारीरिक दुष्प्रभाव झेलने पड़े। इनमें से केवल 217 मृतकों के परिजनों को ही मुआवजा मिला। हालांकि इन मामलों में शिकायतें और जांच भी हुईं, मगर आज भी पीड़ित उच्चतम न्यायालय से न्याय और मुआवजे की गुहार कर रहे हैं। फार्मा कंपनियों के दबाव में नियामक तंत्र अक्सर कार्रवाई से बचता रहा है।

वर्ष 2012 में स्वास्थ्य अधिकार मंच ने उच्चतम न्यायालय में जनहित याचिका दाखिल की थी, जिसमें मल्टीनेशनल कंपनियों, ड्रग कंट्रोलर और डॉक्टरों के गठजोड़ को उजागर किया गया। इसमें यह बताया गया कि कैसे गरीबों और वंचितों को 'गिनी पिग' के रूप में इस्तेमाल किया गया। यह सब मेडिकल व फार्मा संस्थाओं की मिलीभगत से गुप्त रूप से हो रहा था। संसद की 59वीं समिति ने भी इस पर गंभीर टिप्पणी की थी। 2012 से 2014 के बीच न्यायालय के आदेशों के तहत मुआवजे की नीति बनी, नैतिक कमेटियों को रजिस्टर करने के नियम बने और सहमति की प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने के लिए वीडियो रिकॉर्डिंग अनिवार्य की गई। फिर भी जयपुर के एक निजी अस्पताल और हाल ही अहमदाबाद के एक म्युनिसिपल अस्पताल में लगभग 500 लोगों पर बिना जानकारी दिए परीक्षण किए गए, जिनमें डॉक्टरों ने 17 से 20 करोड़ रुपए तक कमाए। कई मामलों में न तो नैतिक कमेटी थी, न ही सहमति पत्र पूर्ण रूप से भरा गया था, जो कि दवा परीक्षण प्रक्रिया का अनिवार्य हिस्सा माना जाता है।

न्यायालय ने क्लिनिकल ट्रायल की स्वीकृति के लिए तीन समितियां गठित की हैं, जिनमें से एक का नेतृत्व स्वास्थ्य मंत्रालय के सचिव करते हैं। परीक्षण के लिए तीन शर्तें निर्धारित की गई हैं- जोखिम-लाभ विश्लेषण, नई और मौजूदा थेरेपी की तुलना और अधूरी चिकित्सा आवश्यकता। इस वर्ष की सुनवाई में उच्चतम न्यायालय ने इस मुद्दे को दोबारा गंभीरता से लिया है और केंद्र सरकार से विस्तृत जवाब मांगा है। राज्य सरकारों की भी जिम्मेदारी है कि वे जांच और पारदर्शिता सुनिश्चित करें। 2019 में 'न्यू ड्रग्स एंड क्लिनिकल ट्रायल्स रूल्स' न्यायालय के आदेश और सामाजिक संगठनों की पहल पर बनाए गए। इस मुद्दे को उजागर करने में स्वास्थ्य अधिकार मंच, भोपाल गैस पीड़ित महिला उद्योग संगठन, राजस्थान नागरिक मंच, ड्रग ट्रायल्स पीड़ित संघ, जन स्वास्थ्य अभियान इंडिया व अन्य सामाजिक संगठन, आरटीआइ कार्यकर्ता, पत्रकार और विशेषज्ञ लगातार सक्रिय रहे हैं। कुछ जनप्रतिनिधियों ने संसद और विधानसभाओं में भी प्रश्न उठाए हैं। वरिष्ठ अधिवक्ता संजय पारिख की सक्रियता, न्यायालय की संवेदनशीलता और विभिन्न आदेशों के कारण थोड़ी पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित हुई है। फिर भी हाल ही अहमदाबाद में हुए अनैतिक परीक्षण ने एक बार फिर इस समस्या की गंभीरता को उजागर कर दिया है।

इस मुद्दे पर न्यायालय, मीडिया और सामाजिक संगठनों की निगरानी के बावजूद कुछ डॉक्टर, अस्पताल, ड्रग कंट्रोलर और फार्मा कंपनियां आज भी लोगों की अनभिज्ञता और मजबूरी का फायदा उठा रही हैं। इसका प्रभाव दवा अनुसंधान की विश्वसनीयता पर पड़ रहा है। बीमारियों से बचाने के लिए नई दवाओं का निर्माण जरूरी है और इनका परीक्षण भी, लेकिन इसके लिए जो भी प्रक्रिया अपनाई जाए, वह पूरी तरह से वैध होनी चाहिए। लोगों की मजबूरी और अज्ञानता का फायदा नहीं उठाया जाना चाहिए। लोगों की जान से खिलवाड़ करना अपराध है। ऐसे मामले में कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। इसलिए सभी अनैतिक दवा परीक्षण मामलों में कानूनी करवाई और दोषियों की सजा के साथ ही साथ पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी और जवाबदेह बनाने की मांग को लेकर स्वास्थ्य अधिकार मंच और अन्य समूह संघर्षरत हैं।

आपकी बात

आमजन को प्रशिक्षण देना चाहिए

गर्मी के दिनों में आग लगने की घटनाओं में वृद्धि होना आम बात है। आग पर कैसे काबू पाया जा सकता है? इस संबंध में जन जागरूकता जरूरी है। लोगों को प्रशिक्षित किया जाना चाहिए कि ऐसी आपात स्थिति में क्या सावधानी रखें, किन बातों का ध्यान रखें। प्रशासन व आमजन के सामूहिक प्रयास से आग की घटनाओं पर काबू पाया जा सकता है।

- **अमला श्वेता**, भोपाल

patrika.com पर पढ़ें

पाठकों की अन्य प्रतिक्रियाएं

इसे स्कैन करें

पत्रिकायन का सवाल था, 'गर्मी में आग लगने की घटनाओं को किस तरह रोका जा सकता है?' ऑनलाइन भी देखें।
rb.gy/63coe9

आज का सवाल

क्या आप मानते हैं स्कूल-कॉलेजों में मूलभूत कानूनी शिक्षा भी दी जानी चाहिए?

ईमेल करें
edit@epatrika.com

वर्ल्ड एथलेटिक्स दिवस पर विशेष : खिलाड़ियों में प्रतिभा, सपोर्ट और प्रशिक्षण मिले तो पहुंचेंगे इंटरनेशनल इवेंट में

36 खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचे, अब इंटरनेशनल खेलने का इंतजार

दिनेश कुमार
patrika.com

रायपुर. छत्तीसगढ़ में एथलेटिक्स के कई प्रतिभावान खिलाड़ी हैं, जरूरत उन्हें उच्चस्तरीय प्रशिक्षण देने की है। प्रदेश में एथलेटिक्स की सुविधाएं तो बढ़ी है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षक न होने और प्रशासनिक उदासीनता के कारण खिलाड़ी आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं। वर्तमान में प्रदेश के 36 सीनियर खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पहुंच चुके हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं मे हमारे खिलाडिय़ों की प्रतिभागिता शून्य है। 150 पदक वाले एथलेटिक्स में प्रतिभाएं निकालने के लिए दीर्घकालीन योजना न होने और अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षकों के कमी के कारण अब तक न तो नेशनल गेम्स में खिलाड़ी पदक जीत पाए हैं, न ही अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी नहीं निकल पा रहे हैं।

■ सुविधाएं बढ़ीं, लेकिन उच्चस्तरीय प्रशिक्षक न होने से पिछड़ रहे खिलाड़ी

■ सर्वाधिक पदकों वाले खेल में अब तक नहीं मिले अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी

अकादमी खुलने के बाद जूनियर प्रतिभाएं निखरने लगी

कुल इवेंट	24 बालक, 24 बालिका
कुल पदक	24 स्वर्ण, 24 रजत, 24 कांस्य (महिला-पुरुष मिलाकर 144)
एथलेटिक्स ट्रैक	3 अंतरराष्ट्रीय स्तर के
सरकारी अकादमी (प्रशिक्षक-2)	1 बिलासपुर (आवासीय-21 खिलाड़ी) 1 रायपुर (गैर आवासीय- 35 खिलाड़ी)
संघ के ट्रेनिंग सेंटर	50-60, प्रशिक्षक 44 (एनआईएस-20)
कुल खिलाड़ी	400 राज्य स्तरीय, 36 राष्ट्रीय स्तर के

प्रदेश के बढ़ रहे ये खिलाड़ी

अमित कुमार, विजय कुमार, सोनिका राजवाड़े, दामिनी, निधि, विमला पटेल, भूनेश्वरी निषाद, पूजा पांडेय, सुनिति निषाद, पूर्णिमा ठाकुर, महेंद्र तिवारी। तार्णिका तेता पदक जीतकर खेलो इंडिया सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बेंगलूरु के लिए चयनित।

पदक जीतने के टारगेट सेट नहीं

प्रदेश में तीन अंतरराष्ट्रीय स्तर के एथलेटिक्स स्टेडियम हैं। इसके अलावा छत्तीसगढ़ एथलेटिक्स संघ के विभिन्न जिलों में करीब 60 ट्रेनिंग सेंटर संचालित हैं। लेकिन इन सेंटरों में प्रशिक्षकों ने कोई टारगेट सेट नहीं किया, कि कब तक अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी निकल सकते हैं। यह कारण है कि हमारे एथलेटिक्स खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर के नहीं बन सके।

टस है ना मस है जी, जिद है तो जिद है जी

स्वामी विवेकानंद स्टेडियम में हाइजंप व दौड़ की प्रैक्टिस करते खिलाड़ी। इन दिनों खिलाड़ी जमकर पसीना बहा रहे हैं। कोटा स्टेडियम में डे-बोर्डिंग अकादमी है।

खिलाड़ियों को कंफर्ट जोन में रहना पसंद

बहतराई बिलासपुर में हाई परफॉर्मेंस कोच के तौर अकादमी में प्रशिक्षण दे रहे द्रोणाचार्य अवार्डी जसविंदर सिंह भाटिया ने अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी नहीं निकलने के कई कारण बताएं।

- स्थानीय खिलाड़ी रिस्क लेने से डर रहे। कंफर्ट जोन ज्यादा पसंद।
- सरकार खेल प्रति उदासीन, खेल व खिलाड़ी प्राथमिकता नहीं।
- अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षकों की कमी। प्रशिक्षकों का कम वेतन ।
- स्पोर्ट्स के जरिए बनने वाले कॅरियर की जानकारी का अभाव।
- ट्रेनिंग सेंटर अच्छे मौसम वाली जगह पर नहीं होना।

कमी दूर करना जरूरी

- प्रशिक्षकों की व्यवस्था, सेंटर सुहावने मौसम वाले जगहों पर बने।
- स्कूलों में प्रतिभा खोज जैसी योजनाएं चलाई जाएं।
- खिलाड़ियों को प्राथमिकता में रखें और सकारात्मक सपोर्ट करें।
- बच्चों तक स्पोर्टस के जरिए बनने वाले कॅरियर की जानकारी पहुंचाएं।

भिंभौरी के मुख्य नपा अधिकारी निलंबित

रायपुर@पत्रिका. नगरीय प्रशासन विभाग ने विभागीय कार्यों में रूचि नहीं लेने के कारण दुर्ग जिले के भिंभौरी नगर पंचायत के प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीनिवास द्विवेदी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया हैं। विभागीय क्षेत्रीय संयुक्त संचालक कार्यालय, दुर्ग से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी के विरुद्ध निलंबन की कार्रवाई की गई है। निलंबन अवधि में श्रीनिवास द्विवेदी का मुख्यालय नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के क्षेत्रीय संयुक्त संचालक कार्यालय, दुर्ग नियत किया गया हैं।

बारिश आंधी से हुई क्षति का मुआवजा दे सरकार : कांग्रेस

रायपुर@पत्रिका.कांग्रेस ने बेमौसम बारिश आंधी तूफान से हुई क्षति का मुआवजा देने की मांग की है। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा, बेमौसम बारिश आंधी तूफान के कारण सब्जी भाजी, बागवानी करने वाले किसानों की फसल खराब हुई है। लोगों के मकान दुकान टूटे हैं। जान माल की क्षति हुई है, लोग घर से बेघर हो गए हैं। सरकार को बेमौसम बारिश से हुए नुकसान की सर्वे करा कर तत्काल मुआवजा राशि पीड़ित पक्ष को देना चाहिए। ठाकुर ने कहा, दुर्भाग्य की बात क्षतिपूर्ति की मुआवजा देने सरकार अब तक इस दिशा में कोई कार्य शुरू नहीं की हैं। जिला प्रशासन भी स्थानीय स्तर पर बेमौसम हुई बारिश के नुकसान का आकलन करने के लिए कोई टीम नहीं भेजी हैं। जनता परेशान हैं। कांग्रेस पार्टी मांग करती हैं बेमौसम बारिश और आंधी तूफान से हुई क्षति की मुआवजा देने तत्काल कदम उठाएं।

उल्लास कार्यक्रम की नवाचारी गतिविधि का देशभर में प्रसारण

रायपुर@पत्रिका. केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग के तत्वावधान में एनसीईआरटी द्वारा 7 मई को उल्लास कार्यक्रम के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य में संचालित प्रमुख पहलों और नवाचारी गतिविधियों का केंद्रित चैनल में सीधा प्रसारण किया जाएगा। यह प्रसारण सुबह 11 बजे से 11.30 बजे तक आयोजित होगा, जिसमें प्रदेश में उल्लास कार्यक्रम के नोडल अधिकारी प्रशांत पांडेय विशेषज्ञ वक्ता के रूप में शामिल होंगे। छत्तीसगढ़ में राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण के अध्यक्ष और राज्य के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा उल्लास कार्यक्रम के अंतर्गत अनेक नवाचारी गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है।

मिशन ऑलआउट : बस्तर के नक्सलियों का पसंदीदा समर्पण स्थल बनता जा रहा तेलंगाना?

तेलंगाना में फिर 14 नक्सलियों ने किया सरेंडर, 64 पहले कर चुके

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

जगदलपुर . बस्तर के सीमावर्ती तेलंगाना में बस्तर के नक्सली बड़े पैमाने पर सरेंडर कर रहे हैं। सीमा पार सरेंडर का आंकड़ा अब बढ़ता जा रहा है। मंगलवार को तेलंगाना के भद्रादि कोत्तागुडेम जिले में बस्तर के 14 नक्सलियों ने सरेंडर किया। सरेंडर करने वालों में 13 नक्सली बीजापुर जिले के रहने वाले थे। इससे पहले केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह जब दंतेवाड़ा आए थे, तब अप्रैल के महीने में 64 नक्सलियों ने तेलंगाना में समर्पण किया था। तब भी बस्तर के नक्सलियों ने वहां समर्पण किया था। नक्सली सूत्रों के मुताबिक सीमा पर बढ़ते समर्पण का मुख्य कारण तेलंगाना की समर्पण नीति का छत्तीसगढ़ से बेहतर होना है। इसके अलावा नक्सली वहां समर्पण करना इसलिए चुनते हैं क्योंकि वहां के माहौल को वे सुरक्षित बताते हैं। बस्तर में समर्पण के बाद भी उनके मन में भय रहता है। तेलंगाना में उन्हें ज्यादा महत्व मिलता है। वहां की पुलिस बेहतर तरीके से उपयोग करती है। जबकि छत्तीसगढ़ में सरेंडर के बाद सिर्फ डीआरजी में शामिल होने व अन्य काम का विकल्प दिया जा है।

बस्तर में सरेंडर के बाद लौटना मुश्किल

छत्तीसगढ़ की सरकार ने इसी साल नक्सल समर्पण नीति में संशोधन किया है। नक्सलियों को समर्पण के बाद ज्यादा से ज्यादा लाभ देने की कोशिश की जा रही है। लेकिन बस्तर के नक्सली वहां समर्पण करना ज्यादा सुरक्षित मान रहे हैं। समर्पण के बाद नक्सलियों ने इस बात को खुद स्वीकारा है बस्तर में वापस गांव लौटना भी संभव नहीं होता। बता दें कि बस्तर में कई पूर्व नक्सलियों की अपने गृहग्राम लौटने पर हत्या हो चुकी है।

इन्होंने किया सरेंडर

सोढ़ी बुदरा, पामेड़ बीजापुर
पदम नंदे, पुजारी कांकेर बीजापुर
माड़वी जोगा, पामेड़ बीजापुर
कुंजाम कोसा, पामेड़ बीजापुर
लेकाम सुकराम, गंगालुर बीजापुर
पोडियाम हिड़मा, पामेड़ बीजापुर
माड़वी मंगा, पामेड़ बीजापुर
कड़िती नंदे, पामेड़ बीजापुर
कुरसाम, उसूर बीजापुर
माड़वी कामा, उसूर बीजापुर
नुप्पु लखमा, उसूर बीजापुर
पोडियाम जोगा, उसूर बीजापुर
माड़वी सहदेव, उसूर बीजापुर
कलमा, भद्रादि कोत्तागुड़ेम

करेंगुट्टा ऑपरेशन : महिला नक्सली ढेर

बीजापुर . जिले के उसूर थाना क्षेत्र में चल रहे करेंगुट्टा ऑपरेशन के 14वें दिन सुरक्षाबलों को एक और बड़ी सफलता हाथ लगी है। सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में एक महिला नक्सली को ढेर कर दिया और उसके पास से 303 रायफल बरामद की है। अब तक इस अभियान के 13 दिनों में कुल चार नक्सलियों के शव बरामद किए जा चुके हैं, जिनके पास से हथियार भी जब्त किए गए हैं। सूत्रों के अनुसार करेंगुट्टा अभियान के दौरान कई बड़े स्तर के नक्सली या तो मारे गए हैं या गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

तारलागुड़ा के उपसरपंच की गला घोंटकर की हत्या

सुकमा . जिले के जगरगुंडा थाना क्षेत्र के तारलागुड़ा ग्राम पंचायत के उप सरपंच मुचाकी रामा की नक्सलियों ने रस्सी से गला घोंट कर हत्या कर दी। रविवार कों ग्रामीण वेश मे नक्सली बेनपाल गांव मे उपसरपंच के घर पहुंचे और मुचाकी रामा कों घर से पकड़ कर अपने साथ ले गए। तब से वे लापता थे, मृतक मुचाकी रामा क्षेत्र मे काफ़ी लोकप्रिय थे वे निर्विरोध उप सरपंच निर्वाचित हुए थे। कोंटा एएसपी आकाश राव ने बताया कि उपसरपंच मुचाकी रामा की अज्ञात नक्सलियों द्वारा हत्या किए जाने की सूचना मिली थी जिस पर तत्काल पुलिस भेजी गई थी।

6 वरिष्ठ अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस

मुख्यमंत्री के निर्देश पर तीन आबकारी सर्किल के प्रभारी अधिकारी निलंबित

रायपुर@पत्रिका. मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर आबकारी विभाग ने अवैध शराब के परिवहन, संग्रहण और कारोबार पर रोक लगाने में लापरवाही और उदासीनता बरतने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई शुरू कर दी है। राज्यस्तरीय उड़नदस्ते के औचक निरीक्षण में बलौदाबाजार, महासमुंद और राजनांदगांव जिले में अवैध शराब का मामला पकड़ में आने पर तीन सर्किल अधिकारियों को निलंबित करने के साथ ही आबकारी विभाग के 6 वरिष्ठ अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी कर उनसे जवाब-तलब किया गया है।

आबकारी आयुक्त से प्राप्त जानकारी के अनुसार, अवैध शराब के कारोबार पर रोक लगाने के मामले में लापरवाही और उदासीनता बरतने के मामले में बलौदाबाजार जिले के वृत्त प्रभारी मोतिन बंजारे को निलंबित करने के साथ ही जिला आबकारी अधिकारी गजेन्द्र सिंह, सहायक आबकारी अधिकारी एवं मंडल प्रभारी जलेस सिंह को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। राज्यस्तरीय उड़नदस्ते ने बलौदाबाजार जिले के ग्राम बनसांकरा में अप्रैल में की गई छापामार कार्रवाई में मध्यप्रदेश राज्य की 104 पेटी विदेशी मदिरा जब्त की गई थी। इस मामले में उक्त अधिकारियों को प्रथम दृष्टया दोषी मानते हुए यह कार्रवाई की गई है। इसी प्रकार 3 मई 2025 को महासमुंद जिले के बागबाहरा में 14 पेटी देशी शराब, 8 पेटी गोवा, 14 पेटी ओडिशा राज्य की बीयर एवं 13 नग विदेशी मदिरा की जब्ती के मामले में वृत्त बागबाहरा के प्रभारी मुकेश कुमार वर्मा को निलंबित कर दिया गया है। जबकि वहां पर जिला आबकारी अधिकारी निधिश कोष्ठी एवं मंडल प्रभारी उत्तम बुद्ध भारद्वाज को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

राजनांदगांव जिले के आबकारी वृत्त डोंगरगढ़ स्थित ग्राम करवारी लतमरा मार्ग के एक फार्म हाउस में पुलिस द्वारा की गई छापामार कार्रवाई में 432 पेटी विभिन्न ब्रांड की विदेशी शराब और भारी मात्रा में खाली बोतल, ढक्कन, लेबल और 4 हजार नग होलोग्राम जब्त किया गया था। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए वृत्त डोंगरगढ़ के प्रभारी अनिल कुमार सिंह को निलंबित कर दिया गया है, जबकि राजनांदगांव के तत्कालीन सहायक आबकारी आयुक्त यदुनंदन राठौर एवं मंडल प्रभारी संदीप सहारे को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब-तलब किया गया है।

पश्चिम बंगाल के नदिया जिले के कॉलेज में प्रवेश का दिया था झांसा

एमबीबीएस में दाखिले के नाम 5 लाख की ठगी करने वाला किशानु बिलासपुर से गिरफ्तार

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

रायपुर . पश्चिम बंगाल के नदिया के जेएमएन कॉलेज में एमबीबीएस में दाखिले के नाम पर 5 लाख की ठगी करने वाला आरोपी किशानु दास (33) की गिरफ्तारी हो गई है। पुलिस ने किशानु को बिलासपुर के रॉयल टाउन कॉलोनी सीपत रोड वार्ड सरकंडा में गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार सुब्रतो मुखर्जी (49) प्रोफेसर कॉलोनी निवासी ने एसीपी कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी। जिसकी जांच में पाया गया कि शिकायतकर्ता की पुत्री आयुषी मुखर्जी ने 2023 में नीट की परीक्षा में 412 अंक हासिल किए थे। यह अंक सरकारी कॉलेज में प्रवेश के लिए पर्याप्त नहीं थे।

आर्थिक हालत का उठाया फायदा: छत्तीसगढ़ के गैर सरकारी कॉलेज की फीस 65 लाख रुपए थी। प्रार्थी की आर्थिक स्थिति इसके अनुकूल नहीं थी। आरोपी किशानु दास ने सुब्रतो मुखर्जी से फोन पर संपर्क करके पश्चिम बंगाल के कुछ कॉलेजों में 60 से 65 लाख रुपए फीस होना बताया, उनकी हैसियत से ज्यादा था। इस पर आरोपी ने पश्चिम बंगाल के नदिया जिले के जेएमएन कॉलेज की पूरी फीस हॉस्टल सहित कुल 48 लाख रुपए में प्रवेश करवा कर देने का आश्वासन दिया। इसके बाद आरोपी के कहने पर मुखर्जी ने 500000 रुपए ट्रांसफर कर दिए।

पीड़ित ने किया 36 लाख रुपए का भुगतान

पीड़ित ने नवंबर 2023 से नवंबर 2024 तक 36 लाख का भुगतान कर दिया था। शेष 12 लाख का भुगतान साढ़े तीन साल में करना था। आरोपी कॉलेज में 48 लाख की देय राशि प्रवेश नहीं करवा पाया और लगातार आश्वासन देते रहा कि कॉलेज की फीस काम करवा देगा। कॉलेज प्रबंधन अब 86 लाख रुपए की मांग कर रहा है। इस पर पीड़ित ने छल करके कॉलेज में कम फीस में एडमिशन कराने का आश्वासन देकर धोखाधड़ी की रिपोर्ट पुरानी बस्ती में दर्ज कराई।

डिप्टी सीएम साव ने बुनियादी सुविधाओं से लेकर कार्ययोजना साझा की

निकायों के अध्यक्षों को समझाया स्वच्छ, सुंदर और सुविधापूर्ण शहर का रोडमैप

रायपुर@पत्रिका. शहरों के विकास के लिए राजधानी में दूसरे दिन भी मैराथन मंथन हुआ। इसमें नगर पालिका परिषद और नगर पंचायत क 178 अध्यक्षों के साथ अधिकारी भी शामिल हुए। इसमें उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने नगर सुराज संगम में भी प्रशिक्षण की कमान खुद संभाली। उन्होंने कहा, पीपीटी के जरिए शहरों के विकास एवं जनसुविधाएं विकसित करने का रोडमैप समझाया। साथ ही सभी से सीधे संवाद कर अगले पांच वर्षों की कार्ययोजना पर चर्चा की।

डिप्टी सीएम साव ने डेढ़ घंटे के अपने प्रजेंटेशन में अटल विश्वास पत्र के प्रमुख बिंदुओं, नगरीय निकायों की चुनौतियों, नागरिकों की अपेक्षाओं, निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी, स्वच्छता एवं साफ-सफाई, कचरा प्रबंधन, निर्माण कार्यों की गुणवत्ता एवं सुरक्षा, शहरी वानिकी, शहरी परिवहन, स्ट्रीट लाइटिंग, कर संग्रहण और सिटी डेवलपमेंट प्लान के विभिन्न आयामों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा, आप लोग शहर के प्रथम नागरिक हैं, आपका शहर आपका घर है। शहरवासियों को अपना परिजन मानते हुए उनकी चिंता करें, उनकी बेहतरी के लिए काम करें।

शहर का विकास, साफ-सफाई और जनसुविधाएं विकसित करना आपकी जिम्मेदारी हैं। उन्होंने कार्यशाला में सहभागिता कर रहे सभी लोगों से पूरे मनोयोग से कार्यशाला में मौजूद रहने को कहा। यहां सिखाई जा रही बातों को एकाग्रता और तन्मयता से आत्मसात करने को कहा।

बड़ी राहत : मनेन्द्रगढ़ कर दिया गया था स्थानांतरण

हाईकोर्ट ने निरस्त किया जांजगीर जिला अस्पताल के डॉ.संदीप साहू का स्थानान्तरण

जांजगीर-चांपा @ पत्रिका. जिला अस्पताल जांजगीर में पदस्थ चिकित्सा अधिकारी डॉ. संदीप साहू के स्थानांतरण आदेश को हाईकोर्ट ने निरस्त कर दिया हैं। बीते 28 अप्रैल को राज्य सरकार के द्वारा आदेश जारी कर डॉ. संदीप साहू का स्थानांतरण एमसीबी जिला के खडगंवा स्वास्थ्य केंद्र में कर दिया गया था। आदेश के विरुद्ध उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका लगाई गई थी। बता दें कि जिला अस्पताल जांजगीर में सिविल सर्जन और डॉक्टरों और स्टॉफ के बीच लंबे समय तक विवाद चलने के बाद राज्य सरकार के द्वारा सिविल सर्जन डॉ. दीपक जायसवाल के अलावा जिला अस्पताल में पदस्थ तीन डॉक्टरों का भी ट्रांसफर आदेश जारी कर दिया गया था। जारी आदेश में सिविल सर्जन डॉ. जायसवाल को गृह जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ और जिला अस्पताल में पदस्थ डॉ. संदीप साहू, डॉ. इकबाल हुसैन और डॉ.विष्णु पैंगवार को नारायणपुर-सुकमा, मनेन्द्रगढ़ जिला स्थानांतरण कर दिया गया था। इसकी जानकारी होते ही स्वास्थ्य संगठन में आक्रोश भड़क गया था। संगठन के पदाधिकारियों ने इसे दमनात्मक आदेश बताया था और आदेश के खिलाफ अंत तक लडने की बात कही थी। इधर एमसीबी जिला स्थानांतरण आदेश के विरुद्ध डॉ.संदीप साहू ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से हाईकोर्ट में अपील की, जिस पर 2 मई को आदेश जारी कर हाईकोर्ट ने ट्रांसफर आदेश में फिलहाल रोक लगा दी है।

दो डॉक्टरों की अपील पर सुनवाई शेष

स्थानांतरण आदेश के विरुद्ध डॉ. संदीप साहू के अलावा जिला अस्पताल में पदस्थ डॉ. इकबाल हुसैन और डॉ. विष्णु पैंगवार के द्वारा भी हाईकोर्ट में अपील दायर की है। जिन पर सुनवाई बाकी है। हालांकि डॉ. संदीप साहू के मामले में हाईकोर्ट से डॉक्टरों को बड़ी राहत मिलती नजर आई है। डॉक्टरों के मुताबिक, यह संगठन की एकता की जीत है।

सुशासन तिहार | **कहा- मैं आप लोगों की दुख-तकलीफ जानने आया हूं**

सीएम पहुंचे बेमेतरा के सहसपुर, लिया ग्रामीणों से सीधा फीडबैक

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

रायपुर/बेमेतरा. मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सुशासन तिहार के तीसरे चरण के दूसरे दिन हेलीकॉप्टर से अचानक बेमेतरा जिले के सहसपुर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों से योजनाओं का सीधा फीडबैक लिया। मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों से कहा, मैं आप लोगों के बीच आपकी दुख-तकलीफ जानने आया हूं। अचानक सीएम को देखकर ग्रामीणों ने खुशी में कहा- राम-राम जी गा मुख्यमंत्री जी ! और सदाबहार फूल की माला और चंदन-आरती के साथ उनका स्वागत किया।

मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों से पुराने बरगद की छांव में खाट पर बैठ संवाद किया। उन्होंने लोगों से शासन की योजनाओं प्रधानमंत्री आवास योजना, महतारी वंदन योजना, नल जल योजना, धान खरीदी, स्कूल में बच्चों की शिक्षा सहित अन्य योजनाओं की जानकारी ली। सीएम ने कहा, शुरुआती चरणों में लोगों से उनकी समस्याओं के सम्बंधित आवेदन लिए गए। इन आवेदनों का अधिकारियों द्वारा लगातार निराकरण किया जा रहा है। अब मैं स्वयं आप सभी के बीच सरकार के अधिकारियों के साथ पहुंचा हूं, ताकि आप सीधे मुझ तक अपनी बात पहुंचा सकें।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर का किया निरीक्षण : सीएम ने सहसपुर ग्राम पंचायत स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर का औचक निरीक्षण किया और मरीजों से उनकी स्थिति जानी। मुख्यमंत्री ने मितानिन दीदियों से चर्चा करते हुए संस्थागत प्रसव को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए।

कबीरधाम के दलदली में समाधान शिविर में बच्चे को अन्नप्राशन कराते सीएम।

शिव व हनुमान मंदिर बनेगा पर्यटन स्थल

ग्रामीणों की मांग पर मुख्यमंत्री ने 13वीं-14वीं शताब्दी के प्राचीन शिव व हनुमान मंदिर को पर्यटन स्थल बनाने की घोषणा की। इसके साथ ही गांव में हायर सेकंडरी स्कूल भवन, पावर सब स्टेशन और नल जल योजना के तहत पानी टंकी का भी निर्माण कराया जाएगा। उन्होंने जनचौपाल में कहा कि क्षेत्र के विकास में कमी नहीं की जाएगी। स्थानीय विधायक ईश्वर साहू ने सीएम से साजा विधानसभा क्षेत्र में शुगर मिल और टमाटर सॉस फैक्ट्री खोलने की भी मांग की।

घर-घर पहुंचाएंगे कनई नदी का पानी

सीएम सहसपुर गांव से कबीरधाम जिले के दुर्गम पहाड़ियों पर बसे ग्राम दलदली पहुंचे। मुख्यमंत्री ने कहा, दलदली सहित पूरे वनांचल क्षेत्र में स्थानीय कनई नदी से पेयजल हर घर तक पहुंचाया जाएगा। डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कहा, पीएम आवासों के लिए हमने लंबी लड़ाई लड़ी है और आज इस संघर्ष का सुखद परिणाम नजर आने लगा है।

हाईकोर्ट : आरटीई के तहत प्रवेश में गड़बड़ी पर सुनवाई, रिपोर्ट मांगी

गरीबों की जगह पैसे वालों के बच्चों का एडमिशन, साइट भी हैक, जांच के निर्देश दिए

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

बिलासपुर . शिक्षा के अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत गरीबों की जगह अमीरों के बच्चों का एडमिशन हो रहा है। साइट भी हैक करने की जानकारी सामने आई है। हाईकोर्ट ने प्रकरण में जांच कराने के निर्देश दिए है। आरटीई के अंतर्गत प्रदेश में हो रही गड़बड़ी पर हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि शिक्षा के अधिकार का लाभ पात्र बच्चों को नहीं मिल पा रहा है। इसमें गरीबों की जगह अमीरों के बच्चों का एडमिशन हो रहा है तो साइट भी हैक की जा रही है। हाईकोर्ट के नोटिस के बाद मंगलवार को सुनवाई के दौरान शासन ने कहा कि इस तरह की कोई शिकायत फिलहाल नहीं मिली है। इस याचिका में कहा गया है कि प्रदेश के प्रमुख निजी स्कूलों में कुल सीटों का केवल तीन प्रतिशत ही आरटीई के तहत भरा जा रहा है। इसके साथ ही पिछले एक साल में आरटीई के तहत एडमिशन की संख्या में लगभग सवा लाख की गिरावट आई है। प्रदेश में आरटीई के तहत ईडब्ल्यूएस और बीपीएल वर्ग के बच्चों के सही तरीके से एडमिशन नहीं होने को लेकर हाईकोर्ट ने राज्य सरकार और शिक्षा विभाग से जवाब तलब किया था। कोर्ट ने हाल ही में लागू नए नियमों से आरटीई सीटों में कटौती, एडमिशन में अनियमितता और फर्जी प्रवेश को लेकर भी स्पष्टीकरण मांगा था। हाईकोर्ट ने मामले में टिप्पणी करते हुए कहा है कि आरटीई अधिनियम के तहत स्कूलों में प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त करना बच्चों का मौलिक अधिकार है।

डोनेशन और फीस लेकर भरी जा रहीं सीटें

प्राइवेट स्कूलों में पहली कक्षा के नामांकन में 25% सीटों पर गरीब छात्रों को मुफ्त में नामांकन लेना है, और निशुल्क पढ़ाई कराना है लेकिन गरीब बच्चों के नामांकन में प्राइवेट स्कूल के संचालकों की मनमानी जारी है। घर से 100 मीटर के दायरे में एडमिशन के नियम के आधार पर कई बच्चों को प्रवेश वंचित किया जा रहा है। बड़े निजी स्कूल आरटीई के तहत आने वाले आवेदनों को खारिज कर डोनेशन और फीस लेकर सीटों को भर रहे हैं।

मौसम का मिजाज: आंधी-बारिश के कारण तेज गर्मी से राहत, कई स्थानों पर तापमान 35 से 38 डिग्री के बीच

आज और लीजिए सुहाने मौसम का मजा, कल से फिर उमस भरी गर्मी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. राजधानी सहित प्रदेश भर में इन दिनों तेज हवा, गरज चमक के साथ बारिश की स्थिति बन रही है। पिछले 24 घंटों में सुबह 8:30 बजे तक 20 से अधिक स्थानों पर बारिश हुई है, वहीं मंगलवार को दोपहर बाद भी अनेक स्थानों पर तेज हवा, गरज चमक के साथ बौछारें, बूंदाबांदी पड़ी है। बुधवार से पूर्वी मप्र में बारिश के दौर में थोड़ी कमी आ सकती है, वहीं गुरुवार के बाद पश्चिमी मप्र में भी कमी आने की संभावना है। इसके बाद मौसम शुष्क होते ही तापमान बढ़ेगा,जिससे उमस भरी गर्मी का सामना करना पड़ सकता है।

अभी पश्चिमी विक्षोभ, राजस्थान में बने ऊपरी हवा के चक्रवात के कारण मौसम का मिजाज बिगड़ा हुआ है। इंदौर में मंगलवार शाम तक फिर 2 इंच बारिश दर्ज की गई, यहां सुबह 8:30 बजे तक 25 मिमी तो शाम 5:30 बजे तक 24 मिमी बारिश दर्ज की गई। भोपाल में भी सुबह 8:30 बजे तक 7 मिमी बारिश दर्ज की गई। शाम को फिर मौसम का मिजाज बदला और तेज हवाओं के साथ शहर के कुछ हिस्सों में बूंदाबांदी हुई। हवा की अधिकतम रफ्तार 58 से 60 मिमी रही।

इंदौर में इतनी बारिश हुई कि सड़कों पर पानी भर गया।

कल के बाद थोड़ी राहत के आसार

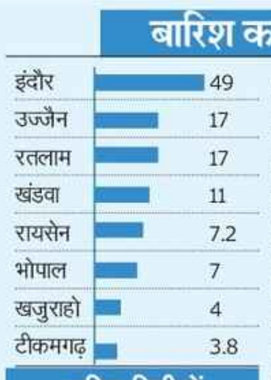

मौसम विज्ञानी वीएस यादव ने बताया, धीरे-धीरे सिस्टम कमजोर हो रहा है। बुधवार से पूर्वी मप्र में बारिश में कमी आ सकती है, वहीं पश्चिमी मप्र में भी गुरुवार के बाद कमी आएगी, सिर्फ गुजरात से सटे हुए जिलों में कुछ स्थानों पर तेज हवा, ओले आदि की स्थिति बन सकती है। बारिश का दौर थमने के बाद तापमानों में बढ़ोतरी होगी।

पत्रिका आईना — विजय चौधरी

सत्ता का गुरूर

जब मंत्री मिजाज से राज करने लगें तो लोकतंत्र का चरित्र घायल होता है। ग्वालियर के एक रेस्तरां में मंत्रीजी को टेबल नहीं मिली और प्रशासन पूरी प्लेट लेकर दौड़ पड़ा। आधी रात को फूड अफसरों की रेड, कर्मचारियों पर धौंसपट्टी, होटल मालिक की पेशी- ये सब कोई 'स्वास्थ्य हितैषी' कदम नहीं, बल्कि सत्तामद में सनी कार्रवाई थी।

यह कोई एक दिन का गुस्सा नहीं, बल्कि उस सोच की स्थायी छाया है, जिसमें कुछ मंत्री खुद को जनप्रतिनिधि नहीं, स्थानीय सम्राट मान बैठते हैं। उनका मिजाज ही कानून होता है और उनकी नाराजगी अफसरों के सिर पर तलवार। समर्थक भीड़ बन जाते हैं। प्रशासन झुकने लगता है।

इधर पार्टी घोषणा कर रही है, 'जो पार्टी लाइन तोड़ेगा, उसे पद और प्रतिष्ठा दोनों से हाथ धोना पड़ेगा।' सवाल उठता है कि क्या ग्वालियर का 'टेबल प्रकरण' पार्टी लाइन की परिधि में नहीं आता? क्या यह सत्ता का दुरुपयोग नहीं? क्या इससे पार्टी की छवि नहीं बिगड़ी?

जब विधायक सदन में सवाल पूछते हैं तो नोटिस भेजे जाते हैं। तो क्या मंत्री पर वही कायदा लागू नहीं होता? या फिर सत्ता का विशेष कार्ड उन्हें कार्रवाई की लंबी कतार से छूट दिला देता है?

भाजपा कहती है, 'ऐसे नेताओं की गोपनीय रिपोर्ट बन रही है।' तो क्या इस 'टेबल कांड' की भी बनेगी? या फिर जो सत्ता की थाली में करीबी है, उसकी फाइलें खुद झुककर सलाम करती रहेंगी? यह दोहरापन लोकतंत्र की जड़ों में दीमक की तरह है।

लोकतंत्र की गरिमा केवल विपक्ष की आवाज से नहीं, सत्ता के अनुशासन से भी बनती है। वरना मंत्री ही अनुशासन को बफे स्टाइल में परोसने लगें तो सत्ताधारी भाजपा की थाली में जनता के लिए क्या बचेगा?

veejay.chaudhary@epatrika.com

एनएचएम ने संविदा कर्मचारियों को दी तबादले की सुविधा

भोपाल@पत्रिका. राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मध्यप्रदेश के तहत संविदा पर कार्यरत कर्मचारियों को भी स्थानांतरण करने की सुविधा दी गई है। लाभ 30 हजार से ज्यादा कर्मचारियों को मिलेगा। संविदा कर्मचारी पोर्टल पर 13 मई तक आवेदन कर सकते हैं। प्रक्रिया बताने मैनुअल जारी किया गया है। अधिकारियों के अनुसार संविदा कर्मचारी अपने एनएचएम आइडी से ही स्थानांतरण के लिए लॉगिन कर सकेंगे। मुख्य कारण का चयन करना होगा। ट्रांसफर जिले में या बाहर किस स्वास्थ्य संस्था में कराना चाहते हैं, यह भी बताना होगा। कर्मचारी अधिकतम पांच विकल्प बता सकते हैं। आवेदन सबमिट हो जाए तो प्रिंट लेकर और हस्ताक्षर कर फिर से पोर्टल में अपलोड करना अनिवार्य है।

लापरवाही पर एक कार्यपालन यंत्री, तीन फर्म पर कार्रवाई

भोपाल@पत्रिका. लोक निर्माण विभाग की मंगलवार को समीक्षा बैठक में 35 निर्माण कार्यों के औचक निरीक्षण की रिपोर्ट पर लापरवाह अधिकारियों और फर्मों पर कार्रवाई की गई। कटनी जिले के सकरीगढ़ में भदौरा स्टेशन मार्ग पर काम नहीं करने पर ठेकेदार मेसर्स फेस एसोसिएट को ब्लैक लिस्ट करने मुख्य अभियंता जबलपुर को निर्देशित किया गया। मंदसौर जिले में मेडिकल कॉलेज भवन निर्माण के काम में कमी पाए जाने पर संबंधित कार्यपालन यंत्री को नोटिस और गुजरात की फर्म जेपी स्ट्रक्चर्स को ब्लैकलिस्ट किया गया। मंदसौर जिले की सीएचसी में गुणवत्ता की कमी पाए जाने पर ओम कंस्ट्रक्शन, सूरत के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

बैठक के दौरान मंत्री राकेश सिंह ने निर्देशित किया कि बारिश से पहले सभी सड़कों की मरम्मत पूरी हो जाए। जिन सड़कों पर परफॉर्मेंस गारंटी है, उनके मेंटेनेंस के लिए ठेकेदारों को लिखित नोटिस जारी किया जाए।

महिला का ₹ 1.40 लाख में किया सौदा, जबरन कराई शादी

शहडोल@पत्रिका. जिले की सीधी पुलिस ने मानव तस्करी व दुष्कर्म करने वाले दो आरोपियों को राजस्थान से गिरफ्तार किया है। पीड़िता को राजस्थान के झालावाड़ से बरामद किया है। पुलिस ने बताया, सीधी क्षेत्र से एक महिला 3 मार्च 2025 को लापता हो गई थी। पुलिस ने एक अप्रेल को पीड़िता से पूछताछ की तो तस्करी की बात सामने आई। पूछताछ में बताया, गोकुल सिंह निवासी हरनवदा राजस्थान ने उसे बहला-फुसलाकर उज्जैन बुलाया और साथी जगदीश लाल निवासी वालदा के साथ मिलकर जगदीश मेघावल निवासी सेमली को 1.40 लाख में बेच दिया। जगदीश ने महिला से अपने जीजा फूलचंद की मदद से जबरन शादी की। फूलचंद के घर दुष्कर्म किया।

कैबिनेट बैठक में तीन अहम प्रस्तावों को मंजूरी

48 साल बाद पचमढ़ी को विकास की आजादी, पेंशनर्स की जल्द सुनवाई वाला प्रकोष्ठ बनेगा

नक्सलवाद के खात्मे के लिए पहली बार 850 विशेष सहयोगियों की होगी भर्ती

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. हिल स्टेशन पचमढ़ी को 48 साल बाद विकास की आजादी मिली है। नजूल की 395.931 हेक्टेयर जमीन पचमढ़ी वन्यजीव अभयारण्य से बाहर की जाएगी। इसमें बड़ा हिस्सा पचमढ़ी विशेष क्षेत्र और कुछ हिस्सा निजी जमीन का है जिस पर अभयारण्य के नियमों के तहत विकास से जुड़े काम करने पर रोक थी। बड़े प्रोजेक्ट को गति नहीं मिल पा रही थी। अब इस जमीन पर विकास हो सकेगा। प्रदेश में पेंशनरों की जल्द सुनवाई होगी, यह काम राज्य स्तरीय पेंशन प्रकोष्ठ करेगा। अब तक संभाग व जिला पेंशन कार्यालय सुनवाई होती थी, जिनमें कई बार देरी हो जाती थी, जो नहीं होगी।

बालाघाट, मंडला, डिंडोरी में नक्सलियों के खात्मे के लिए नई रणनीति के तहत पहली बार 850 विशेष सहयोगियों की भर्ती की जाएगी। इन्हें हर महीने 25 हजार रुपए मिलेंगे। ये नक्सल मूवमेंट पर नजर रखकर पुलिस को आगाह करेंगे। सीएम डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में इन अहम प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

कोर्ट की अनुशंसा पर बाहर किए 11 गांव

पचमढ़ी अभयारण्य का गठन 1 जून 1977 को किया था। तब नजूल व कुछ निजी रकबे को भी अभयारण्य में शामिल कर लिया था। यह मामला संज्ञान में आने पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय साधिकार समिति को नजूल व निजी भूमियों को बाहर करने संबंधी अनुशंसा करने के निर्देश दिए थे। समिति ने अगस्त 2014 में नजूल क्षेत्र व अभयारण्य की सीमा पर स्थित 11 गांवों को बाहर करने व 28 गांवों को सीमा के अंदर रखने की अनुशंसा की।

जिस पर कार्रवाई करते हुए मोहन सरकार ने 395.931 हेक्टेयर नजूल क्षेत्र को बाहर करने का निर्णय लिया है।

खत्म होंगे संभाग व जिला पेंशन कार्यालय

वर्तमान में संचालित संभाग व जिला पेंशन कार्यालय 2 साल तक काम करते रहेंगे, जैसे ही राज्य स्तरीय पेंशन प्रकोष्ठ पूरी तरह कार्यशील हो जाएगा तो ये संभाग और जिला कार्यालय खत्म कर दिए जाएंगे। प्रदेश पेंशन प्रकोष्ठ पूरी तरह ऑनलाइन होगा। इस पर राज्य सरकार लगभग पांच करोड़ रुपए खर्च करेगी।

मंत्रियों को दी जानकारी: सीएम ने मंत्रियों को जानकारी दी कि अगला कृषि उद्योग समागम नरसिंहपुर में 26 मई को करेंगे। किसान आधारित उद्योगों, नवाचारों को स्थान दिया जाएगा। सरकार हर हाल में किसानों की स्थिति बेहतर से बेहतर करना चाहती है। इसमें प्रदेश की भलाई भी है।

बैठक में इन प्रस्तावों को भी मंजूरी

- पेरिस में आयोजित पैरा ओलम्पिक में मप्र की रूबिना फ्रांसिस ने शूटिंग में कांस्य पदक एवं कपिल परमार ने ब्लाइंड जूडो में कांस्य पदक जीता था। दोनों को 1-1 करोड़ दिए जाएंगे। पूर्व में 50-05 लाख दिए गए हैं। अब 50-50 लाख और दिए जाएंगे।
- नए जिले मऊगंज, मैहर एवं पांढुर्णा में खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के तहत जिला आपूर्ति अधिकारी कार्यालय और निवाड़ी, मऊगंज, मैहर एवं पांढुर्णा में नाप-तौल कार्यालय खोले जाएंगे। तीन जिलों में जिला आपूर्ति अधिकारी कार्यालय के लिए 16 और 4 जिलों में नाप-तौल कार्यालय के लिए कुल 13 पद सृजित कर भर्तियां होंगी।
- मऊगंज, मैहर और पांढुर्णा में जिला आपूर्ति अधिकारी का 1-1 पद, सहायक आपूर्ति अधिकारी के 1-1 पद, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी के मऊगंज में 2 और मैहर, पांढुर्णा में 1-1 पद, लेखापाल का 1-1 पद एवं भृत्य का 1-1 पद स्वीकृत।
- नाप-तौल कार्यालय के लिए निवाड़ी, मऊगंज, मैहर एवं पांढुर्णा में निरीक्षक का 1-1 पद, सहायक ग्रेड-3 के 1-1, श्रम सहायक के मऊगंज में 2 पद एवं मैहर, पांढुर्णा और निवाड़ी में 1-1 पद की मंजूरी।
- रिटायर्ड अवर सचिव प्रदीप शुक्ला को विधिक सलाहकार, रिटायर्ड सहायक अनुभाग अधिकारी महेश गुरमलानी, रिटायर्ड जमादार बद्री प्रसाद पाठक को एक-एक वर्ष के लिए संविदा नियुक्ति दी जाएगी।

आठ राज्यों में दर्ज हैं 64 प्रकरण

2.45 करोड़ की धोखाधड़ी में पूर्व बिशप सिंह कर्नाटक से गिरफ्तार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. 2.45 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के आरोपित जबलपुर के बर्खास्त बिशप पीसी सिंह को आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ की टीम ने कर्नाटक के मंगलोर से गिरफ्तार किया है। उससे पूछताछ की जा रही है। ईओडब्ल्यू के मुताबिक सिंह को कोर्ट में पेश किया जाएगा। वहीं इस मामले का एक आरोपित फरार है।

ईओडब्ल्यू ने अप्रेल में सिंह के खिलाफ केस दर्ज किया था। ईओडब्ल्यू के मुताबिक एनडीटीए की भूमि पर स्थापित बार्स्लेय स्कूल कटनी की 0.022 हेक्टयर भूमि है। जिसका रेलवे द्वारा अधिग्रहण कर 2.45 करोड़ रुपए दिए गए थे, लेकिन सिंह ने एनडीटीए को जानकारी दिए बिना फर्जी खाता खोलकर अवैध रूप से आर्थिक लाभ लिया। पूर्व बिशप सिंह की आपराधिक पृष्ठभूमि रही है। उसके खिलाफ दिल्ली, यूपी, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र छत्तीसगढ़, झारखंड, पंजाब एवं हरियाणा में 64 मामले पंजीबद्ध हैं।

फर्जी तरीके से तैयार किया अधिकार पत्र

ईओडब्ल्यू की जांच में प्रमाणित हुआ है कि भूमि अधिग्रहण की मुआवजा राशि गबन के लिए एनडीटीए के चेयरमैन पॉल दुपारे के साथ साजिश रचकर पीसी सिंह ने फर्जी दस्तावेज तैयार करवाए। एडीटीए का अधिकार-पत्र तैयार कर मुआवजा राशि को 16 जनवरी 2021 को एनडीटीए के खातों में ट्रांसफर न कर बोर्ड ऑफ एजुकेशन सीएनआई जबलपुर डायोसिस के खातों में ट्रांसफर किया गया। जबकि नियम के मुताबिक चैरिटी कमिश्नर की अनुमति के बगैर ट्रस्ट की भूमियों को विक्रय एवं उसके बदले मुआवजा राशि प्राप्त नहीं की जा सकती है।

सीधी: पूरा गांव कर रहा शिक्षक की सराहना

शिक्षक ने अनाथ को पाला, अब बेटी की तरह किया कन्यादान

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सीधी. जीवन की शुरुआत में माता-पिता का साया सिर से उठ जाए तो भविष्य अंधकारमय हो जाता है। ऐसे में कुछ लोग फरिश्ते की तरह आते हैं और समाज के लिए मिसाल बन जाते हैं। कुछ ऐसा ही हुआ ललिता कोरी के साथ। बड़खरा (चुरहट) में जन्मी दो साल की ललिता ने बचपन में ही माता-पिता को खो दिया। ऐसे में पड़ोस में रहने वाले शिक्षक पुष्पराज सिंह ने न केवल ललिता, बल्कि उसके बड़े भाई और छोटी बहन को भी घर में शरण दी।

तीनों की परवरिश की। जब ललिता विवाह के योग्य हुई तो पुष्पराज ने धूमधाम से शादी सीधी के पड़रा निवासी गोपाल कोरी से कराई। बढ़ौरा शिवमंदिर, में विवाह हुआ। विदाई के वक्त पूरे गांव के लोगों की आंखें नम थीं। पुष्पराज ने मानवीय दायित्वों के साथ ही सामाजिक समरसता भी पेश की है। दलित परिवार के बच्चों को संतान की तरह पाला। उन्हें कभी कोई कमी नहीं होने दी। शिक्षक के साथ ही आत्मनिर्भर बनाने सिलाई-कढ़ाई सहित कौशल उन्नयन के अन्य प्रशिक्षण दिलाए।

खंडवा: एक बार फिर महादेवगढ़ मंदिर दो अनूठे विवाह का बना साक्षी

निषात बनी मेघना तो अमरीन कहलाएगी अनुष्का, दोनों ने हिन्दू रीति से की शादी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

खंडवा. महादेवगढ़ मंदिर एक बार फिर दो अनोखे विवाह का गवाह बना है। अपने प्रेम के लिए दो युवतियों ने अपने धर्म का त्याग कर हिन्दू समाज के दो युवकों से शादी की। हिंदू रीति रिवाज से भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना कर एक दूसरे का हाथ थामा है। सोमवार को महादेवगढ़ मंदिर पर छत्तीसगढ़ की निषात शेख सनातन धर्म अपनाकर मेघना बन गई।

मेघना ने छत्तीसगढ़ के ही कमलजीत सिंह मेहरा से सनातन पद्धति से विवाह किया। साथ ही जसवाड़ी बेड़िया की अमरीन खान ने भी हिंदू धर्म अपनाकर अनुष्का बन सनातन पद्धति से शुभम राजपूत तलवाडिया से विवाह किया। मंदिर में पंडित राजेश पाराशर द्वारा सनातन वैदिक पद्धति से दोनों जोड़ों का विवाह करवाया है।

इस विवाह में महादेवगढ़ मातृशक्ति की सृष्टि दुबे, हरीश असवानी, विशाल पासी, महादेवगढ़ संरक्षक अशोक पालीवाल उपस्थित रहे। महादेवगढ़ संरक्षक पालीवाल ने बताया कि इस वर्ष अब तक आठ बेटियों ने महादेवगढ़ मंदिर पर अपने योग्य वर्ग का चयन कर सनातन धर्म में प्रवेश किया है।

वक्फ संपत्ति से जुड़े मामलों में शामिल 2000 लोगों को बोर्ड ने जारी किए नोटिस

कलाम के नाम से बनेगा वक्फ बोर्ड का नया भवन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. राजधानी में स्थित 150 वर्ष पुराने वक्फ बोर्ड के भवन का कायाकल्प होगा। सरकार जगह नया भवन बनाएगी। नाम पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के नाम पर होगा। वक्फ की संपत्ति को गलत तरह से कब्जाने, मामूली राजस्व देकर उसका उपयोग करने वालों से सरकार सख्ती से निपटेगी। सीएम डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार वक्फ सुधार जन जागरण कार्यक्रम में यह बात कही। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण मामलों की राज्यमंत्री कृष्णा गौर ने बताया कि 100% वक्फ संपत्तियों की जियो टैगिंग का काम पूरा कर लिया है। दस्तावेजों को डिजिटल रूप में परिवर्तित कर संधारित कर लिया है। केंद्र ने मध्यप्रदेश के इस नवाचार को सराहते हुए पांच सदस्यीय केंद्रीय कमेटी बनाई है, जिसमें पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के कमिश्नर को सदस्य बनाया है। दूसरे राज्यों का कहा है कि मप्र ने जिस तरह संपत्तियों को डिजिटल रूप में परिवर्तित कर ऑनलाइन किया है, उस तरह के काम दूसरे राज्य में भी करें। मप्र वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सनवर पटेल ने बताया कि वक्फ संपत्तियों से जुड़े मामलों में करीब 2000 लोगों को नोटिस जारी कर चुके हैं। इनमें कब्जा करने के सैकड़ों मामले हैं। कुछ में पाया है कि वक्फ की संपत्ति की बाजार कीमत लाखों, करोड़ों में है, लेकिन मामूली किराया लिया जा रहा है।

सीएम की दो टूक- लापरवाही बरतने वाले पुलिस अफसरों की फील्ड से होगी छुट्टी

भोपाल @ पत्रिका. महिलाओं के खिलाफ प्रदेश में बढ़ते अपराध के मामलों के बीच मंगलवार को सीएम डॉ. मोहन यादव ने कानून-व्यवस्था की समीक्षा बैठक की। सीएम ने उच्च अधिकारियों को निर्देशित किया कि फील्ड में तैनात अगर कोई पुलिस अधिकारी लापरवाही बरत रहा है तो उसकी तत्काल छुट्टी कर दी जाए। जो अधिकारी प्रभारी कार्रवाई नहीं करेंगे वो मैदान में नहीं दिखेंगे। इसी के साथ वीसी द्वारा पुलिस अधीक्षकों को महत्त्वपूर्ण कार्रवाई का नियमित प्रतिवेदन देने के निर्देश दिए गए।

सीएम ने कहा कि शिक्षा केंद्रों पर विशेष निगरानी आवश्यक है। स्कूल-कॉलेजों में अराजक तत्वों की शिकायत शिक्षक-शिक्षिकाएं तत्काल नजदीकी थाने में करें। छेड़खानी करने वाले युवकों को बिल्कुल नहीं बख्शा जाए। इस दौरान डीजीपी कैलाश मकवाना, स्पेशल डीजी प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव ने महिला अपराध नियंत्रण को लेकर प्रेजेंटेशन दिया।

पेज एक का शेष

टैरिफ वार...

स्टार्मर ने कहा कि इससे ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था को अधिक सशक्त और सुरक्षित बनाया जा सकेगा। ब्रिटेन द्वारा यूरोपीय संघ छोड़ने के बाद किया गया यह सबसे बड़ा सौदा है। प्रधानमंत्री मोदी से बातचीत के दौरान स्टार्मर पहलगाम हमले पर भी चिंता जाहिर की और संवेदना प्रकट की। मोदी ने स्टार्मर को भारत आने का निमंत्रण दिया है, जिसे प्रधानमंत्री ने सहर्ष स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि वे जल्द से जल्द भारत आने के लिए उत्सुक हैं।

क्या है फ्री ट्रेड एग्रीमेंट: फ्री ट्रेड एग्रीमेंट दो या दो से अधिक देशों के बीच एक व्यवस्था है, जिसके तहत वे अपने बीच व्यापार वाली अधिकतम वस्तुओं पर सीमा शुल्क को या पूरी तरह समाप्त करने या कम करने पर सहमत होते हैं। दुनियाभर में वर्तमान में 350 से अधिक एफटीए लागू हैं। अधिकांश देशों ने एक या अधिक ऐसे समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। इन समझौतों के लिए एफटीए, पीटीए या आरटीए जैसे शब्दों का प्रयोग किया जाता है।

एस्ट्रोनॉट बनना...

वह सिर्फ यह नहीं चाहती थीं कि मैं शिक्षित बनूं, वह चाहती थीं कि मैं आत्मनिर्भर बनूं। उन्होंने सभी कोशिशों में मेरा साथ दिया। कड़ी चुनाव प्रक्रिया के बाद 2020 में शिवांगी को फ्रांसीसी प्रशिक्षकों के साथ सिम्युलेटर ट्रेनिंग के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया। उसके बाद उन्हें रफाल उड़ाने का मौका मिला। वह कहती हैं, इसकी रेस्पॉन्सिवनेस प्रभावशाली है, कॉकपिट बहुत आरामदायक है।

सीजेआइ के...

उनकी चल संपत्तियों में 1,450 ग्राम (उपहार व विरासत) के कई आभूषण और दो गाड़ियां हैं। वहीं 14 मई को सीजेआइ का पद संभालने वाले जस्टिस बीआर गवई के बैंक अकाउंट्स में 19.63 लाख रुपए और पीपीएफ खाते में 6.59 लाख रुपए हैं। उनकी संपत्ति में साउथ दिल्ली में दो बेडरूम का डीडीए फ्लैट और कॉमनवेल्थ गेम्स विलेज में चार बेडरूम का फ्लैट शामिल है। गुरुग्राम में चार बेडरूम के फ्लैट में भी उनकी 56 फीसदी हिस्सेदारी है। वहीं उनकी बेटी के पास बाकी 44 फीसदी हिस्सा है। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश में विभाजन से पहले के एक पुश्तैनी घर में भी उनकी हिस्सेदारी है। उनके पास अमरावती, मुंबई और दिल्ली में आवासीय अपार्टमेंट भी हैं। उन्हें अमरावती और नागपुर में एग्रीकल्चर लैंड भी विरासत में मिली है। उन्होंने 1.3 करोड़ रुपए की देनदारी भी घोषित की है। इसके अतिरिक्त जजों ने भी अपनी संपत्ति घोषित की है।

आज मॉक ड्रिल...

इससे दोनों देशों के बीच पहले से तनावपूर्ण संबंध और बिगड़ गए हैं। इस पृष्ठभूमि में, भारत सरकार ने राष्ट्रव्यापी नागरिक सुरक्षा अभ्यास (सिविल डिफेंस ड्रिल) शुरू किया है, जो 1971 के भारत-पाक युद्ध के बाद से अब तक की सबसे बड़ी तैयारी मानी जा रही है। ये अभ्यास देशभर के लगभग 300 रणनीतिक स्थलों पर किए जा रहे हैं, जिनमें राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, सैन्य ठिकाने, तेल रिफाइनरियां, जलविद्युत बांध और परमाणु ऊर्जा संयंत्र शामिल हैं। इससे एक दिन पहले मंगलवार को नई दिल्ली और लखनऊ में मॉक ड्रिल का अभ्यास किया गया। सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान और तीनों सेनाओं के प्रमुखों के साथ कई उच्चस्तरीय बैठकें की हैं। बताया जा रहा है कि इन बैठकों में प्रधानमंत्री ने सेना को 'पूर्ण स्वतंत्रता' दी है कि वह पहलगाम हमले का जवाब देने के लिए उपयुक्त सैन्य रणनीति बना सके और उसे लागू कर सके।

अटारी में...

इनमें अफगानिस्तान से ड्राइफ्रूट तो पाकिस्तान से यूएई या दुबई के लेबल लगा कर छुहारे, लहसन, प्याज, कपास, सीमेंट आदि भेजा जा रहा था। अब सन्नाटा है। 'जंग न हो तो अच्छा, हो तो लाहौर छीन लें': अमृतसर में रहने वाले युवा सुखबीर सिंह मानते हैं कि जंग नहीं होनी चाहिए। वे बताते हैं कि सीमा से सटे इलाकों में वैसे हालात होते तो बीएसएफ अटारी बॉर्डर तक नागरिकों का आना-जाना सीमित कर देती। हालांकि वे चाहते हैं कि अगर जंग हो तो इस बार भारत को पाकिस्तान से लाहौर छीन लेना चाहिए। इस पर भारत का हक था जो बंटवारे के वक्त नहीं मिला।

तनाव के बीच जारी बीटिंग द रिट्रीट: भारत जहां पाकिस्तान पर लगातार प्रतिबंध लगा कर दबाव बढ़ा रहा है, वहीं अटारी बॉर्डर पर बीटिंग द रिट्रीट सेरेमनी जारी है। गुजरात से अपने 16 मित्रों और उनके परिजनों के साथ आए हितेश जोशी ने बताया कि सेरेमनी देखने के लिए वे कई साल से इंतजार कर रहे थे। उन्होंने इशारा किया कि बॉर्डर के दूसरी ओर पाकिस्तानी दीर्घा में निर्माण चल रहा है, वहां सेरेमनी देखने के लिए 200 नागरिक भी नहीं आ रहे। इसके मुकाबले जोश से भरे 6 हजार से अधिक भारतीय मौजूद थे।

बनेगा नजीर | **आरई-2 बाधक निर्माण विवाद मामले में हाईकोर्ट का फैसला**

दो लाख में नहीं, अब पट्टेधारियों को मुफ्त देने होंगे फ्लैट

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. आरई-2 के निर्माण में बाधक मकानों को हटाने के लिए लंबे समय से चल रही याचिका पर मंगलवार को हाईकोर्ट ने फैसला सुना दिया। जस्टिस विजय कुमार शुक्ला और जस्टिस डीवी रमना की युगलपीठ ने इसकी जद में आ रहे पट्टेधारियों को प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाय) की मल्टी में फ्लैट देने के लिए 2 लाख रुपयों की मांग को गलत ठहराया। कोर्ट ने पट्टेधारियों को बगैर रुपए लिए फ्लैट देने को आदेश जारी किया। अभिभाषक अभिनव धानोतकर ने बताया, भूरी टेकरी से नेमावर होते हुए आरटीओ तक बनाई जा रही आरई-2 सड़क के खिलाफ हाईकोर्ट में अलग-अलग 19 याचिकाएं दायर हुईं थीं। इनमें से कुछ याचिकाएं वापस ले ली गईं थी, जबकि तीन पर बहस हुई। इसमें 55 प्रभावित शामिल थे। ये वो लोग थे, जिन्हें सरकार ने वर्ष 2013 में पट्टे अलॉट किए थे और वे यहां रह रहे थे। इन याचिकाओं पर कोर्ट में पिछले दिनों हुई बहस के बाद हाईकोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

हम कानूनी राय लेंगे

हमें कोर्ट आदेश की जानकारी मिली है। हम इस आदेश पर कानूनविदों से राय लेंगे, उसके बाद ही इस पर कोई फैसला लिया जाएगा।
- शिवम वर्मा, निगमायुक्त

अलाइनमेंट बिंदु अस्वीकार: आरोप था कि निगम जो सड़क बना रही है, उसमें कुछ लोगों को फायदा देने आरई-2 अलाइनमेंट बदला गया। कोर्ट ने आदेश में लिखा है, चूंकि याचिकाकर्ता पट्टाधारी हैं, ऐसे में अलाइनमेंट को लेकर उठाया गया सवाल वाजिब नहीं है, इसलिए इसे याचिका में शामिल नहीं किया गया है।

दो लाख रुपए में फ्लैट देना गलत

फैसले में कोर्ट ने याचिका के एक बिंदु को मान्य किया है। इसमें कोर्ट ने इस बात को सही माना कि जिन्हें पट्टे अलॉट किए गए थे, उन्हें जनहित में हटाकर प्रधानमंत्री आवास योजना में 2 लाख रुपए में फ्लैट देना गलत है। दरअसल नगर निगम इन्हें हटाकर प्रधानमंत्री आवास योजना के फ्लैट में शिफ्ट कर रही थी, जिसके लिए उन्हें दो लाख की रियायती दरों पर फ्लैट अलॉट किए जा रहे थे। कोर्ट ने आदेश में लिखा, जिन पट्टेधारियों को हटाया जा रहा है, उन्हें नगर निगम फ्री में फ्लैट दे। कोर्ट ने इन याचिकाओं में उठाए गए बाकी के सभी बिंदुओं को खारिज कर दिया।

पूरे प्रदेश में होगा असर

फैसले का असर पूरे प्रदेश में होगा। इंदौर सहित अधिकतर नगर निगम प्रभावितों को पीएम आवास योजना में शिफ्ट कर देती थी। इंदौर में साउथ तोड़ा, बियाबानी, कुलकर्णी भट्टा पुल के बाधकों को निगम ने इसी तरह विस्थापित किया था। जिन्हें शिफ्ट किया जाता था, निगम उनसे 2 लाख रुपए ही लेती थी, जबकि फ्लैट बुक कराने वालों से 7.5 लाख रुपए लिए जाते हैं। अब फ्री में फ्लैट देना होगा। नगर निगम को आरई-2 में ही लगभग 1 करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान होगा।

कार्यशाला 8-9 मई को

विभागों की क्षमता बढ़ाने पर मंथन करेंगे विशेषज्ञ

भोपाल. मध्यप्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम और राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस प्रभाग द्वारा 8-9 मई को एआइ भारत एट एमपी - कृत्रिम बुद्धिमत्ता, आधार और डिजिटल गवर्नेंस में नवाचार विषय पर कार्यशाला का आयोजन भोपाल कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में किया जाएगा। इसमें नीति-निर्माता, तकनीकी विशेषज्ञ, शिक्षाविद और सरकारी प्रतिनिधि डिजिटल गवर्नेंस को अधिक प्रभावी और नागरिकोन्मुखी बनाने के लिए एआइ और आधार के प्रयोग की संभावनाओं पर मंथन करेंगे। विशेष रूप से सरकारी विभागों की एआइ की मदद से क्षमता संवर्धन पर विशेष चर्चा होगी।

परिवार

मां
मदर्स डे स्पेशल
11 मई

HAPPY MOTHER'S DAY

मदर्स डे

इस बार देश-दुनिया के जाने-माने साहित्यकारों को पढ़िए। उन्होंने ***अपनी मां को याद करते हुए पत्रिका के साथ संस्मरण और डायरी के पन्ने साझा किए हैं।*** *कुछ उनकी किताबों की मदद से हमने सहेजने की कोशिश की। यह बताने के लिए कि* ***शब्दों के कारीगर किस तरह मां की यादों को शब्दों में पिरोते हैं,*** *जानना जरूरी है, इसलिए कि* ***मां सिर्फ मन में दर्ज नहीं होती, वह बाहर, भीतर हर ओर है*** *और ये लेखक हमारी थाती हैं और उनके इस 'दर्ज' को दर्ज करना जरूरी है।*

मां दर्ज है पन्नों पर हथेली और पेड़ पर...

उन तमाम मांओं के नाम, जो दर्ज नहीं की जा सकीं, लेकिन वे जीवन में बहुत कुछ अपनी ओर से जोड़ गईं, जिस पर दुनिया के खूबसूरत होने का विश्वास टिका है...

मेरी नायाब मां...

मृदुला गर्ग
साहित्यकार
@patrika.com

हमारी मां बेहद नाजुक और हसीन थीं। मेरठ के बैरिस्टर साहब की बेटी, जो उसूल-कायदा मानने में, गोरे साहबों से दो कदम आगे थे। पर शादी उनकी आजादी की जंग लड़ने वाले नौकरीपेशा नौजवान से हुई। नजाकत, खूबसूरती और दहेज न लेने की दादा की जिद का लिहाज़ करने वाले नाना, और उनकी साहबी आन-बान ने मिलकर ऐसा तिलिस्म गढ़ा कि तमाम ससुरालवाले उन्हें खूब साज-सम्भाल कर रखने लगे।

उसके अलावा मां में दो सिफत और थीं, जिसकी वजह से ससुराल वाले मुरीद हो गए थे। पहली, वे शायद ही कभी झूठ बोली हों। दूसरी, परनिंदा का शौक न था और देवर-ननदों से खासा प्यार। परिवार में हर काम को अंजाम देने के लिए, उनकी राय अहम मानी जाती। कभी-कभी तो तमाम परिजन एक राय रखते और वे अकेली, मुख्तलिफ। पर आखिर में उन्हीं की राय को तरजीह दी जाती। चाहे बीच के वक्त में, दादाजी कितनी बार उनके कमरे में डले पर्दे के बाहर, यह कहते क्यों न गुजरें, 'अपनी राय बदली नहीं तो एक दिन पछताएगी रविकांता।'

जी, बहू होने के नाते, मां ससुर से पर्दा करती थीं। दादाजी तक उनकी राय पहुंचाने में वाहक, ज्यादातर फूफाजी बनते, जिन्हें दामाद के लिहाज में, वे डांट न पाते। पर न रविकांता राय बदलती, न दादा की रिवायत। यानी फैसला मां के मशविरे की ताईद करता।

पर मां की जिस तीसरी सिफत से हम बच्चे दो-चार हुए, वह थी, छह बच्चों को जन्म देने के बावजूद, बच्चों से न होकर, किताबों से जुनून की हद तक लगाव होना। हमसे लगाव न होने से हमें परेशानी इसलिए न हुई, क्योंकि उसकी कसर पिताजी और सुवर्णा आया ने बखूबी पूरी की। और खाने के मामले में, मां की जगह शेफ दादी ने तो गागर छलक जाने तक कमी पूरी कर दी।

किताबों से लगाव या तीन जुबानों हिंदी, उर्दू और अंग्रेजी में लिखे अदब के लिए जुनून ने, हमें नुकसान नहीं, नफा पहुंचाया। शौक से होते लत की तरह पढ़ने और अदब पर हाथ साफ करने लायक बनाया। जुबानों के मामले में, वे पिताजी से इक्कीस न थीं। इसलिए कि पिताजी को हिंदी न आती थी और मां को फारसी नहीं आती। नाजुक मां, दरअसल हम उन्हें ममी

> *जैसे-जैसे हम बड़े हुए, ममी हमारी दोस्त और राजदार बनती गईं। कॉलेज के दोस्तों की बातें होती तो उसमें, रोमांस की बू उन्हें जब-तब आ जाती।*

कहते थे, क्योंकि सोलह साल की उम्र में वे मां लफ्ज सुन, बेहद पशेमां हो जातीं। आगे ममी ही कहूंगी। पर पिताजी को हम डैडी या पापा नहीं, शुद्ध पिताजी कहते थे। ममी छह बच्चों की जचगी बर्दाश्त न कर पाई, बीमार रहने लगीं, लिहाजा ज्यादा वक्त बिस्तर पर गुजारने लगीं। पर किताबों के खब्त में फर्क न आया। उनके बिस्तर पर लेटे रहने से गुरेज न कर, कई नामी-गिरामी लेखक और संगीतकार हमारे घर आते और उनके बिस्तर के पास बैठ, अन्य श्रोताओं को भी रचनाएं सुनाते। जैनेन्द्र जी, ममी की अदब की समझ के खास कायल थे। वे कुछ कहते, फिर मासूमियत से हाथ फैलाकर जोड़ते, 'बात बिलकुल सीधी है।' लोग नजरें चुराकर मुस्कुराते, क्योंकि बात सीधी कतई न होती। पर ममी इस इत्मीनान से हामी भरती कि पता न चलता, वे बात की सिधाई की दाद दे रही थीं, या जैनेन्द्रजी की मासूमियत की।

जितनी वे अदब की फैन थीं, उतनी गजल गायकी की, सो जब-तब महफिल सज जाती। महफिलों में औरत गायकों का ज्यादा दखल रहता। बहुत सी गायिकाएं उनकी दोस्त थीं, जो जब-तब, अकेले में भी, संगीत से उनका दिल बहला जाती। नई बंदिश के असर की आजमाइश भी कर लेतीं। ममी खुद गाती न थीं, पर उनकी पसंद वजन रखती थी। ममी, मजहब, रिहाइश या खानपान को लेकर तंगदिल न थीं, पर अपने जीने का अंदाज, तिल भर बदलने को तैयार न थीं। मक्खन किसी सूरत नहीं, फल का जूस जरूर, पूरी तरह शाकाहारी, यानी अंडा तक कबूल नहीं। तली चीजों से परहेज और तनिक मुटाई की तरफ रुख किया, तो फुल्का गले से न उतरना।

जैसे-जैसे हम बड़े हुए, ममी हमारी दोस्त और राजदार बनती गईं। किताबें पढ़ने लगे, तो किताबों पर बातें होने लगीं। कॉलेज के दोस्तों की बातें होती, तो उसमें रोमांस की बू उन्हें जब-तब आ जाती। धुआं बिला आग होता, तो नाउम्मीद होतीं। मैंने उन्हें हमेशा नाउम्मीद किया। मेरे कारनामों में रोमांस की बू आई ही नहीं। **(संस्मरण का अंश)**

अंतिम स्टेशन

हवस को है नशात-ए-कार क्या क्या
न हो मरना तो जीने का मज़ा क्या है

-मिर्जा ग़ालिब

मधु कांकरिया
साहित्यकार
@patrika.com

हमारे डॉक्टर, विशेषज्ञ डॉक्टर मौत के मामले में कम से कम हार मानने वाले नहीं थे, इस कारण 92 वर्षीय जर्द पत्ते सी ममी को भी उन्होंने नहीं बख्शा। 19 नवंबर 2024 को सुबह करीब साढ़े दस बजे भाई का फोन आया- 'ममी को सांस लेने में तकलीफ हो रही है। डॉक्टर ने बताया कि ऑक्सीजन की कमी है, इसलिए उन्हें हॉस्पिटल एडमिट करवाने जा रहे हैं।' भाई ने यह भी जोड़ा कि चिंता की बात नहीं है, ऑक्सीजन लेवल सामान्य हो तो शाम तक वापस आ जाएंगे।

डॉक्टरों की तरह चरम आशावादी मैं। स्वार्थी मैं। अभी कल ही तो बात हुई थी , मेरी ममी से, तब भी ध्यान से देखा था मैंने ममी का चेहरा, थकी हुई सांझ जैसे उतर रही थी, उनके चेहरे पर। यह भी लगा कि जीवन रस सूखता जा रहा है, पर ऐसा भी नहीं लगा कि अंतिम स्टेशन आ गया है। ममी के जीवित रहते ही मैं अक्सर ममी की मौत की संभावनाओं पर सोचती रहती थी। पर आंखें जो देख रही थीं, सत्य उससे बड़ा था। फिर जिस प्रकार ममी में अभी भी दमखम बचा हुआ था, मुझे कई बार डर लगता कि कहीं ममी सेंचुरी ही न पीट लें। तो मैंने सोचा कि दो तीन दिनों बाद ममी जब घर लौट आएंगी, तभी उनसे मिलने कोलकाता चली जाऊंगी। अभी हॉस्पिटल में कितना तो मिल पाऊंगी? स्वार्थ ने तर्क खोज लिया था। मैंने 22 नवंबर का टिकट करवा लिया। काश ! समझ पाती कि वह वार्निंग कॉल थी। खतरे की घंटी, ममी उड़ने की तैयारी में थी कि मौत बिल्ली बन जिंदगी का रास्ता काट चुकी थी। 20 की भोर। सुबह पांच बजे मैं जाग गई, पर

> *बाहर और भीतर के बीच की रेखा धुंधली पड़ती जा रही थी। जिंदगी निराशा के अंतिम तल को छू रही थी ,ममी जा रही थी। शब्द चूक चुके थे।*

देह सोई हुई थी कि सामने पुत्र। क्या हुआ?

'नानी वेंटीलेटर पर हैं।'

पहली उड़ान से मैं और पुत्र एयरपोर्ट से सीधे नर्सिंग होम पहुंचे, तो ममी की एक झलक देख कलेजे के सौ-सौ टुकड़े हो गए। जिंदगीभर आजाद परिंदे सी चहकने वाली ममी तन-मन से बंधी हुई थीं। मुंह में पाइप, नाक में नलियां, हाथ-पैर बंधे हुए। सिर्फ आंखें, कान और उनकी हथेलियां खुली हुई थीं, जिसे ममी तेजी से हिला हिला शायद कुछ कहना चाह रही थीं।

कुछ अंतिम शब्द !

कई लोगों के अंतिम शब्द इतिहास बन गए। फील्ड मार्शल मानेक शॉ के अंतिम शब्द थे 'आई एम ओके', 'सुकरात के थे 'लाइट ,मोर लाइट।'

क्या रहे होंगे ममी के अंतिम शब्द?

वह क्षण ! उस क्षण की लपट में मेरा सब कुछ स्वाहा हो गया। एक हूक उठी- मुझसे अन्याय हुआ है। मैंने देर कर दी। ममी ने देखा मुझे, लेकिन नहीं देखा। मैंने देखा उनकी खुली आंखें और आंखों में फैला सूना रेगिस्तान। बाहर और भीतर के बीच की उनकी रेखा धुंधली पड़ती जा रही थी। जिंदगी निराशा के अंतिम तल को छू रही थी, ममी जा रही थीं। शब्द चूक चुके थे, बस घनीभूत भाव शेष रह गए थे। होना यह चाहिए था कि 92 वर्षीया ममी को हम शांति से जाने देते, जैसे पतझड़ बिना मोह जाने देता है, अपने पीले पत्तों को। पर नहीं... नहीं... नहीं... !

ममी की अनंत तप, वेदना, छटपटाहट और हिलती हथेलियों को देख कुछ था, जो लम्हा-लम्हा मुझमें पिघल रहा था। 'अपने ईश्वरत्व को बचाओ, मेरे ईश्वर। अपनी पनाह में लो ममी को।' भीतर प्रार्थना थी।

मैंने दबी जुबान से कहा भी कि शायद ममी कुछ कहना चाहती हैं। इन्हें वेंटिलेटर से हटवा दो। कम से कम कुछ पलों के लिए आजाद कर दो। अब वह मुकाम आ गया है, जब तमाम इलाज खत्म हो जाते हैं, बस रह जाता है इंतजार- शेष होने का।

भाई बहुत निरीह लग रहे थे, उन्होंने कहा- डॉक्टरों ने पांच प्रतिशत उम्मीद जताई है। फिर डॉक्टर इतनी कहां सुनते हैं? पाइप हटवा दिया, तो फिर लगाने में ममी को उसी यंत्रणा से गुजरना होगा।

उम्मीद! यह उम्मीद नहीं उम्मीद का व्यापार है। मैंने अपने पुत्र से कहा - ममी को घर ले चलते हैं, उन्हें कम से कम शांति से मरने देते हैं। याद आया, ममी ने कहा था, मुझे घर में ही मरने देना, अंतिम समय में हॉस्पिटल ले जाकर, शरीर को छिदवाकर मेरी दुर्गति मत करवाना।

ध्वनि की चटनी बनाना वो खूब जानती...

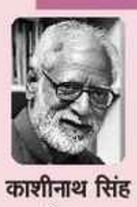

काशीनाथ सिंह
साहित्यकार
@patrika.com

मां की जीभ सिल जैसी थी। क्या मजाल जो कोई शब्द या ध्वनि उस पर आए और पिसकर चटनी न हो जाए। उसकी जीभ पर आते ही विष्णुचंद्र शर्मा 'बेहणु', मल्ल जी 'मझल जी', गिरिजेश राय 'गिरगेस', वोहरा 'गोहरा', आचार्य जी 'अंचार जी', विद्यासागर नौटियाल 'लोटिया' और प्रियंकर 'पियक्कड़' हो जाते। उसका खुद का नाम वागेश्वरी था, जिसे वह लजाती हुई थोड़ा सा घूंघट निकालकर बगेसरा बोलती। सुलतानपुर जिले के चिरानी पट्टी गांव के ठाकुर वासुदेव सिंह उर्फ त्रिलोचन शास्त्री को वह हमेशा 'तस्तरी जी' बोलती। 'मां, तस्तरी नहीं, शास्त्री।' मैं उससे सही बुलवाने के लिए कहता। वह कोशिश करके थक जाती और बोलती, 'जा बचवा, कइसन कइसन नांव है। तस्तरी, थरिया, गिलास, लोटा...' और हंसने लगती। मां ने शास्त्री जी को देखा नहीं था, लेकिन उनकी इज्जत करती थी- इसलिए कि उसका बड़ा बेटा उनकी इज्जत करता था। और जब कभी गांव जाता था, उससे तस्तरी जी की चर्चा करता। वह बातें तो ढेर बताता रहा होगा, लेकिन मां को केवल इतना याद रहा कि तस्तरी जी एक गगरा पानी पीते हैं और रसोई की रसोई चट कर जाते हैं। इसलिए जब सन् 1953 की जुलाई मां मेरे साथ बनारस आई और भैया ने शास्त्री जी को खाने पर बुलाया तो मां सन्न रह गई। उसकी समझ में न आया कि हंसे कि रोए। वह उठी और चुपचाप रसोई में चली गई। वहां से लौटकर मेरे कान में कहा, 'अगर तस्तरी जी न आते तो सबकी खातिर एक पनरहिया (पंद्रह दिनों) भर रातिब था।'

किताब 'याद हो कि न याद हो' से साभार

नेलकटर

उदय प्रकाश
साहित्यकार
@patrika.com

सावन में घास और वनस्पतियों के हरे रंग में हल्का अंधेरा-सा घुला होता है। हवा भारी होती है और तरल। वर्षा के रवे पर्तों में तैरते हैं।

मैं नौ साल का था। इसी महीने राखी बंधती है। कजलैयां होती हैं। नागपंचमी में गोबर की सात बहनें बनाई जाती हैं। धान की लाई और दूध दोने में भर कर हम सांपों की बांबियां खोजते फिरते हैं। हरियारी अमावस भी इसी महीने होती है। मां दक्षिण की ओर के कमरे में रहती थीं। बंबई के टाटा मेमोरियल अस्पताल से उन्हें ले आया गया था। सिर्फ अनार का रस पीती थीं। वे बोलने के लिए अपने गले में डॉक्टरों द्वारा बनाई गई छेद में उंगली रख लेती। वहां एक ट्यूब लगी थी, जिससे वे सांस लेती। बहुत बारीक, ठंडी और कमजोर आवाज होती थी वह।

मां को बोलने में दर्द बहुत होता होगा। इसलिए कम ही बोलती। उस यंत्र जैसी आवाज में हम मां की पुरानी आवाज खोजते। कभी-कभी उस असली और मां जैसी आवाज का कोई एक अंश हमें सुनाई पड़ जाता। उनकी सिर्फ आंखें बची थीं, जिन्हें देख उम्मीद बंधती कि मां कहीं जाएंगी नहीं, मेरे जीवनभर रही आएंगी। मैं हमेशा के लिए उनकी उपस्थिति चाहता था।

उस दिन मां ने मुझे बुलाया। अपनी हथेली मेरे सामने फैला दी। दाएं हाथ की सबसे छोटी उंगली की बगलवाली उंगली का नाखून एक जगह से उखड़ गया था। उससे उन्हें बेचैनी होती रही होगी। मैं समझ गया और नेलकटर लाकर मां के पलंग के नीचे फर्श पर बैठ गया।

मैंने देखा, मां को नाखून का हल्का-हल्का रेती से घिसा जाना बहुत अच्छा लग रहा है। उसके चेहरे पर एक सुख था, जो एक जगह नहीं बल्कि पूरे शरीर की शांति में फैला हुआ था। मैंने सारी उंगलियों के नाखून खूब अच्छे कर दिए। मां ने अपनी उंगलियां देखीं। मां ने मेरे बालों को छुआ। वे कुछ बोलना चाहती थीं। लेकिन मैंने रोक दिया।

रात में ठंड थी। बाहर पानी जोरों से गिर रहा था। सावन में रात की बारिश की अपनी एक गंभीर आवाज होती है। कुछ उस तरह जैसे दुनिया की सारी हवाएं किसी बड़े घड़े के अंदर घूमने लग गई हों। हर तरफ से बंद। सुबह पांच बजे आंगन में औरतें रो रही थीं। पता चला मां नींद में ही खत्म हो गईं।

मां खत्म हो गईं।

मैंने फिर कभी उनके घिसे हुए नाखून नहीं देखे। मैंने उस रात सोने से पहले अपने तकिए के नीचे वह नेलकटर रख दिया था। उसे मैंने बहुत खोजा, बल्कि आज तक। कई वर्षों बाद भी। लेकिन वह आज भी नहीं मिला। वह पता नहीं कहां खो गया था।

हो सकता है वह किसी बहुत ही आसान-सी जगह पर रखा हुआ हो और सिर्फ मेरे भूल जाने के कारण वह मिल नहीं पा रहा हो। मैं अक्सर उसे खोजने लगता हूं। क्योंकि चीजें कभी खोती नहीं हैं, वे तो रहती ही हैं। अपने पूरे अस्तित्व और वजन के साथ। सिर्फ हम उनकी वह जगह भूल जाते हैं। **(लेखक की अपनी मां पर लिखी गई कहानी का अंश)**

रोना मेरे भीतर यों का यों ठहरा हुआ है...

4 सितंबर 1997

पेड़ की तरह सहनशील बनो। वह चुप सब देखता रहता है। रात को इसे मत छुओ। वह सो रहा है। डालें मत काटो, कभी रात के सन्नाटे में उसकी आवाज सुनो। वह धीरे से तुम्हारे कान में फुसफुसाएगा और तुम उसकी तरह चुप होते चले जाओगे। अकेले। सबके बीच अलग-थलग। तब तुम भी किसी को कष्ट नहीं पहुंचाओगे। औरों को भी वैसे ही प्यार करोगे। उसकी मृत्यु पर वैसे ही रोओगे, जैसे तुम्हारा प्रिय चला गया हो। टुकड़ों टुकड़ों में कही मां की ये बातें पेड़ों के ठूंठों की तरह हो गई हैं, जिन पर कभी कभार रात के अंधेरे में हरे पत्ते फूट आते हैं और मैं लटूम जाता हूं।

डॉ. सत्यनारायण
साहित्यकार
@patrika.com

6 सितंबर 1997

मैं नहीं जानता वह कौनसा अवसाद है, जो मेरी नसों में हमेशा टहलता रहता है। मुझे याद है आषाढ़ का वह दिन, जब मैं पहली बार शहर आया था, पढ़ने। मां छोड़ने आयी थीं, घर से दस किलोमीटर दूर पैदल बस स्टैंड तक। तब मैं जाने क्यों धार-धार रोया। मां भी। जैसे मैं हमेशा के लिए बिछड़ रहा हूं। वह रोना आज भी मेरे भीतर यों का यों ठहरा हुआ है। उसके बाद मैं मां के सामने उस तरह कभी नहीं रो पाया और उसे हर बार अगली बार के लिए टालता रहा। बाद में जब मां नहीं रहीं, मैं डायरी तक गया, पर वहां से भी लौट आया, खाली का खाली। हर बार। ***-डायरी के अंश***

मां, तुम और धरती, मैं यहां और किसी को जानता ही नहीं...

भारतीय विवाह संस्था में वात्सल्य-प्रेम स्नेह और श्रद्धा-रति के चारों भावों से समन्वित दाम्पत्य सहज-सरल और मधुर होता है। वास्तव में विवाह एक अनुष्ठान है, जिसका निर्वाह युगल अपनी पूर्ण आस्था के साथ करते हैं।

दाम्पत्य-भाव को सहेजना : एक कला

गुलाब कोठारी
प्रधान संपादक
पत्रिका समूह
@patrika.com

विवाह बंधन होकर भी बंधन मुक्त होने का मार्ग है। दो के एक हो जाने की संस्था है। एक और एक ग्यारह होने की यहां जरूरत नहीं। एक-दूसरे में समा जाने का भाव चाहिए।

आज के बदलते परिवेश में दाम्पत्य संबंधों में मिठास समाप्त होती जा रही है। प्रतिस्पर्धा की दौड़ में जहां पहले समाज व कार्यक्षेत्र मात्र था, वहां आज यह प्रतिस्पर्धा परिवार व पति-पत्नी के मध्य भी प्रतिष्ठित हो गई है। लगातार बढ़ते शहरीकरण, विस्थापन और सामाजिक-आर्थिक दबावों के कारण पति-पत्नी के पावन रिश्ते में कड़वाहट आती जा रही है। इसी के कारण आज नई पीढ़ी लिव-इन संबंधों की राह पर चल पड़ी है। वैवाहिक-बंधन में बंधना उनकी सोच में है ही नहीं। घर में माता-पिता या अन्य किसी युगल को जब वे आपस में तकरार करते हुए सुनते हैं, तो अनायास ही उनको लगने लगता है कि इस तरह लड़ने-झगड़ने से तो अच्छा है शादी ही नहीं करो।

भारतीय विवाह संस्था में वात्सल्य-प्रेम स्नेह और श्रद्धा-रति के चारों भावों से समन्वित दाम्पत्य सहज-सरल और मधुर होता है। वास्तव में विवाह एक अनुष्ठान है, जिसका निर्वाह युगल अपनी पूर्ण आस्था के साथ करते हैं। मैत्रीपूर्ण भाव से एक-दूसरे की भावनाओं का आदर करते हैं। एक-दूसरे की अपूर्णताओं की पूर्ति ही उनको पूर्ण बनाती है। जीवन की सम और विषम परिस्थितियों को साथ मिलकर जीते हैं। यही उनके अर्द्धनारीश्वर की पूर्णता का आधार है। अटूट व निर्मल संबंधों में व्यवहार कुशलता जरूरी है। मृदु व्यवहार, नम्रता, सहिष्णुता और उदारता दाम्पत्य प्रेम को उत्कृष्ट बनाते हैं।

आज प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में आर्थिक सुदृढ़ता को सुखी जीवन हेतु आवश्यक मानने लगा है। इसके परिणामस्वरूप पारिवारिक वातावरण में समरसता व स्नेह कम होने लगा है। समय का अभाव इसका कारण है। कार्यक्षेत्र में बढ़ते दबाव का असर संबंधों में दरार का कारण बनता जा रहा है। संवाद का अभाव होने से भावनात्मक उपेक्षा महसूस होती है। संवाद किसी भी रिश्ते की बुनियाद होता है। एक-दूसरे को समय नहीं दे पाने से आज यह रिश्ता कमजोर हो गया। घर केवल मकान बनकर रह गया। जीवन में कितनी भी व्यस्तता क्यों न हो। एक-दूसरे के लिए समय निकालना जरूरी है। अधिकांश पति-पत्नी आपस में मतभेद हो जाने पर जीतने की भरपूर कोशिश करते हैं। लेकिन इसमें समझदारी कहीं दिखाई नहीं देती। संवेदनशील व्यक्ति इस परिस्थिति में समझौता कर लेता है, तो परिवार बिखरने से बच जाता है, अन्यथा विवाह-विच्छेद हो जाता है।

यह संबंध अटूट है, किंतु अत्यन्त नाजुक भी। प्रेम, विश्वास, आस्था, कर्त्तव्य-बोध, समर्पण और एक-दूसरे के लिए तत्परता से, निश्छल भाव से, सर्वस्व का न्यौछावर ही सच्चा दाम्पत्य प्रेम है, जिससे पति-पत्नी के संबंधों की बगिया सदाबहार रह सकती है। महाकवि भवभूति उत्तररामचरितम् नाटक में राम और सीता के दिव्य दाम्पत्य भाव का चित्रण करते हुए कहते हैं कि जो दाम्पत्य सुख और दुःख में समान रहता है, सभी स्थितियों में साथ देता है, जिसमें मन को विश्राम मिलता है, जिसमें निहित अनुराग वृद्धावस्था द्वारा भगाया नहीं जाता, जो समय बीतने के साथ लज्जा-संकोच आदि आवरण के हटने से परिपक्व होकर अपने प्रेमोत्कर्ष में स्थित होता है, उसका यह कल्याणकारी सारतत्त्व सर्वथा वरेण्य है। यह दाम्पत्य भाव की सर्वश्रेष्ठ परिभाषा है। अनुकरणीय है।

वास्तव में राम और सीता का दाम्पत्य भी इन्हीं भावों का साक्ष्य है। दाम्पत्य यदि धर्म की मर्यादा पर आधारित है, तब यह स्थिति दिखाई पड़ती है। जहां एक भी पक्ष कमजोर पड़ जाता है, मन के स्थान पर बुद्धि से व्यवहार होने लग जाता है, संबंध कमजोर पड़ जाता है।

विवाह बंधन होकर भी बंधन मुक्त होने का मार्ग है। दो के एक हो जाने की संस्था है। एक और एक ग्यारह होने की यहां जरूरत नहीं। एक-दूसरे में समा जाने का भाव चाहिए। आमतौर पर देखा गया है कि किसी न किसी का अहंकार दूसरे पर छाया रहता है, जिससे मिठास घटती है। मन का रिश्ता है, मनों का एक हो जाना ही इसकी पूर्णता है। स्वयं के बजाय जीवनसाथी की चिंता करना इसका सरल उपाय है। इसी से सहिष्णुता बढ़ती है, माधुर्य, स्नेह आदि आनन्ददायक होते हैं।

यह पवित्र बंधन बोझ न बने, इसके लिए जरूरी है कि एक-दूसरे के बीच मान-अभिमान व अहम् की दीवारें खड़ी न होने दें। प्रेम व सराहना भरे बोलों से बड़ा मन का टॉनिक कुछ नहीं है। अनायास ही एक पुराने गाने की पंक्तियां याद आ गई, जो इस स्नेहिल दाम्पत्य संबंध को इंगित करती हैं–

मैं जब से उनके साथ बंधी
ये भेद तभी जाना मैंने
कितना सुख है बंधन में
रजनीगंधा फूल तुम्हारे महके
यूं ही जीवन में...

gulabkothari@epatrika.com

काव्यांजलि...

मां की अधूरी इच्छा

सुनीता बिश्नोलिया

मां! पेटी खोलकर दिखाओ ना
क्या है इसमें
कितनी बार कहती थी मैं
मां पेटी खोलती भी थी पर..
पेटी में बिछा लाल कपड़ा
कभी नहीं हटाती हमारे सामने
बहुत उत्सुकता थी, लाल कपड़े
के रहस्य को जानने की।
मां कहती बहुत कीमती समान
है, तुम्हारे काम का नहीं
मेरे बाद तुम्हीं को मिलेगी
मेरी पेटी की चाबी।
और एक दिन
पेटी की चाबी रखकर
मां विलीन हो गई उस अनंत में
जहां से कोई वापस
नहीं लौटता।
संभलाई गई हमें पेटी की चाबी
कांपते हाथों से खोली थी पेटी
और पाकर वो अनमोल
खजाना बहुत लड़े,
बहुत रोए थे हम
अपना-अपना हक जताते हुए
हमारे छोटे-छोटे कपड़े,
हल्दी से मांडे हुए पोतड़े
और... और एक अंग्रेजी-हिंदी
सीखने की छोटी सी किताब....
मां हमें पढ़ाने के
कितने जतन करती थीं।
सुबह जल्दी जगाना
और ना पढ़ने पर डांटते हुए
पढ़ाई का महत्त्व बताना
ओह! मां हम पढ़ते रहे...
और पढ़ने की आपकी
इस इच्छा को
समझ भी ना सके
मां आपके चेहरे पर भी हंसी
का लाल कपड़ा बिछा था
इसलिए आपके मन की पेटी
सामने होते हुए भी
कुछ दिखाई नहीं दिया।

कहानी...

वह तीस बच्चों का पालन-पोषण कर चुकी है। उसके घर के सन्नाटे बच्चों की खिलखिलाहट में बदल गए हैं। पहले वह एक बच्चे के लिए तरसती थी, पर अब वह इतने बच्चों की मां बन गई है। उसके ऊष्ण मरुस्थली जीवन में मानो ठंडाई की सी मिठास घुल आई है।

ममता की मिठास

मेहा गुप्ता
@patrika.com

'सुरभि , तुम तो बड़ी कुशल बागवान हो! तभी तो तुम्हारी बगिया इस तपती गर्मी में भी इतनी खिली हुई है। मैं जानती हूं, तुम हर पौधे की नमी और ताप की जरूरत को समझ, बहुत ही धैर्य और स्नेह से इसे सींचती हो, अपनी परवाह रूपी खाद से इनका पोषण करती हो ..तब जाकर यह बगिया खिलती है।' एक दिन पड़ोस में रहने वाली आंटी ने उसके गुलाब के फूलों पर प्रशंसात्मक दृष्टि डालते हुए कहा था।

यदि वह वास्तव में कुशल बागवान है, तो वह अपने भीतर पनप रही पौध की पोषण की जरूरतों को क्यों नहीं समझ पाई थी? तभी तो शादी के पांच साल बाद भी उसके जीवन की बगिया सूनी रह गई? आंटी की बात सुन सुरभि सोचने लगी थी। उसे वह समय याद आ गया जब वह अपनी कंपनी के एक महत्त्वपूर्ण प्रोजेक्ट पर काम कर रही थी और तभी उसे अपने भीतर एक नई जिंदगी की आहट महसूस हुई थी। समय पर प्रोजेक्ट पूरा करने के लिए उसे ज्यादा काम करना पड़ रहा था। ना समय पर खाना ना सोना... कुछ दिनों से उसे कमजोरी तो महसूस हो ही रही थी। एक दिन वह ऑफिस में ही चक्कर खाकर गिर गई और वह पौध उसके भीतर ही मुरझा गई। ग्लानि और पीड़ा से उबरकर कुछ महीने बाद उसने फिर मां बनने का फैसला किया। पर विधाता ने उसे फिर कभी दूसरा मौका नहीं दिया। डॉक्टर ने कहा, अब शायद वह कभी मां नहीं बन पाएगी।

अपने जीवन के इस अभाव को पूरा करने के लिए वह खाली समय में अपने बगीचे की देखरेख करने लगी। इसके कुछ समय बाद एक दिन वह अपने मोहल्ले के बाहर लगे ठेलों से फल खरीद रही थी। वहां से कुछ ही दूरी पर करीब आठ-दस साल की एक बच्ची दस फीट की ऊंचाई पर बंधी रस्सी पर चलते हुए करतब दिखा रही थी। कुछ देर बाद वह करीब सात-आठ साल के बच्चे की मदद से रस्सी से नीचे उतर गई। फिर दोनों बच्चे वहां खड़े लोगों से पैसे मांगने लगे। जब वह बच्ची सुरभि के पास आई तो उसने बच्ची से पूछा, 'चंद पैसों के लिए तुम अपनी जान क्यों जोखिम में डालती हो?' तो वह रुआंसी होकर बोली, 'तीन महीने पहले रोड एक्सीडेंट हो जाने से बाबा के पैर का ऑपरेशन करवाना पड़ा। तब से वह चौकीदारी पर नहीं जा पाते। मां तो कई साल पहले ही हमें छोड़कर चली गई। इसलिए घर में पैसे लाने के लिए मैं स्कूल छोड़ यह काम करने लगी।' 'तुम्हारे पिता कहां हैं?' पूछने पर वह बच्ची उसे सड़क के उस पार बनी बस्ती में बने एक छोटे से घर में ले गई, जहां एक आदमी पैर पर पट्टा बांधे लेटा हुआ था। वह समझ गई यह बच्ची सच बोल रही है। उसे उनके प्रति सहानुभूति हो आई और वह बच्ची को बाजार से खाने-पीने का सामान दिला घर आ गई।

उसने अपने घर पर चाइल्ड केयर सेंटर खोल लिया है। जहां वह आसपास की बस्तियों में रहने वाले बच्चों को जिनके माता-पिता उन्हें पढ़ाने में सक्षम नहीं हैं या पढ़ाना नहीं चाहते समझा-बुझाकर अपने सेंटर पर भेजने का निवेदन करती है।

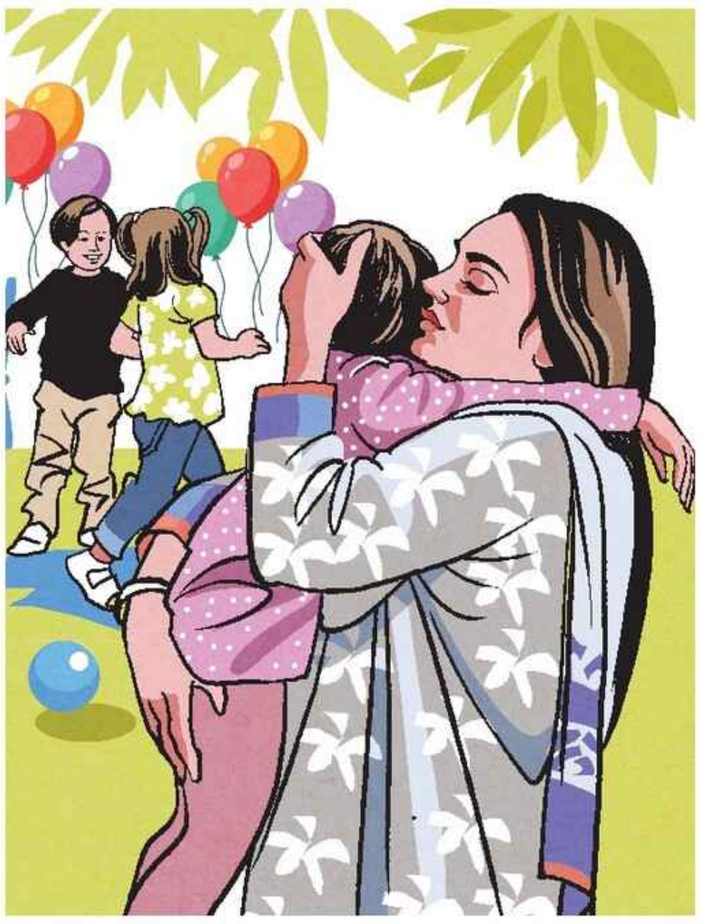

घर आकर वह सोचने लगी कि वो कैसे भूल गई कि वो एक ऐसे देश में रहती है, जहां लाखों बच्चे अब भी गरीबी और भुखमरी के चलते स्कूल छोड़कर बालश्रम करने को मजबूर हैं। अपनी कोख से बच्चे को जन्म देकर मां बनना उसके भाग्य में नहीं है, तो क्या वह यशोदा मां बनकर इन बच्चों का पालन करने का सौभाग्य तो पा ही सकती है। मां तो मां होती है.. पेड़ की छांव की तरह ही ममता की छांव भी अपने-पराए का भेद नहीं कर सकती।

तब से उसने अपने घर पर चाइल्ड केयर सेंटर खोल लिया है। जहां वह आसपास की बस्तियों में रहने वाले बच्चों को जिनके माता-पिता उन्हें पढ़ाने में सक्षम नहीं हैं या पढ़ाना नहीं चाहते समझा-बुझाकर अपने सेंटर पर भेजने का निवेदन करती है। वहां वह उन्हें पौष्टिक भोजन और प्राथमिक शिक्षा देती है। और दो-तीन साल बाद उनका सरकारी विद्यालय में दाखिला करवाकर उन्हें शिक्षा और समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का भरपूर प्रयास करती है।

उसे सेंटर खोले दस साल बीत गए हैं। इन सालों में वह तीस बच्चों का पालन-पोषण कर चुकी है। उसके घर के सन्नाटे बच्चों की खिलखिलाहट में बदल गए हैं। पहले वह एक बच्चे के लिए तरसती थी पर अब वह इतने बच्चों की मां बन गई है। उसके ऊष्ण मरुस्थली जीवन में मानो ठंडाई की सी मिठास घुल आई है।

दिल से...

मां की मेहनत

मेरी माताजी श्रीमती शांता बासरकर अपने नाम के अनुसार एक शांत स्वभाव की विदुषी महिला थीं। वे शुरू से ही अनुशासित स्वभाव की थीं और हम सभी भाई बहनों से भी अनुशासन का कठोरता से पालन कराती थीं।

मुझे आज भी अच्छी तरह से याद है, जब मैं प्राथमिक एवं माध्यमिक कक्षा का छात्र था, उस समय मुझे सुबह चार बजे पढ़ने के लिए उठाती थीं। इसके लिए स्वयं मेरे साथ पूरा समय बैठी रहती थीं, ताकि मैं सो न जाऊं और बीच-बीच में मैंने क्या याद किया है उसे पूछती रहती थीं। उन्हीं के अनुशासन एवं पढ़ाई के प्रति सच्चाई और ईमानदारी की वजह से मैं प्राथमिक कक्षा से एमएससी तक हमेशा प्रथम श्रेणी में पास हुआ।

इसके अलावा उन्होंने हमें राम रक्षा स्तोत्र, गणपति अथर्वशीर्ष याद कराया, जो आज भी हमारे दैनिक जीवन का अंग हैं। उन्हीं के प्रयास से हम सभी भाई- बहन अच्छे मुकाम पर पहुंचे हैं, जिसके लिए हम उन्हें आजीवन याद रखेंगे।

-शिरीष बासरकर

मां का विश्वास

लगभग 40 साल पहले की बात है। मेरी मां के पेट में अक्सर दर्द होता था। बड़े भाई जो खुद जयपुर स्थित सवाई मानसिंह अस्पताल में हृदय रोग विशेषज्ञ थे, सो उन्होंने इसी अस्पताल में मां को दिखाया। तब मां को पथरी होने का अंदेशा बताया। तब इतनी उन्नत तकनीक नहीं थी।

भाई मां को हमारे गांव से जयपुर ले आए। तय समय पर ऑपरेशन हुआ। डॉक्टर ने देखा उनके कैंसर की गांठ थी। भाई ने परिवार में किसी को नहीं बताया कि मां को कैंसर है। मां तीन महीने अस्पताल में भर्ती रही। भाई वहां नौकरी भी करते और मां को संभालते। ऑपरेशन के बाद मां को दस महीने बाद गांव लेकर आए। गांव में हमारा संयुक्त परिवार था। भाई मां के इलाज में कोई कमी नहीं रख रहे थे। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद मैं मेरी मां से मिलने पीहर गई। मां बहुत कमजोर हो गई थी। मां का उजला रंग सांवला पड़ गया था। एक दिन मां को नहलाने गई। मां की काया देखकर मैं सुबकने लगी। मुझे संभालते हुए मां ने कहा, 'क्यों विचलित हो? मैं ठीक हो जाऊंगी।

मुझे कुछ होता है, तो तुम्हारा भाई मेरी कमी महसूस नहीं होने देगा। आज मां को जुदा हुए बरसों हो गए,पर भाई ने हम सातों बहन-भाइयों को मां की कमी महसूस नहीं होने दी। भाई ने मां के विश्वास को कायम रखा है। उनका वरदहस्त सिर पर हमेशा बना रहे।

- शारदा यादव

अपने अनुभव साझा करें

हमारे साथ बांटिए रोचक अनुभव और प्रेरक प्रसंग। चयनित अनुभव को प्रकाशित किया जाएगा। आपकी रोचक याद या आपसे जुड़ा प्रेरक प्रसंग हमें 250 शब्दों में लिखकर वाट्सऐप या ईमेल करें।
parivar@epatrika.com

ओलंपिक में पहली भारतीय नाविक

नेत्रा की नैया पार, फहराया कामयाबी का परचम

नेत्रा कुमानन

21 अगस्त, 1997 को तमिलनाडु में जन्मीं नेत्रा कुमानन को साल 2011 में तमिलनाडु सेलिंग एसोसिएशन द्वारा आयोजित एक ग्रीष्मकालीन शिविर के दौरान नौकायन के लिए बुलाया गया था। उस समय नेत्रा को टेनिस, बास्केटबॉल खेलने और साइकिल चलाने में रुचि थी। उन्हें भरतनाट्यम में भी रुचि थी, लेकिन अब तो नौकायन उनके जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है।

नेत्रा पहली भारतीय नाविक हैं, जिन्होंने क्वालीफाइंग स्पर्धा में शीर्ष पर रहते हुए, सीधे ओलंपिक में जगह बनाई थी। उन्होंने टोक्यो 2020 और पेरिस 2024 में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

नेत्रा कुमानन उन 13 भारतीय नाविकों में से एक हैं, जिन्होंने ओलंपिक खेल में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। नेत्रा का टोक्यो 2020 के लिए क्वालीफाई करना भारतीय नौकायन के इतिहास में विशेष घटना रहेगी।

अप्रेल 2021 में ओमान में मुसानाह ओपन चैंपियनशिप में 10-रेस सीरीज का नेतृत्व करने के बाद नेत्रा ने लेजर रेडियल कैटेगरी में टोक्यो ओलंपिक में अपना स्थान सुनिश्चित किया। इंजीनियरिंग की छात्रा नेत्रा ने दो बार राष्ट्रीय चैंपियनशिप में जीत दर्ज की और दो बार उप-विजेता रहीं। किसी अंतरराष्ट्रीय इवेंट में उनका पहला पोडियम फिनिश 2014 में चेन्नई में आयोजित इंडिया इंटरनेशनल रेगाटा में रहा था।

नेत्रा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फारस की खाड़ी पर स्थित सबसे पुराने सल्तनत के मिलेनियम रिजॉर्ट में आयोजित एशियाई क्वालीफायर के खत्म होने से एक दिन पहले अपनी जगह पक्की कर ली थी। नेत्रा लेजर रेडियल कैटेगरी में रेस लगाती हैं। ये एक छोटी शैली की नाव होती है, जिसे एक हाथ से चलाया जाता है।

नौकायन में नेत्रा कुमानन ने भारत को नई राह दिखाई। जनवरी 2020 में मियामी में हेम्पेल विश्व कप सीरीज के दूसरे दौर में कांस्य पदक जीतने के बाद वह इस खेल में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला भी हैं।

उन्होंने 2014 और 2018 एशियाई खेल में भारत का प्रतिनिधित्व किया। जकार्ता में आयोजित 2018 एशियाई खेल में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए, वह चौथे स्थान पर रहीं थीं। उन्होंने अप्रेल 2024 में फ्रांस में लास्ट चांस रेगाटा में इमर्जिंग नेशंस प्रोग्राम के माध्यम से भारत के लिए ओलंपिक कोटा हासिल किया था।

लघुकथा...

दिखावा

'मां आप अभी तैयार नहीं हुई, मैंने आपको कभी से बोल दिया था कि जल्दी से तैयार हो जाना।' गौरव ने अपनी मां से नाराज लहजे में कहा।

मां ने कहा, 'बेटा घर के काम में जरा देर हो गई, बहू अभी तक उठी नहीं है ना। अच्छा मैं अभी झट से तैयार हो कर आती हूं।'

सुशीला जी यह सोचकर फटाफट तैयार हो कर आ गई कि शायद गौरव उनको मंदिर ले जा रहा होगा, क्योंकि वे कई दिनों से खजराना गणेश जी के मंदिर ले जाने का कह रही थीं।

उन्होंने अपनी जिज्ञासा को शांत करने के लिए पूछा - 'बेटा यह तो बता कि हमें जाना कहां है?'

गौरव ने कहा- 'मां हमें कहीं नहीं जाना है।'

सुशीला जी गौरव की बात सुनकर चौंक गई, और कहा- 'बेटा जब हमें कहीं जाना ही नहीं है तो, तूने मुझे तैयार होने को क्यों कहा?'

गौरव ने कहा- 'मैंने आपको तैयार होने के लिए इसलिए कहा कि कल मदर्स डे है और मुझे सोशल मीडिया पर आपके साथ कुछ अच्छे फोटो अपलोड करने हैं।' गौरव की यह बात सुनकर सुशीला जी कुछ बोली नहीं, परंतु मन ही मन सोच रही थीं कि कैसा दिखावे का जमाना है। मां भी सोशल मीडिया पर दिखावे के लिए है।

- आशीष सकलेचा

माइंड गेम...

उ उपसर्ग

नीचे लिखे शब्दों या वाक्यों के आधार पर उसी अर्थ का एक शब्द 'उ' उपसर्ग से शुरू होने वाला तलाशिए।

1.चोर
2.बस्ती नष्ट होना
3.तेजी के साथ नीचे से ऊपर
4.असभ्य
5.गड़ी चीज को अपनी जगह से हटा देना
6.फंसना
7.चिंता
8.वीरान
9. जल्दबाज
10.अपनी जगह से हटना
11.छिपी बात को प्रकट करना
12.झांकना
13. भड़काना
14.पेट
15.बिखरा या छिदा हुआ
16 पास हुआ
17.सृजन या शुरुआत
18.अनादर
19.विष्णु
20 उठो

1.उचक्का 2.उजड़ना 3.उछलना 4. उज्जड़ 5.उखाड़ना 6 उलझना 7.उलझन 8.उजाड़ 9.उतावला 10. उखड़ना 11.उगलना 12.उझकना 13.उकसाना 14.उदर 15.उत्कीर्ण 16.उत्तीर्ण 17 उत्पत्ति 18.उपेक्षा 19.उपेंद्र 20.उत्तिष्ठ।

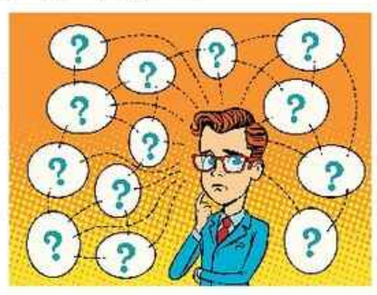

शॉर्ट रीड *कोई भी व्यक्ति गरीब नहीं होता, यदि उसके पास देवी जैसी मां है – अब्राहम लिंकन*

विश्व एथलेटिक्स डे आज पिछले साल पेरिस ओलंपिक में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद 28 स्थान का हुआ नुकसान, एथलेटिक्स में सिर्फ नीरज चोपड़ा ही दिला पाए थे भारत को पदक

हर साल करोड़ों रुपए खर्च, फिर भी विश्व एथलेटिक्स रैंकिंग में भारत 49वें स्थान पर

मृदुला शर्मा
patrika.com

जयपुर. पिछले एक दशक में भारतीय खिलाड़ियों ने खेल जगत में कई बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं, लेकिन फिर भी हम विश्व में कहीं पीछे खड़े हैं। बात अगर एथलेटिक्स की करें तो ट्रेक एंड फील्ड स्पर्धाओं में आज भी हम एशिया के बाहर अपनी पहचान बनाने को जूझ रहे हैं। भारत में हर साल एथलीटों की ट्रेनिंग व अन्य सुविधाओं पर करोड़ों रुपए खर्च किए जाते हैं, लेकिन बड़े मंच पर नतीजा सिफर ही रहता है। सिर्फ भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ही हैं जिनके दम से भारत विश्व एथलेटिक्स रैंकिंग में शीर्ष 50 देशों में शुमार है।

पेरिस ओलंपिक में 96.08 करोड़ खर्च, मिला सिर्फ एक पदक

पिछले साल पेरिस ओलंपिक में भारत के 27 एथलीटों ने हिस्सा लिया था, जिनकी ट्रेनिंग व अन्य सुविधाओं पर भारत सरकार ने 96.08 करोड़ रुपए खर्च किए थे, लेकिन हिस्से में सिर्फ एक पदक आया। नीरज ने भाला फेंक में रजत पदक जीतकर देश का मान बढ़ाया था। नीरज के अलावा अविनाश साबले ही थे, जिन्होंने पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज में फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था। शेष स्पर्धाओं में तो भारतीय एथलीट शुरुआती दौर में ही बाहर हो गए।

728 अंकों के साथ *अमरीका रहा 2024 के अंत तक शीर्ष पर*

16 अंकों के साथ *भारत 49वें स्थान पर*

979 अंक हैं नॉर्वे के, *684 अंकों के साथ अमरीका है दूसरे नंबर पर*

2025 में अब तक *नॉर्वे है नंबर वन*

नीरज चोपड़ा, भारत

रैंकिंग में नीरज दूसरे नंबर पर

इस साल भाला फेंक की वर्ल्ड रैंकिंग में नीरज दूसरे नंबर पर बने हुए हैं। उनके खाते में 1423 अंक हैं और वे ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स से आठ अंक पीछे हैं। पीटर्स 1431 अंक लेकर शीर्ष पर बने हुए हैं। हालांकि एथलेटिक्स का सीजन अभी शुरू हुआ है और आगामी महीनों में डायमंड लीग और विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप का आयोजन होना है, जिसके आधार पर रैंकिंग तय होगी। विश्व चैंपियनशिप 13 से 21 सितंबर तक होगी, जिसमें नीरज अपना खिताब बचाने उतरेंगे।

अमरीका क्यों है नंबर वन?

अमरीका एथलेटिक्स (ट्रैक और फील्ड) ही नहीं बल्कि बास्केटबॉल, अमरीकी फुटबॉल, तैराकी और जिम्नास्टिक समेत कई खेलों में पावरहाउस है। अमरीका अपने व्यापक बुनियादी ढांचे, खेलों में निवेश और विकास कार्यक्रमों की बदौलत लगातार शीर्ष पर रहता है।

एशियन चैंपियनशिप में उम्मीद: 27 मई से द.कोरिया के गुमी में होने वाली एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत के 59 सदस्यीय दल से काफी उम्मीद है।

मानसिक रूप से मजबूत होना जरूरी

भारतीय एथलीट भी हालांकि बेहद प्रतिभाशाली हैं, लेकिन अकसर बड़े मंच पर जाकर अपना शत प्रतिशत नहीं दे पाते। नीरज, साबले, पारुल चौधरी जैसे एथलीट लगातार विदेशों में ट्रेनिंग करने जाते हैं। पेरिस ओलंपिक से पहले भी भारत सरकार ने सभी एथलीटों को विदेश ट्रेनिंग के लिए भेजा था, लेकिन वे बड़े इवेंट का दबाव नहीं झेल पाते हैं।

भारत के लिए बड़ा मौका...

24 मई को नीरज चोपड़ा क्लासिक: भारत पहली बार भाला फेंक के अंतरराष्ट्रीय स्तर के इवेंट की मेजबानी करने जा रहा है। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज के नाम से बेंगलूरु में होने जा रहे इस इवेंट में दुनिया के शीर्ष भाला फेंक एथलीट शिरकत कर रहे हैं।

वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप: नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में इस साल 26 सितंबर से 5 अक्टूबर तक वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप का आयोजन किया जाएगा। भारत पहली बार एथलेटिक्स में किसी विश्व स्तरीय इवेंट की मेजबानी करेगा।

शतरंज: रेटिंग में सुधार करने का मौका

सुपरबेट क्लासिक में चुनौती पेश करेंगे भारत के गुकेश

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

बुकारेस्ट (रोमानिया). विश्व चैंपियन डी गुकेश बुधवार से शुरू हो रहे सुपरबेट क्लासिक शतरंज टूर्नामेंट में शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी होंगे जहां यह दिग्गज युवा खिलाड़ी अपने करियर में पहली बार 2800 रेटिंग का आंकड़ा पार करने के लिए चुनौती पेश करेंगे। यह टूर्नामेंट इस साल ग्रैंड चेस टूर में क्लासिकल शतरंज के तहत पहली प्रतियोगिता है। दुनिया में तीसरे नंबर के खिलाड़ी गुकेश की राह हालांकि आसान नहीं होगी क्योंकि सभी नौ टूर प्रतिभागी पहले टूर्नामेंट में एक साथ प्रतिस्पर्धा करेंगे। मेजबान देश के डेक बोगदान-डेनियल को वाइल्ड कार्ड दिया गया है।

तीन महीने के ब्रेक के बाद वापसी

जनवरी में टाटा स्टील मास्टर्स में दूसरे स्थान पर रहने के बाद गुकेश तीन महीने से अधिक समय के बाद क्लासिकल प्रतियोगिता में खेलते नजर आएंगे। गुकेश के अभी 2787 अंक हैं और यहां अच्छे प्रदर्शन की बदौलत वह 2800 रेटिंग अंक की उपलब्धि हासिल कर सकते हैं। विश्व चैंपियन गुकेश के अलावा आर प्रग्गनानंदा इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाले एक अन्य भारतीय हैं।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स: 6 स्वर्ण समेत 8 पदक जीते

हर्षिता, आदित्य और मयंक के दम से राजस्थान शीर्ष पर

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

निशानेबाज मयंक चौधरी

जयपुर. राजस्थान के खिलाड़ियों का खेलो इंडिया यूथ गेम्स में शानदार प्रदर्शन का सिलसिला जारी है। खेलों के दूसरे दिन हर्षिता जाखड़ ने साइक्लिंग में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण पदक जीते। राजस्थान छह स्वर्ण व दो रजत पदक समेत कुल आठ पदक जीतकर अंकतालिका में शीर्ष पर रह। हर्षिता ने साइक्लिंग में 7.5 किमी स्क्रैच रेस और 500 मीटर टाइम ट्रायल स्पर्धा में खिताब जीते। वहीं उनके चचेरे भाई आदित्य जाखड़ ने एक किलोमीटर टाइम ट्रायल रेस में स्वर्ण पदक जीता। इससे पहले मयंक चौधरी ने 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता।

तैराकी में अदिति का दबदबा: इस बीच महाराष्ट्र की अदिति सतीश हेगडे ने तैराकी में अपना दबदबा कायम करते हुए तीसरा स्वर्ण पदक जीता। अदिति ने 400 मीटर बटरफ्लाई और 100 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा में बाजी मारी। गया में आयोजित तैराकी प्रतियोगिता में अदिति कुल तीन स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं।

मुंबई लीग: नीलामी में म्हात्रे, रघुवंशी और कोटियन पर होंगी नजरें

मुंबई @ पत्रिका. टी-20 मुंबई लीग की नीलामी में बुधवार को जब 280 खिलाड़ियों की बोली लगेगी तो उभरते सितारे आयुष म्हात्रे, अंगकृष रघुवंशी और तनुश कोटियन आकर्षण का केंद्र होंगे। आठ टीमों वाली लीग का तीसरा सत्र 26 मई से आठ जून तक वानखेड़े स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। आइपीएल के वर्तमान सत्र में शानदार प्रदर्शन करके क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी तरफ खींचने वाले 17 वर्षीय म्हात्रे के अलावा रघुवंशी, कोटियन और मुशीर खान पर भी बड़ी बोली लगने की संभावना है। इस पूल में घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले सिद्धेश लाड और शम्स मुलानी जैसे खिलाड़ी भी शामिल हैं।

आयुष म्हात्रे

आइपीएल 2025: गुजरात ने डकवर्थ लुइस नियम से 3 विकेट से दर्ज की जीत

बारिश के खलल के बीच रोमांचक टक्कर में गुजरात ने मुंबई को हराया

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

मुंबई. गुजरात टाइटंस ने बारिश के कई बार खलल डालने के बावजूद बेहद रोमांचक मुकाबले में मुंबई इंडियंस को उसके घरेलू मैदान पर डकवर्थ लुइस नियम के तहत तीन विकेट से हराकर अंकतालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। मंगलवार को यहां खेले गए आइपीएल 2025 के मैच में गुजरात ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ टॉस जीतकर पहले फील्डिंग का फैसला किया था। गुजरात के गेंदबाजों ने मुंबई को 20 ओवर में 8 विकेट पर 155 रन के स्कोर पर रोक दिया था।

इसके बाद मैच में बार-बार बारिश ने खलल डाला। गुजरात को संशोधित 19 ओवर में 147 रन का लक्ष्य दिया गया। बारिश शुरू होने से पहले गुजरात टीम 18 ओवर में 6 विकेट खोकर 132 रन बना चुकी थी और उसे 12 गेंदों में 23 रन की दरकार थी। लेकिन बारिश ने फिर खलल डाला और काफी देर तक मैच रुका रहा। मुंबई को 19 ओवर में संशोधित 147 रन का लक्ष्य मिला जो उसने 7 विकेट खोकर हासिल कर लिया।

रोहित-हार्दिक रहे फ्लॉप: मुंबई के कप्तान हार्दिक पांड्या और स्टार ओपनर रोहित शर्मा यहां कुछ खास नहीं कर पाए। रोहित जहां सात रन बनाकर अरशद खान की गेंद पर प्रसिद्ध कृष्णा को कैच थमा बैठे, वहीं हार्दिक (1) को साई किशोर ने शुभमन गिल के हाथों कैच कराया।

गिल की कप्तानी पारी: गुजरात की टीम ने हालांकि अच्छी शुरुआत की थी। कप्तान शुभमन गिल ने 43 रन बनाए और जोस बटलर (30) के साथ दूसरे विकेट के लिए 72 रन की साझेदारी की। मुंबई के लिए ट्रेंट बोल्ट, जसप्रीत बुमराह और अश्वनी ने दो-दो विकेट चटकाए।

गुजरात के कप्तान शुभमन गिल शॉट लगाते हुए।

स्कोर बोर्ड

मुंबई पारी 20 ओवर में 155/8

बल्लेबाज	रन	गेंद	4	6
रिकेल्टन कॉ सुदर्शन बो सिराज	02	02	00	00
रोहित कॉ प्रसिद्ध बो अरशद	07	08	01	00
जैक्स कॉ सुदर्शन बो राशिद	53	35	05	03
सूर्या कॉ शाहरुख बो किशोर	35	24	05	00
तिलक कॉ गिल बो कोएत्जे	07	07	00	00
हार्दिक कॉ गिल बो किशोर	01	03	00	00
धीर कॉ गिल बो प्रसिद्ध	07	10	01	00
कार्बिन बोश रनआउट	27	22	01	02
दीपक चाहर नाबाद	08	08	01	00
करण शर्मा नाबाद	01	01	00	00

अतिरिक्त: 7. **विकेट पतन:** 1-2, 2-26, 3-97, 4-103, 5-106, 7-123, 8-150.
गेंदबाजी: सिराज 3-0-29-1, अरशद खान 3-0-18-1, प्रसिद्ध कृष्णा 4-0-37-1, साई किशोर 4-0-34-2, राशिद खान 4-0-21-1, गेराल्ड कोएत्जे 2-0-10-1.

गुजरात पारी संशोधित लक्ष्य 19 ओवर में 147/7

बल्लेबाज	रन	गेंद	4	6
साई कॉ रिकेल्टन बो बोल्ट	05	05	01	00
गिल बो बुमराह	43	46	03	01
बटलर कॉ रिकेल्टन बो अश्वनी	30	27	03	01
रदरफोर्ड एलबीडब्ल्यू बो बोल्ट	28	15	02	02
शाहरुख बो बुमराह	06	06	01	00
तेवतिया नाबाद	11	08	03	00
राशिद एलबीडब्ल्यू बो अश्वनी	02	03	00	00
कोएत्जे कॉ धीर बो चाहर	12	06	01	01
अरशद खान नाबाद	01	01	00	00

अतिरिक्त: 9. **विकेट पतन:** 1-6, 2-78, 3-27, 4-115, 5-123, 6-126, 7-146.
गेंदबाजी: चाहर 3-0-32-1, बोल्ट 4-0-22-2, बुमराह 4-0-19-2, हार्दिक पांड्या 1-0-18-0, करण शर्मा 2-0-13-0, अश्वनी कुमार 4-0-28-2, विल जैक्स 1-0-15-0.

अंक तालिका

रैंक टीम	मैच	जीत	हार	अंक	नेट रन रेट
1. गुजरात	11	08	03	16	+0.793
2. बेंगलूरु	11	08	03	16	+0.482
3. पंजाब	11	07	03	15	+0.376
4. मुंबई	12	07	05	14	+1.156
5. दिल्ली	11	06	04	13	+0.362
6. कोलकाता	11	05	05	11	+0.249
7. लखनऊ	11	05	06	10	-0.469
8. हैदराबाद	11	03	07	07	-1.192
9. राजस्थान	12	03	09	06	-0.718
10. चेन्नई	11	02	09	04	-1.117

मैच रद्द: केकेआर-पंजाब, हैदराबाद-दिल्ली को 1-1 अंक मिला। अंकतालिका 06 मई के मैच तक की है।

ऑरेंज कैप

खिलाड़ी	टीम	रन
सूर्या	मुंबई	510
साई	गुजरात	509
गिल	गुजरात	508

पर्पल कैप

खिलाड़ी	टीम	विकेट
प्रसिद्ध	गुजरात	20
हेजलवुड	आरसीबी	18
बोल्ट	मुंबई	18

आज का मुकाबला
चेन्नई और केकेआर के बीच होगी टक्कर
प्रसारण: शाम 7.30 बजे से

त्रिकोणीय वनडे सीरीज: द. अफ्रीका से मैच आज

फाइनल में जगह बनाना होगा भारतीय महिला टीम का लक्ष्य

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

कोलंबो. भारतीय महिला टीम बुधवार को जब यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ त्रिकोणीय वनडे सीरीज के मैच में उतरेगी तो उसका लक्ष्य 11 मई को होने वाले फाइनल मुकाबले में जगह पक्की करना होगा। भारत को सीरीज में अपने पिछले मैच में मेजबान श्रीलंका के हाथों शिकस्त झेलनी पड़ी थी। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम को लगातार आठ मैच जीतने के बाद हार मिली थी। भारतीय टीम हालांकि अब भी अपने बेहतर रन रेट के कारण फाइनल में पहुंचने की प्रबल दावेदार है लेकिन वह अपने अगले मैच में जीत हासिल करके इस मुकाम पर पहुंचना चाहेगी।

शीर्ष पर है भारत

भारतीय टीम तीन मुकाबलों में चार अंक हासिल करके अंक तालिका में शीर्ष पर है। वे दूसरे स्थान पर मौजूद श्रीलंका से आगे हैं, जिसके भी चार अंक हैं लेकिन उसका नेट रन रेट -0.166 है। भारत का नेट रन रेट 0.433 है। दक्षिण अफ्रीका की टीम ने अभी तक कोई मैच नहीं जीता है लेकिन उसे अभी दो मैच खेलने हैं और इनमें जीत हासिल करने पर वह भी फाइनल में जगह बना सकती है।

गौतम गंभीर बोले

आइसीसी इवेंट में भी पाक से नहीं खेले भारत

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद एशिया कप और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आइसीसी) स्पर्धाओं सहित किसी भी मंच पर पाकिस्तान के साथ क्रिकेट संबंधों को पूरी तरह से रोकने का मंगलवार को आह्वान किया। एक कार्यक्रम के दौरान गंभीर ने कहा कि भारतीय टीम को सीमा पार आतंकवाद खत्म होने तक चिर प्रतिद्वंद्वी टीम के साथ नहीं खेलना चाहिए। गौरतलब है कि भारत और पाकिस्तान के बीच 2007 के बाद कोई द्विपक्षीय सीरीज नहीं हुई है। दोनों टीमें अकसर एशिया व आइसीसी के टूर्नामेंटों में ही आमने-सामने होती हैं।

इटेलियन ओपन टेनिस: इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद कोई टूर्नामेंट नहीं खेले

तीन महीने का बैन खत्म होने के बाद घरेलू दर्शकों के सामने वापसी करेंगे जेनिक सिनर

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

रोम. विश्व के नंबर एक पुरुष एकल खिलाड़ी जेनिक सिनर पर डोपिंग के आरोप में लगा तीन महीने का प्रतिबंध सोमवार को समाप्त हो गया और वह अपने घरेलू टूर्नामेंट इटेलियन ओपन से कोर्ट पर वापसी करने के लिए तैयार हैं। सिनर ने इस साल के शुरू में लगातार दूसरी बार ऑस्ट्रेलियाई ओपन ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के बाद कोई टूर्नामेंट नहीं खेला है। उन्हें विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी के साथ हुए समझौते के तहत तीन महीने का प्रतिबंध झेलना पड़ा था।

पहला मौका: इटेलियन ओपन में यह पहला मौका होगा जब कोई स्थानीय खिलाड़ी विश्व नंबर एक के रूप में शिरकत करेगा। इटेलियन ओपन टूर्नामेंट 25 मई से शुरू होने वाले साल के दूसरे ग्रैंड स्लेम टूर्नामेंट फ्रेंच ओपन से पहले तैयारियों के लिहाज से काफी अहम है। शीर्ष वरीयता प्राप्त सिनर को पहले दौर में बाई मिली है।

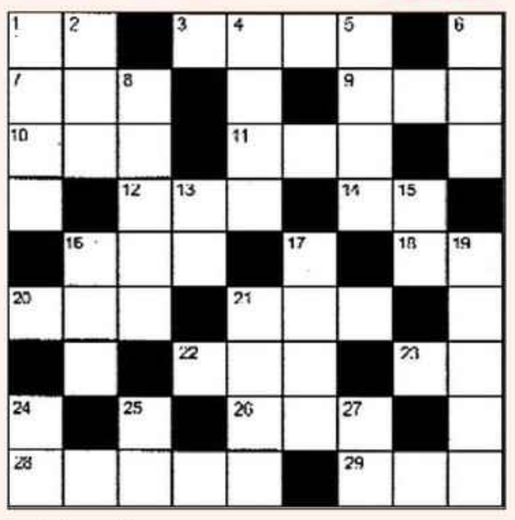

आज का पोल

क्या कोलकाता नाइटराइडर्स की टीम चेन्नई के खिलाफ जीत की लय कायम रखेगी?

YES NO

हमारे ट्विटर/फेसबुक पेज पर जाएं और विस्तार से अपनी राय रखें। 𝕏 @PatrikaNews

मंगलवार का जवाब

हां 70% नहीं 30%

पिछला सवाल: क्या मुंबई की टीम गुजरात के हाथों इस सीजन मिली हार का हिसाब बराबर करेगी?

वनडे सीरीज के लिए वेस्टइंडीज टीम घोषित

एंटीगुआ. वेस्टइंडीज ने 21 मई से शुरू होने वाले आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए 15 सदस्यीय वनडे टीम की घोषणा कर दी है। शाई होप की अगुवाई वाली टीम 21 से 25 मई तक आयरलैंड और 29 मई से 3 जून तक इंग्लैंड के खिलाफ 3 वनडे खेलेगी।

फर्श से अर्श पर // विश्व स्नूकर चैंपियनशिप जीतने वाले चीन के पहले खिलाड़ी बने 28 साल के झाओ

शिनटोंग...फिक्सिंग के आरोप में 20 महीने का प्रतिबंध झेला, अब बने विश्व चैंपियन

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

शेफील्ड (इंग्लैंड). चीन के युवा क्यू (स्नूकर व बिलियर्ड्स) खिलाड़ी झाओ शिनटोंग दो साल पहले खेल इतिहास के सबसे बड़े मैच फिक्सिंग कांड में दोषी पाए गए थे, जिसके बाद उन पर 20 महीने का प्रतिबंध लगाया गया था। लग रहा था कि उनका करियर खत्म हो चुका है और अब वे इस खेल में कभी नहीं लौट पाएंगे। लेकिन चीनी खिलाड़ी ने सितंबर, 2024 में एमेच्योर खिलाड़ी के तौर पर फिर से शुरुआत की और नौ महीने के भीतर वर्ल्ड स्नूकर चैंपियन बनकर सबको हैरान कर दिया। 28 साल के झाओ ने बेहद रोमांचक मुकाबले में वेल्स के 50 वर्षीय खिलाड़ी मार्क विलियम्स को 18-12 से शिकस्त दी।

28 साल के झाओ से हारे *50 साल के विलियम्स*

18-12 से हराया वेल्स के *मार्क विलियम्स को*

5.62 करोड़ रुपए मिले विश्व *विजेता चीन के शिनटोंग को*

48 मुकाबलों में से 46 में दर्ज की जीत

पिछले साल सितंबर में वापसी के बाद झाओ ने मैनचेस्टर, स्वीडन, ऑस्ट्रिया और बेल्जियम में इवेंट जीते। विश्व चैंपियनशिप में चीनी खिलाड़ी ने चार क्वालीफाइंग राउंड पार किए और सेमीफाइनल में जैक जोंस और क्रिस वेकलिन को हराया। उन्होंने प्रतिबंध से लौटने के बाद अपने 48 मैचों में 46वीं जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ही झाओ को अगले सत्र में एलीट टूर में वापसी का टिकट मिल गया है।

चीन के झाओ शिनटोंग विश्व चैंपियन बनने के बाद ट्रॉफी के साथ।

क्वालीफायर के तौर पर उतरे और विजेता बने

झाओ इस टूर्नामेंट में क्वालीफायर खिलाड़ी के तौर पर उतरे थे और चैंपियन बने। 1977 में शुरू हुए इस टूर्नामेंट के बाद वे क्वालीफायर के तौर पर खिताब जीतने वाले तीसरे खिलाड़ी हैं। उनसे पहले टेरी ग्रिफिथ्स और शॉन मर्फी यह कमाल कर चुके हैं।

दूसरे खिलाड़ी के मैच फिक्स किए व सट्टा लगाया: 2021 में झाओ ने यूके चैंपियनशिप और 2022 में जर्मन मास्टर्स जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। हर कोई उन्हें दुनिया के शीर्ष खिलाड़ियों में देख रहा था कि अचानक मैच फिक्सिंग कांड का खुलासा हुआ। 2023 में चीन के 10 खिलाड़ियों पर जांच के बाद मैच फिक्सिंग के आरोप सिद्ध किए गए। उनमें झाओ भी शामिल थे। झाओ ने दूसरे खिलाड़ी के दो मैच फिक्स करने और मैचों पर सट्टा लगाने के आरोप स्वीकार किए।

CROSSWORD (वर्ग पहेली) 7335...

बाएं से दाएं... 1. ईद के दिन मित्रों एवं संबंधियों को दी जाने वाली सौगात (2), 3. रोजे का महीना (4), 7. मसि पात्र (3), 9. दान, खैरात (3), 10. सैनिक टुकड़ी (3), 11. कोठरी, कक्ष (3), 12. पुत्र, आनंद देने वाला (3), 14. गर्व, अदा (2), 16. भयभीत, अधीर (3), 18. बुरी आदत, चस्का (2), 20. छुरा (3), 21. बसावट, जनसंख्या (3), 22. इच्छा (3), 23. वित्त (2), 26. दूसरा, और (3), 28. पालन-पोषण (5), 29. तरुणाई, यौवन (3)

ऊपर से नीचे... 1. ईद के दिन नमाज पढ़ने की जगह (4), 2. भीत (3), 4. हंसी ठट्ठा के रूप में (4), 5. अग्रिम भुगतान, भेंट स्वरूप दी गई वस्तु आदि (4), 6. आशंका, जोखिम (3), 8. उसके बाद, उसके उपरांत (5), 13. मूल्य, कीमत (2), 15. पानी, नीर (2), 16. अंजन (3), 17. पूजा, उपासना (4), 19. राज्यारोहण (5), 21. सजावट, शृंगार (4), 24. वालिद, पिता (2), 25. जंगल, वन (2), 27. मिट्टी के कण, धूल (2)

हल 7334

SUDOKU 7070...

		7	8		2	3		4
9	3							
	4		3				6	7
			9					2
7		1		6		9		
3				7	1		4	5
	5		7					6
8		6					3	
		4			6			1

हल 7069

2	5	7	6	8	1	4	3	9
4	8	3	9	5	2	6	7	1
1	9	6	3	4	7	2	8	5
6	7	1	5	9	8	3	2	4
5	2	8	4	7	3	9	1	6
3	4	9	2	1	6	7	5	8
9	3	4	8	2	5	1	6	7
8	1	2	7	6	9	5	4	3
7	6	5	1	3	4	8	9	2

कैसे खेलें: वर्ग को 1 से 9 तक अंकों से ऐसे भरें कि आड़ी व खड़ी पंक्ति के साथ ही 3 गुणा 3 के बॉक्स में 1 से 9 तक अंक आएं। कोई अंक दुबारा नहीं आए।

मॉक ड्रिल देश के 244 जिलों में किया जाएगा अभ्यास, नागरिकों से सहयोग की अपेक्षा

संकटकाल में राहत और बचाव की तैयारी परखेगा देश

श्रीनगर. डल झील पर मंगलवार को मॉक ड्रिल का अभ्यास करते एसडीआरएफ के जवान। **जम्मू.** एक सरकारी स्कूलों में बेंच के नीचे झुककर और प्रांगण में बच्चों ने अभ्यास किया।

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. देश में बुधवार को 244 सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट (नागरिक सुरक्षा जिले) में मॉक ड्रिल होगी। इसका मकसद नागरिकों की आपातकालीन तैयारियों की परखना है, ताकि संकट की स्थिति में घबराएं नहीं। यह अभ्यास केंद्र, राज्य और जिला स्तर पर प्रशासनिक और सुरक्षा एजेंसियों के बीच समन्वय को बढ़ाने में मदद करता है। पुरानी रणनीति और चेतावनी प्रणाली को अपडेट करने का अवसर मिलता है। पंजाब के फिरोजपुर छावनी में हालांकि रविवार-सोमवार रात ब्लैकआउट प्रैक्टिस की गई। इस दौरान गांवों और मोहल्लों में रात 9 बजे से 9: 30 बजे तक बिजली बंद रही। अधिकारियों ने लोगों को अभ्यास के दौरान संयमित रहने और स्थानीय अधिकारियों द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करने का निर्देश दिया है। नागरिकों से पानी, दवा और टॉर्च जैसी आवश्यक वस्तुओं को अपने पास रखने का आग्रह किया जाता है। मॉक ड्रिल को नागरिक गंभीरता से लें।

कहां-कहां सायरन?

- ☐ सरकारी भवन
- ☐ प्रशासनिक भवन
- ☐ पुलिस मुख्यालय
- ☐ फायर स्टेशन
- ☐ सैन्य ठिकाने
- ☐ बड़े बाजार
- ☐ भीड़भाड़ वाली जगह

यह भी जानिए

मॉक ड्रिल एक अभ्यास है। इससे दैनिक कार्यों पर कोई असर नहीं होगा। सबकुछ अन्य दिनों की तरह सामान्य रहेगा। केंद्रीय गृह मंत्रालय और स्थानीय प्रशासन की सूचनाओं पर ध्यान रखें।

- **स्कूल :** कहीं भी स्कूल-कॉलेज बंद नहीं होंगे।
- **बैंक :** बैंक और एटीएम आम दिनों की तरह काम करेंगे।
- **इंटरनेट :** इंटरनेट पर किसी तरह की पाबंदी नहीं होगी। फोन कॉल भी बाधित नहीं होंगे।
- **अस्पताल :** अस्पताल और दवा की दुकानें आम दिनों की तरह खुली रहेंगी।
- **दफ्तर :** सरकारी और निजी ऑफिस खुले रहेंगे।

इसके लिए तैयार रहें

अस्थायी रूप से बिजली कटौती, सिग्नल ब्लैकआउट या यहां तक कि कुछ पुलिस यातायात के मार्ग बदला जा सकता है। मोबाइल अधिकारी सार्वजनिक घोषणाएं और निकासी सिमुलेशन भी कर सकते हैं। सुरक्षा बल कुछ स्थानों पर छद्म युद्ध आपातकाल में भी शामिल हो सकती हैं।

मॉक ड्रिल में क्या-क्या होगा

1. **हवाई हमले का सायरन बजेगा:** मॉक ड्रिल के दौरान एयर स्ट्राइक/हवाई हमले की चेतावनी देने वाला सायरन बजाया जाएगा। इमरजेंसी में यह अलार्म सिस्टम लोगों को हवाई हमले के प्रति सचेत करता हैं ताकि लोग सेफ प्लेस पर पहुंच जाएं।
2. **नागरिकों को ट्रेनिंग:** लोगों के लिए स्कूल, ऑफिस व कम्युनिटी सेंटर्स में वर्कशॉप होंगी। यहां सिखाया जाएगा कि हमले के दौरान क्या करें। जैसे- 'ड्रॉप एंड कवर' तकनीक (झुककर छिप जाओ और कान बंद कर लो), नजदीकी शेल्टर का पता लगाना, प्राथमिक चिकित्सा देना और तनाव के समय शांत रहना सिखाया जाएगा।
3. **क्रैश ब्लैकआउट:** देश में अचानक ब्लैकआउट की प्रैक्टिस की जाएगी। इसमें लाइट कट कर दी जाएगी। रोशनी वाले उपकरण बंद कर दिए जाएंगे ताकि हमले के दौरान दुश्मन की नजर से बचा जा सके। 1971 में बांग्लादेश मुक्ति युद्ध के दौरान क्रैश ब्लैकआउट का पालन किया गया था।
4. **कैमोफ्लाज एक्सरसाइज:** कैमोफ्लाज एक्सरसाइज यानी सैन्य ठिकानों, संसद, संचार टावरों और बिजली संयंत्रों जैसी रणनीतिक इमारतों और प्रतिष्ठानों को इस तरह ढक दिया जाएगा कि सैटेलाइट या हवाई निगरानी के दौरान पहचाना ना जा सके।
5. **इवैकुएशन ड्रिल्स:** अधिकारी अधिक जोखिम वाले क्षेत्रों से लोगों को सुरक्षित क्षेत्रों पर ले जाने की प्रैक्टिस करेंगे। इवैकुएशन ड्रिल्स में इमरजेंसी में सभी संभावित परेशानियों की पहचान कर संचालन को सुचारू करने में मदद मिलेगी।
6. **मॉक ड्रिल के बाद क्या होगा:** मॉक ड्रिल के बाद राज्य व केंद्र शासित प्रदेशों को एक्शन टेकन रिपोर्ट पेश करनी होगी। रिपोर्ट में एक्शन, कार्यान्वयन, निष्कर्ष व सुधार के क्षेत्रों का विवरण होगा।

चमोली. उत्तराखंड के चमोली में स्कूल सुरक्षा कार्यक्रम में ट्रेनिंग देते एनडीआरएफ के जवान।

ढाई किलोमीटर तक सुनाई देता है सायरन

सायरन बजने पर तत्काल सुरक्षित स्थानों पर जाएं। अधिकतम 5 से 10 मिनट की दूरी पर घर या अन्य सुरक्षित इमारतों की तरफ जाएं। खुले स्थानों से हट जाएं। इस दौरान पैनिक न हों और टीवी, रेडियो पर सरकारी अलर्ट्स को सुनें। सायरन आमतौर पर 120 से 140 डेसिबल की आवाज करता है, जो दो से ढाई किलोमीटर तक सुनाई देते हैं।

जोखिम के अनुसार क्षेत्रों का वर्गीकरण

- **अंतरराष्ट्रीय सीमाओं से निकटता:** पंजाब, राजस्थान, गुजरात और जम्मू एवं कश्मीर के जिलों को प्राथमिकता दी गई है।
- **महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे:** रक्षा प्रतिष्ठान, बिजली ग्रिड, रिफाइनरियां, बंदरगाह और संचार नेटवर्क वाले क्षेत्र शामिल हैं।
- **घनी आबादी का जोखिम:** बड़े शहरों के निशाना बनने की आशंका को देखते हुए घनी आबादी वाले इलाकों में जागरूकता जरूरी है।
- **तटीय संवेदनशीलता:** तटीय जिलों, विशेषकर समुद्री खतरों से प्रभावित जिलों, की रक्षा में उनकी रणनीतिक भूमिका पर जोर दिया जाता है।

पत्रिका एक्सप्लेन

मॉक ड्रिल क्या होती है?

नागरिक सुरक्षा मॉक ड्रिल एक पूर्व-निर्धारित अभ्यास होता है, जिसमें एक काल्पनिक आपातकालीन स्थिति का सामना किया जाता है। यह अभ्यास युद्ध, आतंकी हमले, भूकंप, रासायनिक दुर्घटनाओं, बाढ़ या आग जैसी स्थितियों में नागरिकों और प्रशासन की तत्परता को परखता है। इसमें रेस्क्यू, प्राथमिक इलाज, निकासी और समन्वय का अभ्यास किया जाता है।

पहले कब हुई देशव्यापी मॉक ड्रिल?

1971 में भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान इस तरह की व्यापक मॉक ड्रिल हुई थी। 54 साल बाद नागरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक बार फिर मॉक ड्रिल हो रही है।

आप क्या करें?

- पानी, दवाइयां और टॉर्च जैसी बुनियादी आपूर्ति तैयार रखें।
- सोशल मीडिया पर अफवाहों या असत्यापित खबरें साझा करने से बचें।
- यदि बिजली या इंटरनेट कुछ समय के लिए बंद हो जाए तो घबराएं नहीं
- आधिकारिक अपडेट के लिए रेडियो या सरकारी चैनल सुनें।

मॉक ड्रिल कहां?

देश के 25 राज्यों के कुल 244 सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट को एक से तीन श्रेणी के बीच रखा गया है। दरअसल, गृह मंत्रालय ने देश के कुल 35 राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों में 259 सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट की सूची तैयार की थी। हालांकि, सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट को सामान्य प्रशासनिक जिले नहीं कहा जा सकता।

कौन-कौन होते हैं शामिल?

मॉक ड्रिल में जिला प्रशासन समन्वय और निगरानी करता है, होम गार्ड्स और सिविल डिफेंस वार्डन अभ्यास का संचालन करते हैं। एनसीसी, एनएसएस, एनवाईकेएस, स्काउट्स और छात्र सामुदायिक जागरूकता में भाग लेते हैं। अर्धसैनिक बल, पुलिस, एनडीआरएफ, अग्निशमन व स्वास्थ्य विभाग तकनीकी सहायता प्रदान करते हैं, जबकि रेडक्रॉस, 108 एम्बुलेंस सेवाएं और स्थानीय आपदा प्रबंधन दल चिकित्सा सहायता और राहत कार्यों में शामिल होते हैं।

भाजपा कार्यकर्ता बनेंगे मददगार

नई दिल्ली @ ब्यूरो. मॉक ड्रिल के लिए भाजपा ने भी तैयारी तेज कर दी है। भाजपा ने 12 करोड़ कार्यकर्ताओं से वालंटियर बनने की अपील की है। राहत एवं बचाव कार्य में पार्टी कार्यकर्ता सहयोग करेंगे। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने देशभर में होने वाली मॉक ड्रिल में भी भाग लेने की अपील की है। सभी प्रदेश अध्यक्षों से बूथ लेवल तक अपील पहुंचाने को कहा गया है। भाजपा के कार्यकर्ता गांव गांव जाकर नागरिकों को संकट की स्थिति में बचाव की ट्रेनिंग देंगे। भाजपा शीर्ष नेतृत्व ने सभी सांसदों को मॉक ड्रिल के दौरान आम आदमी की तरह हिस्सा लेने का निर्देश दिया है। साथ ही पार्टी ने सभी चुने हुए जनप्रतिनिधियों को भी निर्देश दिया है कि वे मॉक ड्रिल में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें।

सुप्रीम कोर्ट: महाराष्ट्र में निकाय आरक्षण पर टिप्पणी

'आरक्षण बना ट्रेन की बोगी, जो घुस गए वे नहीं चाहते दूसरे आएं'

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को अंतरिम आदेश जारी कर महाराष्ट्र में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के 2022 में लागू आरक्षण को शामिल करते हुए चार माह में स्थानीय निकाय चुनाव करवाने के निर्देश दिए। राज्य में सुप्रीम कोर्ट की रोक के कारण तीन साल से चुनाव रुके हुए थे। बेंच में जस्टिस एनके सिंह के साथ सुनवाई कर रहे जस्टिस सूर्यकांत ने टिप्पणी की कि इस देश में आरक्षण ट्रेन के उस डिब्बे की तरह हो गया है, इसमें जो घुस गए, वह फिर दूसरे को अंदर नहीं आने देना चाहते, यही पूरा खेल है। जस्टिस सूर्यकांत ने यह टिप्पणी तब की जब याचिकाकर्ता के अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायण ने कहा कि बांठिया आयोग ने बिना राजनीतिक पिछड़ेपन का पता लगाए ओबीसी को आरक्षण की सिफारिश की। जस्टिस सूर्यकांत की टिप्पणी पर शंकरनारायण ने कहा, और बोगियां जोड़ी जा रही हैं। इस पर जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि जब आप समावेशिता के सिद्धांत का पालन करते हैं, तो सरकार और अधिक वर्गों की पहचान करने के लिए बाध्य हैं।

याचिका के अध्यधीन रहेंगे चुनाव

कोर्ट ने कहा कि लंबे समय से लंबित स्थानीय निकाय चुनावों को ओबीसी आरक्षण के मुद्दे के कारण और विलंबित नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने कहा कि चार सप्ताह में चुनाव की अधिसूचना जारी की जाए और चार माह में चुनाव करवाए जाएं।

एक्शन: देश में पहली बार बड़ी कार्रवाई, और भेजेंगे

गुजरात से 500 से अधिक बांग्लादेशी घुसपैठिए डिपोर्ट

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

अहमदाबाद. गुजरात से अवैध बांग्लादेशियों को डिपोर्ट करने की प्रक्रिया आरंभ कर दी गई है। बताया जाता है कि 500 से अधिक अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों को वापस उनके देश भेजा गया। देश से इतनी बड़ी संख्या में बांग्लादेशी घुसपैठियों को डिपोर्ट किए जाने की संभवतः यह पहली कार्रवाई है। सूत्रों के मुताबिक गुजरात से दो चरणों में इन्हें उनके देश वापस भेजा गया।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद सतर्क देश की सुरक्षा एजेंसियों ने विभिन्न राज्यों में अवैध रूप से रह रहे पाकिस्तानी व बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। इसी दिशा में गुजरात सरकार ने राज्य भर में अवैध रूप से रह रहे सैंकड़ों बांग्लादेशियों को पकड़ा। इनमें से अहमदाबाद के चंडोला तालाब में सबसे बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से रह रहे कई बांग्लादेशियों को पकड़ा गया। शहर में करीब 210 अवैध बांग्लादेशियों को पकड़ा गया। अहमदाबाद के अलावा सूरत, वडोदरा, राजकोट व कच्छ जिले में भी अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ कार्रवाई की गई। बताया जाता है कि जांच-पड़ताल के बाद इनमें से 500 से अधिक बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान की गई। इसके बाद उन्हें उनके देश वापस भेज दिया गया है।

वडोदरा. पकड़े गए बांग्लादेशी घुसपैठिए।

विशेष विमानों से भेजा

घुसपैठियों को दो विशेष विमानों के जरिए अगरतला भेजा गया। वहां से उन्हें सीमा पार बांग्लादेश में धकेलने की प्रक्रिया की जा रही है। डिपोर्ट किए जाने वाले इन अवैध बांग्लादेशियों के वीडियो बयान दर्ज किए गए। साथ ही इनसे यह भी लिखवाया गया कि ये बांग्लादेशी नागरिक हैं।

यूएनडीपी

भारत की एचडीआइ रैंकिंग में सुधार, असमानता चुनौती

नई दिल्ली @ पत्रिका. संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) की मंगलवार को जारी वर्ष 2025 की मानव विकास रिपोर्ट (एचडीआर) में भारत ने तीन अंकों की छलांग लगाते हुए 193 देशों में 130वां स्थान प्राप्त किया है। वर्ष 2022 में भारत की एचडीआइ रैंकिंग 133 थी, जो 2023 में बढ़कर 130 हो गई, और उसका एचडीआइ मूल्य 0.676 से बढ़कर 0.685 हो गया। हालांकि भारत अब भी मध्यम मानव विकास श्रेणी में है, लेकिन वह उच्च विकास की सीमा (0.700 के बराबर या अधिक) के करीब पहुंच गया है। हालांकि असमानता के चलते भारत की एचडीआइ में 30.7% की कटौती भी हुई है, जो पूरे क्षेत्र में सबसे अधिक है। स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र में असमानता में कमी आई है, पर आय और लैंगिक अंतर अब भी चुनौती बने हुए हैं। रिपोर्ट ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) को भारत के लिए अवसर बताया है।

वार-पलटवार: भाजपा ने खरगे को बताया मीर जाफर, कहा - माफी मांगो

खुफिया सूचना पर प्रधानमंत्री का दौरा रद्द तो पर्यटकों की सुरक्षा क्यों नहीं की गई: खरगे

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. पहलगाम हमले के गुनहगारों को दंडित करने के लिए एक ओर देश में जंग की तैयारियां चल रही हैं वहीं दूसरी ओर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। रांची में मंगलवार को एक रैली में खरगे ने पीएम मोदी की 19 अप्रेल की श्रीनगर यात्रा के स्थगन को पहलगाम हमले से जोड़ा। उन्होंने अखबारों की खबरों के हवाले से दावा किया कि हमले से तीन दिन पहले पीएम मोदी को एक खुफिया रिपोर्ट भेजी गई थी जिसके बाद दौरा रद्द किया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि खुफिया इनपुट के बाद पर्यटकों की सुरक्षा की व्यवस्था क्यों नहीं की गई?

भाजपा ने मांगे सबूत

बयान पर भाजपा ने खरगे और कांग्रेस पर जोरदार हमला बोला है। भाजपा प्रवक्ता सीआर केसवन ने कहा कि खरगे ने पीएम मोदी के खिलाफ आधुनिक समय के मीर जाफर की तरह विश्वासघाती बयान दिया है जो बेबुनियाद, निराधार और निंदनीय है। खरगे की टिप्पणी अक्षम्य है। केसवन ने सबूत मांगते हुए कहा कि उन्हें ऐसी टिप्पणी के लिए किस तरह की जानकारी मिली थी।

आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट: विदेशी स्नातकों की याचिका खारिज

'मेडिकल पेशा अनुभव पर आधारित, ऑनलाइन कक्षा कोई विकल्प नहीं'

अमरावती@पत्रिका. आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने कहा है कि चिकित्सा पेशे में व्यावहारिक ज्ञान और क्लिनिकल प्रशिक्षण की जरूरत होती है, क्योंकि एक नियमित चिकित्सा पाठ्यक्रम में कौशल प्रशिक्षण, मानव शरीर रचना और रोगी की बात को समझने के लिए प्रयोगशालाओं में विच्छेदन, केस स्टडी और समस्या समाधान अभ्यास शामिल होता है, और यह सब ऑनलाइन कक्षाओं द्वारा प्रतिस्थापित नहीं किया जा सकता है। अदालत ने यह बात उस रिट याचिका को खारिज करते हुए कही, जिसमें एपी मेडिकल काउंसिल की उन याचिकाकर्ताओं को स्थायी पंजीकरण प्रमाणपत्र जारी न करने को चुनौती दी गई थी जिन्होंने विदेशों में एमबीबीएस किया था और जिन्हें अनिवार्य रोटेटिंग मेडिकल इंटर्नशिप पूरी करने को कहा गया था।

पश्चिम बंगाल: मेडिकल प्रवेश पर ईडी के छापे

कोलकाता @ पत्रिका. प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एनआरआइ कोटे से निजी मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश में अनियमितताओं और अवैध राशि के लेनदेन के मामले में मंगलवार को कोलकाता के आसपास पांच ठिकानों पर छापेमारी की। ईडी ने बल्लीगंज व न्यू टाउन में कुछ कोचिंग सेंटरों पर तलाशी ली। ईडी तहकीकात कर रही है कि ओडिशा के निजी मेडिकल कॉलेजों में एनआरआइ कोटे से प्रवेश के लिए स्थानीय छात्रों ने कोलकाता में फर्जी दस्तावेज तैयार करवाए।

पत्रिका पोल

Q बांग्लादेश में कट्टरपंथियों का 200 साल पुराने पेड़ को काटना क्या किसी भी दृष्टि से उचित ठहराया जा सकता है?

कल का सवाल था
हाईकोर्ट के फैसला सुरक्षित रखने पर सुप्रीम कोर्ट की नाराजगी क्या जल्द कोई बड़ा बदलाव लाएगी?

जवाब
88% हां 12% नहीं

क्यूआर कोड स्कैन करें...

बिहार चुनाव: जाति जनगणना से बदलेंगे विधानसभा चुनाव के सियासी समीकरण, क्या होगा सीट बंटवारे का नया फार्मूला
बिहार की प्रमुख खबरें
पढ़ने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

यूपी: अडानी पावर से बिजली खरीदेगी यूपी सरकार, कंपनी ने लगाई सबसे कम बोली, जानें कितने रुपए यूनिट पड़ेगी
उत्तर प्रदेश की प्रमुख खबरें
पढ़ने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

ट्रेंडिंग न्यूज

रोमानिया : प्रेडोइउ बने अंतरिम प्रधानमंत्री
बुखारेस्ट @ पत्रिका. रोमानिया की नेशनल लिबरल पार्टी के नेता कैटालिन प्रेडोइउ को अंतरिम प्रधानमंत्री बनाया गया है। हाल ही चुनाव में सत्ताधारी गठबंधन की हार के बाद पीएम मार्सेल ने इस्तीफा दे दिया था।

चार माह बाद लंदन से लौटी खालिदा
ढाका @ पत्रिका. बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और बीएनपी की अध्यक्ष खालिदा जिया लंदन में चार महीने इलाज करवाने के बाद मंगलवार को बांग्लादेश लौटीं। 79 वर्षीय जिला लंबेसमय से लिवर सिरोसिस, किडनी, हृदय रोग, मधुमेह और गठिया से पीड़ित हैं।

जर्मनी : मर्ज चुने गए चांसलर
बर्लिन @ पत्रिका. रूढ़िवादी नेता फ्रेडरिक मर्ज को जर्मनी का चांसलर चुन लिया गया। पहले वोट में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। लेकिन 'दूसरे मौके' के वोट में मर्ज ने 325 वोट हासिल किए, जबकि 289 सांसदों ने उनके खिलाफ वोट दिया।

यमन तीन बिजली संयंत्रों पर भी हमला, हूती के हमले का कड़ा जवाब

राजधानी सना पर इजरायल की एयर स्ट्राइक, एयरपोर्ट ध्वस्त

सना @ पत्रिका. इजरायल ने 24 घंटों से भी कम समय में दूसरी बार यमन में हूती विद्रोहियों के ठिकानों पर बड़ी एयरस्ट्राइक की है। इजरायली डिफेंस फोर्स (आइडीएफ) ने राजधानी सना के एयरपोर्ट पर हमले कर पूरी तरह नष्ट कर दिया। आइडीएफ ने बताया कि यह कार्रवाई हूती द्वारा इजरायल के बेन गुरियन हवाई अड्डे पर मिसाइल हमले के जवाब में की गई। हूदेदा पोर्ट की तरह हूती विद्रोही इस एयरपोर्ट का इस्तेमाल हथियार और आतंकवादियों को लाने-ले जाने में करते हैं। तस्वीरों में एयरपोर्ट से धुएं का गुबार दिखाई दे रहा है।

सना के एयरपोर्ट पर इजरायली हमले के बाद धुएं का उठता गुबार और जलते हुए विमान।

इजरायल के एयरपोर्ट पर हमले का बदला

आइडीएफ ने सना के के आसपास तीन बड़े बिजली संयंत्रों पर भी एयर स्ट्राइक की, जो हूती शासन के लिए एक प्रमुख ऊर्जा स्रोत हैं। इसके बाद हूती नियंत्रित बंदरगाह शहर होदेदा में बिजली गुल हो गई। हूती विद्रोहियों ने फिर धमकी दी है कि हम इसका जवाब देने से पीछे नहीं हटेंगे। अक्टूबर 2023 में गाजा युद्ध शुरू होने के बाद से यमन के हूती विद्रोहियों ने इजरायल और लाल सागर व्यापार मार्ग में जहाजों पर हमले शुरू कर दिए। रविवार को हूती ने इजरायल की राजधानी तेल अवीव के एयरपोर्ट पर मिसाइल हमला किया था।

इंदौर में हवाला: ट्रेवल्स कंपनी की सूचना पर एक गिरफ्तार

नमकीन के नाम पर कार्टन में मुंबई भेजे जा रहे थे 1.30 करोड़ रुपए

इंदौर @ पत्रिका. प्रदेश की बिजनेस कैपिटल इंदौर में हवाला कारोबार का एक बड़ा मामला सामने आया है। राजेंद्र नगर पुलिस ने टूर एंड ट्रेवल्स ऑफिस से एक पार्सल के माध्यम से मुंबई भेजे जा रहे 1.30 करोड़ रुपए जब्त किए। यह रकम नमकीन के पैकेट की आड़ में भेजी जा रही थी। मामले में पार्सल बुक कराने वाले युवक नवनीत वर्मा को गिरफ्तार किया गया है।

घबराहट देख संदेह हुआ...
नवनीत ने बोरीवली (मुंबई) भेजे जाने के लिए नमकीन के नाम पर पार्सल बुक कराया था। इस दौरान वह असहज था। उसकी घबराहट देख कर्मचारियों को संदेह हुआ। पार्सल खोला गया, तो उसमें नोटों के बंडल मिले। ट्रेवल्स कंपनी की सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई की।

500-500 के नोटों के 13 बंडल मिले
ट्रेवल्स कंपनी में नमकीन के नाम पर बुक किए गए कार्टन में 500-500 के नोटों के 13 बंडल के अलावा 200 और 100 रुपए के नोटों की गड्डियां भी मिलीं। पुलिस ने नोटों की गिनती की। कार्टन से कुल 1 करोड़ 30 लाख 50 हजार रुपए मिले। पुलिस ने ट्रेवल्स कंपनी ऑफिस से फुटेज भी जब्त की है।

''स्वत्वाधिकारी राजस्थान पत्रिका प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक गजराज भण्डारी द्वारा 2/3 आई एन एस बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं राजस्थान पत्रिका प्रा. लि. भूखण्ड संख्या 68-69, फेज VII , सैक्टर-35, गुरुग्राम (हरियाणा) एवं मैसर्स विभा पब्लिकेशन प्राईवेट लिमिटेड, डी-160 बी, सैक्टर 7, गौतमबुद्ध नगर (यू.पी.) से मुद्रित। आर.एन.आई. नं. डेलहिन/2005/15156, सम्पादक: भुवनेश जैन।